www.deshbandhu.co.in खबरें लगातार...

राष्ट्रीय संस्करण

पत्र नहीं मित्र

देशबन्धु

नई दिल्ली, शनिवार, 25 नवम्बर, 2023 | वर्ष-16 | अंक -230 | पृष्ठ - 10 | मूल्य - 3.00 रुपए

आतंकवाद के खिलाफ भारत एकजुट और ... 02

- दिल्ली में प्रदूषण के लिए 36 फीसदी वाहन व 31 ... 03
- सीडमनी के जरिए 12वीं कक्षा के छात्रों ने स्थापित...

- हमास-इज़राइल के बीच 4 दिवसीय युद्ध विराम से लागू 07
- न्यूजीलैंड ने की नई गठबंधन सरकार की घोषणा

दिल टूटने की कहानी कहता है विशाल... 10

सार संक्षेप

बॉलीवुड फिल्मकार राज कुमार कोहली का निधन

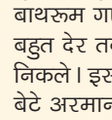

मुंबई। बॉलीवुड के जानेमाने फिल्मकार राज कुमार कोहली का शुक्रवार को निधन हो गया। वह 93 वर्ष के थे। बताया जा रहा है कि राजकुमार कोहली शुक्रवार सुबह नहाने केलिए बाथरूम गए थे, लेकिन बहुत देर तक वह बाहर नहीं निकले। इसके बाद उनके बेटे अरमान कोहली ने बाथरूम का दरवाजा तोड़ दिया व फिर पिता को बाहर निकालकर अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। कोहली का जन्म वर्ष 1930 में लाहौर में हुआ था।

भारत-नेपाल के बीच सूर्य किरण सैन्य अभ्यास शुरू

नई दिल्ली। नेपाल के 334 सैन्यकर्मियों की एक टुकड़ी 17 वें संयुक्त सैन्यभ्यास सूर्य किरण में हिस्सा लेने के लिए शुक्रवार को भारत पहुंची। अभ्यास सात दिसंबर तक उत्तराखंड के पिथौरागढ़ में होगा। यह सैन्यभ्यास वार्षिक कार्यक्रम है और दोनों देशों में बारी-बारी से आयोजित किया जाता है। अभ्यास में हिस्सा लेने वाली 354 सैन्य कर्मियों की भारतीय टुकड़ी का नेतृत्व कुमाऊं रेजिमेंट की एक बटालियन द्वारा किया जा रहा है, वहीं दूसरी तरफ नेपाल सेना की टुकड़ी का प्रतिनिधित्व तारा दल बटालियन कर रही है।

मुंबई हवाई अड्डे को बम से उड़ाने की धमकी

मुंबई। महाराष्ट्र में मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा-टर्मिनल 2 को उड़ाने की धमकी भरा ईमेल मिला है तथा इसे रोकने के एवज में बिटकॉइन में 10 लाख डॉलर दिए जाने की मांग की गई है। पुलिस सूत्रों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि धमकी भरा ईमेल मिलने के बाद स्थानीय सहार पुलिस स्टेशन में अपराध दर्ज करने के साथ ही मुंबई पुलिस के साइबर क्राइम सेल को भी सूचित किया गया। हवाई अड्डे के फीडबैक इनबॉक्स में गुरुवार को धमकी भरा ईमेल मिला जिसमें प्रेषक ने हवाई अड्डे के टर्मिनल दो पर विस्फोट को रोकने के लिए 48 घंटों के भीतर बिटकॉइन में 10 लाख डॉलर की मांग की।

पंजाब, अरुणाचल, असम में सड़कों के लिए 27 सौ करोड़ मंजूर

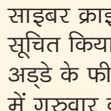

नई दिल्ली। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने शुक्रवार को कहा कि पंजाब, अरुणाचल प्रदेश तथा असम में राष्ट्रीय राजमार्गों को बेहतर बनाने के लिए करीब 2700 करोड़ रुपए की मंजूरी दी गई है। बताया गया कि अरुणाचल प्रदेश में राष्ट्रीय राजमार्ग-913 के जिदो-सिंघा खंड तक फैली हार्ड शोल्डर वाली करीब 47 किलोमीटर लंबी ग्रीनफील्ड इंटरमीडिएट लेन रोड के निर्माण के लिए 740.11 करोड़ रुपए के आबंटन को मंजूरी दी गई है।

उत्तरकाशी में कम नहीं हो रहीं बाधाएं

■ ऑगर मशीन के रास्ते में आया स्टील पाइप, काटकर बाहर निकाला ■ सुरंग में फंसे मजदूरों के बाहर निकलने का इंतजार बढ़ा

उत्तरकाशी, 24 नवम्बर (देशबन्धु)। उत्तराखंड में उत्तरकाशी के सिलक्यारा सुरंग में फंसे मजदूरों को बाहर निकालने के लिए ड्रिलिंग कर रही अमेरिकी ऑगर मशीन के सामने फिर बाधा आ गई। शुक्रवार शाम साढ़े चार बजे मशीन से करीब 24 घंटे बाद फिर ड्रिलिंग शुरू की गई थी, लेकिन फिर ऑगर के आगे सरिया व लोहे के पाइप आ गए हैं। सुरंग के भीतर फंसे मजदूरों के बाहर निकलने का सभी को इंतजार है। काम लगातार जारी है, यह इंतजार जल्द खत्म हो सकता है। एक छोटी सी बाधा ने इंतजार का समय और बढ़ाने का काम किया है। बताया जा रहा है कि 800 एमएम व्यास के ह्यूम पाइप्स मजदूरों तक पहुंचने के बेहद करीब थे, लेकिन मलबे में मोटी सरिया के ऑगर मशीन कटर पर अटकने से पुर्जे ही टूट गए। ऐसे में अंदर टेक्निकल दिक्कतों को दूर करने के लिए रातों रात दिल्ली से हेली की मदद लेकर एक्सपर्ट बुलाने पड़े और एनडीआरएफ, एसडीआरडीएफ सहित टीएचडीसी के इंजीनियरों की भी मदद ली गई। गुरुवार को दोपहर में रेस्क्यू कार्य फिर शुरु हुआ और उम्मीद जताई जा रही थी कि देर शाम या शुक्रवार तक सभी बाहर आ जाएंगे, लेकिन फिलहाल

- 12 नवम्बर से सुरंग में फंसे हैं 41 मजदूर
- मुख्यमंत्री धामी ने मातली में शिविर बनाकर जमाया डेरा

सुरंग के अंदर से रेस्क्यू कार्य को लेकर कोई खुशखबरी सामने अब तक नहीं आई है। हालांकि, अधिकारियों और विशेषज्ञों का दावा है कि फिर से छोटी बाधाएं नहीं आती आती है, तो मजदूरों की निकासी किसी भी पल संभव है। इसी पल के इंतजार में सीएम पुष्कर सिंह धामी मातली में कैंप बनाकर डेरा जमाए हुए हैं। साथ ही केंद्रीय सड़क परिवहन राज्य मंत्री जनरल वीके सिंह भी बीते रोज से इसी क्षेत्र में जमे हैं। आखिरी वक्त पत्रकारों को जानकारी देते हुए रेस्क्यू नोडल अफसर व उत्तराखंड शासन के सचिव डॉ नीरज खैरवाल ने बताया कि 45 मीटर तक ह्यूम पाइप पुश किए जाने के बाद बाधा उत्पन्न हो गई थी और रेस्क्यू निरंतर जारी है। हालांकि इसके बाद से कोई आधिकारिक बयान अब तक रेस्क्यू को लेकर सामने नहीं आया है। देखा जाए तो मजदूरों की चिंता इस वक्त परिजनों ही नहीं, बल्कि देश और दुनिया को भी है। यही वजह है कि यहां विदेशी मीडिया भी डेरा डालकर सुरंग में चल रहे रेस्क्यू के पल पल की अपडेट ले रहा है।

मजदूरों को सुरंग से बाहर निकालने को लेकर मॉक ड्रिल

सिलक्यारा सुरंग हादसे में फंसे मजदूरों को सुरक्षित निकालने के लिए युद्धस्तर पर रेस्क्यू ऑपरेशन जारी रहा। इस दौरान एनडीआरएफ ने मॉक ड्रिल कर बताया है कि सुरंग में फंसे मजदूरों को कैसे स्ट्रेचर पर लिटाकर निकाला जाएगा। अधिकारियों ने कहा है कि सुरंग के नीचे 13 दिनों से फंसे 41 श्रमिकों को एक बड़े पाइप के माध्यम से एक-एक करके पहिए वाले स्ट्रेचर पर बाहर निकाला जाएगा। एनडीआरएफ ने आज फंसे हुए श्रमिकों को बाहर निकालने के लिए स्ट्रेचर के उपयोग का मॉक ड्रिल किया।

श्रमिकों को लेकर मोदी ने ली जानकारी

उत्तरकाशी।। सिलक्यारा सुरंग में फंसे श्रमिकों के स्वास्थ्य को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने श्रमिकों की जानकारी ली। मोदी रोजाना सिलक्यारा सुरंग में फंसे 41 श्रमिकों एवं उनके परिजनों के बारे में मुख्यमंत्री पुष्कर धामी से फोन के द्वारा जानकारी ले रहे हैं। शुक्रवार को मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से बातचीत में प्रधानमंत्री ने बचाव कार्य में उत्पन्न होने वाली बाधा और रुकावट के बारे में विस्तार से जानकारी ली। इस दौरान मुख्यमंत्री ने उन्हें अवगत कराया कि न्यू ऑस्ट्रियन टनल मेथड से इस सुरंग का निर्माण किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इस्पात से बनी वस्तुओं के ऑगर मशीन के सामने आने पर कार्य में बाधा उत्पन्न हो रही है। ऐसे में ऑगर मशीन को रोककर और फिर उसे बाहर निकालकर सभी अवरोधों को श्रमिकों द्वारा दूर किया जा रहा है, जिसके कारण इस प्रक्रिया में समय लग रहा है। धामी को इस दौरान प्रधानमंत्री ने विशेष निर्देश दिए कि जब श्रमिक टनल से बाहर निकलेंगे तो उनके स्वास्थ्य परीक्षण और चिकित्सकीय देखभाल पर भी विशेष ध्यान दिया जाए।

डीपफेक पर सरकार सख्त

नई दिल्ली, 24 नवम्बर (देशबन्धु)। डीपफेक को लेकर केंद्र सरकार ने अपने तेवर सख्त कर लिए हैं। साफ कहा गया है कि इस मामले में जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई जाएगी। केंद्रीय सूचना प्रौद्योगिकी एवं इलेक्टानिक्स राज्यमंत्री राजीव चंद्रशेखर ने शुक्रवार को दो-टूक कहा कि शुक्रवार से इस संबंध में सरकार की नीति जीरो टालरेंस की रहेगी। इस मामले में मंत्रालय ने सभी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स को निर्देश दिया है कि वे सात दिनों के भीतर उपयोग करने की अपनी शर्तों को आईटी नियमों के अनुसार बदल लें। साथ ही डीपफेक का गलत उपयोग करने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कदम उठाने की तैयारी भी कर ली गई है। राजीव चंद्रशेखर ने कहा कि सरकार की तैयारी एक वेबसाइट बनाने की है। इसके माध्यम से लोगों को प्राथमिकी दर्ज कराने में सहूलियत होगी। इसके अलावा सरकार लोगों को मामला दर्ज करने में सहयोग देने के लिए एक अधिकारी की भी नियुक्ति की जाएगी

- सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को सप्ताहभर का समय
- प्राथमिकी दर्ज कराने में मदद करेगा केंद्र

पहले से अलर्ट करती आ रही सरकार

राज्यमंत्री ने कहा कि अक्टूबर 2022 से ही भारत सरकार गलत सूचना और डीपफेक के खतरे को लेकर सभी अलर्ट करती आ रही है। उन्होंने कहा कि सूचना प्रौद्योगिकी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स मंत्रालय ने सभी प्लेटफॉर्म्स को इस महीने की शुरुआत में एक एडवाइजरी जारी किया था, जिसमें ऐसे कानूनी प्रावधानों को बताया गया था। इससे पहले उन्होंने कहा था कि सभी प्लेटफॉर्म्स का गलत सूचना के प्रसार को रोकना कानूनी दायित्व है।

राजस्थान में प्रत्याशियों की परीक्षा आज

जयपुर, 24 नवम्बर (एजेंसियां)। राजस्थान में विधानसभा आम चुनाव-2023 के लिए शनिवार को मतदान होगा, जिसके लिए सभी तैयारियों पूर्ण कर ली गई है और इस बार पांच करोड़ 26 लाख 90 हजार 146 मतदाता अपने मताधिकार का उपयोग कर सकेंगे। निर्वाचन विभाग के अनुसार मतदान शनिवार को सुबह सात से शाम छह बजे तक कराया जाएगा। निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण मतदान के लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं और मतदान के लिए मतदान दल मतदान केंद्रों पर पहुंच गए हैं। इस चुनाव में राज्य की 200 विधानसभा सीटों में 199 सीटों के लिए 1860 से अधिक उम्मीदवार चुनाव मैदान में अपना चुनावी भाग्य आजमा रहे हैं। उल्लेखनीय है कि

- राज्य की 200 विस सीटों में 199 सीटों पर डाले जाएंगे वोट
- सुबह सात से शाम छह बजे तक होगा मतदान

गंगानगर जिले में करणपुर विस क्षेत्र से कांग्रेस प्रत्याशी एवं विधायक गुरमीत सिंह कुन्नर के निधन के कारण करणपुर सीट पर चुनाव स्थगित कर दिया गया। वोटिंग के लिए विधानसभा क्षेत्रों में 51,507 मतदान केंद्र बनाए गए हैं। इसमें 10,501 मतदान केंद्र शहरी क्षेत्र और 41,006 ग्रामीण क्षेत्र में हैं।

मतदान को लेकर सुरक्षा व्यवस्था सख्त

आज होने वाले मतदान को लेकर सुरक्षा व्यवस्था भी सख्त है। वोटिंग में कोई बाधा न आए इसके लिए 69,114 पुलिस जवानों, 32,876 होमगार्ड के साथ फोरेस्ट गार्ड और आरएसी जवानों की ड्यूटी लगाई गई है। अति संवेदनशील विधानसभा क्षेत्रों और इलकों में सीएपीएफ की 700 कंपनियों तैनात किया गया है। इसके अलावा हर विधानसभा क्षेत्र में 3 फ्लाइंग स्क्वॉड और 3 एसएसटी दल भी तैनात रहेंगे।

अडानी-हिंडनबर्ग मामले पर बोला सुप्रीम कोर्ट

रिपोर्ट को हम नहीं मान सकते सच

नई दिल्ली, 24 नवम्बर (देशबन्धु)। अडानी-हिंडनबर्ग मामले पर शुक्रवार को शीर्ष अदालत में सुनवाई हुई। इस दौरान कोर्ट ने याचिका पर सुनवाई पूरी करते हुए अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने हिंडनबर्ग रिसर्च की रिपोर्ट को लेकर कहा कि इसे सत्य बयान के तौर पर नहीं मान सकते हैं। इसकी सच्चाई को परखने और जांचने का कोई साधन नहीं है। इसीलिए हमने सेबी को इस मामले की जांच करने को कहा था। सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के दौरान कहा कि हमें हिंडनबर्ग की रिपोर्ट को तथ्य के तौर पर सही मानने की जरूरत नहीं है। सेबी इस मामले की जांच कर रही है। इसके साथ ही कोर्ट ने कहा कि सेबी अडानी-हिंडनबर्ग मामले की जांच पूरी करने के लिए और समय नहीं मांग सकता है। वहीं सुनवाई के दौरान कोर्ट ने वकील प्रशांत भूषण को हिंडनबर्ग की रिपोर्ट बेंच के सामने से पढ़ने से रोक दिया। वहीं इससे पहले हिंडनबर्ग मामले में अडानी ग्रुप को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिली थी। सुप्रीम कोर्ट की ओर से गठित एक्सपर्ट कमेटी को ग्रुप के खिलाफ जांच में कोई सबूत नहीं मिले थे। सुप्रीम कोर्ट की एक्सपर्ट कमेटी ने अपनी रिपोर्ट में कहा था कि अडानी ग्रुप द्वारा शेयर की कीमत में मैनिपुलेशन के कोई सबूत नहीं मिले हैं। जांच कमेटी ने सेबी की 4 रिपोर्टस का हवाला दिया गया था। सुनवाई के दौरान शीर्ष अदालत ने इस बात पर जोर दिया कि केंद्र सरकार और सेबी को भविष्य में निवेशकों के नुकसान को रोकने के लिए कदम उठाने चाहिए। मुख्य कारणों में से एक जिसके कारण हमें हस्तक्षेप करना पड़ा। वह शेयर बाजार की अत्यधिक अस्थिरता है जिससे निवेशकों को नुकसान हुआ।

अडानी-हिंडनबर्ग मामले की जांच पूरी करने के लिए और समय नहीं मांग सकता है सेबी : सुप्रीम कोर्ट

याचिकाकर्ता ने सेबी पर भी उठाए सवाल

याचिकाकर्ता के वकील ने कोर्ट में सेबी की भूमिका पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कोर्ट से कहा कि उनके पास 2014 से ही इस मामले की पूरी जानकारी थी। उन्होंने दावा करते हुए कहा कि खुफिया निदेशालय ने साल 2014 में ही सेबी के साथ पूरी जानकारी साझा की थी, लेकिन उन्होंने कोई कार्रवाई नहीं की। इस दौरान कोर्ट ने सवाल किया कि सेबी की जांच पर संदेह करने के लिए साक्ष्य कहां हैं? इस पर वकीलों की तरफ से कोई जवाब नहीं दिया गया।

अगले सप्ताह से देशभर में बढ़ेगी सर्दी

- पहलगाम व अनंतनाग में तापमान माइनस 3.3 डिग्री
- जम्मू-कश्मीर समेत सात राज्यों में बारिश की संभावना

नई दिल्ली, 24 नवम्बर (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर समेत 7 राज्यों में अगले 24 घंटों के दौरान बारिश हो सकती है। बीते 5 दिनों में पहली बार गुरुवार को कश्मीर का पारा 0.9 डिग्री से ऊपर रहा। पहलगाम और अंनतनाग में माइनस 3.3 डिग्री के साथ सबसे ज्यादा ठंड रिकार्ड की गई। आईएमडी ने अगले हफ्ते से उत्तर भारत में ठंड बढ़ने की संभावना जताई है। वहीं गुलमार्ग में तापमान माइनस 2 डिग्री रिकार्ड किया गया। बांदीपुरा, बारामूला, गांदरबल, कोकरनाग, कुलगाम, कुपवाड़ा जैसे इलाकों में तापमान जीरो से 1.7 डिग्री के बीच रहा। स्काइमेट के मुताबिक, जम्मू कश्मीर, गिलगित-बाल्टिस्तान और मुजफ्फराबाद के ऊपरी इलाकों में हल्की बारिश के साथ बर्फबारी हो सकती है। इसके अलावा केरल, तमिलनाडु, आंध्र, तेलंगाना के कुछ हिस्सों, कर्नाटक और लक्षद्वीप में हल्की मध्यम बारिश की संभावना है।

दिल्ली में ठंड के साथ बढ़ रही धुंध

दिल्ली में भी ठंड के साथ अब धुंध बढ़ने लगी है। राजधानी दिल्जी की हवा शुक्रवार को एक बार फिर खतरनाक स्तर पर पहुंच गई है। राजधानी का ओवर ऑल एयर क्वॉलिटी इंडेक्स 388 रहा। कई इलाकों में एक्यूआई 400 के पार रिकॉर्ड किया गया। पूसा में एक्यूआई 403, आईआईटी दिल्ली में 579, लोधी रोड क्षेत्र में 359 दर्ज किया गया। दिल्ली यूनिवर्सिटी एरिया और एयरपोर्ट (टर्मिनल-3) क्षेत्र में एक्यूआई 386 और 398 दर्ज किया गया। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार, आनंद विहार में एक्यूआई 411 था। अलीपुर, वजीरपुर और आरकेपुरम में 432, 443 और 422 के साथ एक्यूआई गंभीर कैटेगरी में दर्ज किया गया। तमिलनाडु में पिछले दो दिन से रुक-रुककर बारिश हो रही है।

इजराइल-हमास ने एक दूसरे के युद्ध बंदी छोड़े

हमास ने 25 बंधकों को छोड़ा, 12 थाईलैंड के नागरिक

हमास, 24 नवम्बर (एजेंसियां)। इजराइल-हमास जंग के 49 दिन बाद हमास ने बंधक बनाए गए थाईलैंड के 12 नागरिकों को छोड़ दिया है। थाईलैंड के प्रधानमंत्री श्रेथा थाविसिन ने जानकारी दी। उन्होंने कहा कि हमास ने हमारे 12 नागरिकों को छोड़ दिया है। एंबेसी के अधिकारी उन्हें लेने जा रहे हैं। थाईलैंड सरकार के मुताबिक उसके 26 नागरिकों को हमास ने बंधक बनाया था। इस बीच टाइम्स ऑफ इजराइल के मुताबिक, हमास ने 13 इजराइली बंधकों को भी छोड़ दिया है। यानी हमास ने अब तक कुल 25 बंधकों को छोड़ा है। ये सभी बंधक मिस्र के राफा बॉर्डर पर पहुंच गए हैं। इन्हें गाजा से मिस्र के रास्ते इजराइल के हत्जेरिम एयरबेस लाया जाएगा।

कतर-मिस्र की मध्यस्थता के बाद हुआ सीजफायर

कतर और मिस्र की मध्यस्थता के बाद इजराइल और हमास युद्ध विराम के लिए राजी हुए थे। इजराइल-हमास के बीच शुक्रवार से 4 दिन के लिए युद्धविराम शुरू हो गया है। गाजा में 14 हजार से ज्यादा लोगों की मौत के बाद इजराइल ने हमले बंद कर दिए हैं। सीजफायर की शुरुआत सुबह सात बजे हुई।

संजय सिंह की न्यायिक हिरासत बढ़ी

नई दिल्ली, 24 नवम्बर (देशबन्धु)। दिल्ली शराब घोटाला केस में आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह 4 दिसम्बर तक जेल में ही रहेंगे। स्पेशल जज एमके नागपाल ने उनकी ज्यूडिशियल कस्टडी चार दिसंबर तक बढ़ा दी है।

वहीं, संजय के वकील मोहम्मद इरशाद ने बताया कि संजय की जमानत के लिए याचिका राऊज एवेन्यू कोर्ट में लगाई गई है, जिस पर शनिवार को सुनवाई हो सकती है। इससे पहले संजय को 10 नवम्बर को दिल्ली के राउज एवेन्यू कोर्ट में पेश किया गया था। जहां उनकी कस्टडी 24 नवम्बर तक बढ़ाई गई थी। दिल्ली शराब घोटाला मामले में संजय सिंह 52 दिन से हिरासत में हैं। संजय सिंह को चार अक्टूबर को अरेस्ट किया था।

जमानत पर आज सुनवाई संभव

दावा जम्मू-कश्मीर में सेना के वरिष्ठ अधिकारी का दावा

आतंकी बन घुसपैठ कर रहे पाकिस्तान के रिटायर्ड फौजी

■ सुरेश एस डुग्गर

जम्मू, 24 नवम्बर (देशबन्धु)। जम्मू-कश्मीर में सेना को आतंकवाद का सफाया करने में अब फिर से कड़ी मेहनत करनी होगी। ऐसा इसलिए क्योंकि पाकिस्तान ने अब अपने रिटायर्ड फौजियों को आतंकी बना प्रदेश में भेजना आरंभ किया है। सेना मानती है कि ऐसा होने से आतंकवाद के खिलाफ भारत की जंग एक नए मोड़ पर पहुंच गई है।

सेना की उत्तरी कमान के आर्मी कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल उपेन्द्र दिवेद्धी ने माना है कि प्रदेश में मारे गए कई विदेशी आतंकियों की पृष्ठभूमि की जांच के दौरान यह जानकारी मिली है कि वे पाक सेना में काम कर चुके हैं।

उनका कहना था कि इसलिए ऐसे आतंकियों से मुठभेड़ के दौरान उन्हें कड़ा मुकाबला सहन करने के अतिरिक्त अपने जवानों व अफसरों को खोना पड़ा है। द्विवेदी ने कहा कि ऐसा लगाता है कि राजौरी मुठभेड़ में मारे गए आतंकवादियों को अफगानिस्तान और अन्य देशों में प्रशिक्षित किया गया था और उनका मारा जाना राजौरी-पुंछ इलाके में 'आतंकवाद और उसके ईको-सिस्टम' के लिए एक बड़ा झटका है। सेना कमांडर शुक्रवार सुबह जम्मू में राजौरी के कालाकोट में शहीद हुए सेना के जवानों व अफसरों को श्रद्धासुमन अर्पित करने के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे।

राजौरी मुठभेड़ में मारे गए आतंकी अफगानिस्तान व अन्य देशों से प्रशिक्षित : द्विवेदी

राजौरी व पुंछ में अभी भी 20 से 25 आतंकी सक्रिय

सेना कमांडर ने जोर देकर कहा कि सेना प्रदेश में सक्रिय सभी आतंकियों को मार गिराएगी। उनके अनुमान के मुताबिक, राजौरी और पुंछ के साथ लगते इलाकों में अभी भी 20 से 25 आतंकवादी सक्रिय हो सकते हैं। वे कहते थे कि इनमें से कितने पाक सेना के रिटायर्ड फौजी हैं, इसके बारे में जानकारी एकत्र की जा रही है। उनका कहना था कि प्रदेश में एक्टिव आतंकी संगठनों को जम्मू कश्मीर में स्थानीय आतंकी नहीं मिल रहे हैं।

देश

उवाच

'राज्यपाल की शक्तियों पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला न केवल पंजाब के राज्यपाल, बल्कि सभी राज्यपालों के लिए कड़ी फटकार है।' 'तमिलनाडु के राज्यपाल आरएन रवि को फैसले की हर पंक्ति पढ़नी चाहिए और अगर उन्हें यह जरूरी लगता है, तो फैसले को समझने के लिए एक सक्षम वरिष्ठ वकील को बुलाना चाहिए:– **पी.चिदंबरम, वरिष्ठ नेता कांग्रेस**

तापमान	अधिकतम	न्यूनतम
दिल्ली	26.7	09.3
मुंबई	35.6	21.6
कोलकाता	28.5	18.2
चेन्नई	29.3	22.2

राजस्थान में आज 199 सीटों पर मतदान

जयपुर, 24 नवम्बर (एजेंसियां)। राजस्थान में शनिवार को विधानसभा आम चुनाव में प्रदेश की कुल दो सौ विधानसभा सीटों में से 199 सीटों पर मतदान होगा। श्रीगंगानगर जिले की करणपुर विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस प्रत्याशी एवं विधायक गुरमीत सिंह कुन्नर के निधन के कारण करणपुर सीट पर चुनाव स्थगित हो गया। 199 सीटों पर हो रहे चुनाव में करीब डेढ सौ सीटों पर सत्तारुढ़ एवं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के बीच सीधा मुकाबला होने के आसार हैं जबकि चालीस से अधिक सीटों पर त्रिकोणीय एवं कुछ स्थानों पर चतुष्कोणीय मुकाबला माना जा रहा है। इस चुनाव में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत जोधपुर की सरदारपुरा सीट पर, पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे झालावाड़ जिले की झालरापाटन, विधानसभा अध्यक्ष डा सी पी जोशी राजसमंद की नाथद्वारा, पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट टोंक, उपनेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र सिंह राठौड़ चुरु जिले की तारानगर, उपनेता प्रतिपक्ष डा सतीश पूनियां जयपुर की आमेर, कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा सीकर जिले की लक्ष्मणगढ़ विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़कर फिर से अपना चुनावी भाग्य आजमा रहे हैं। इनके अलावा सत्तारुढ कांग्रेस के कई मंत्री एवं विधायक फिर चुनाव मैदान में ताल ठोक रहे हैं।

इस चुनाव में इस बार दल बदल कर भी एक दूसरे दल से चुनाव लड़ रहे है ,उनमें पूर्व केन्द्रीय मंत्री सुभाष महरिया कांग्रेस छोड़कर फिर भाजपा प्रत्याशी के रुप में श्री डोटासरा के सामने चुनाव लड़ रहे हैं। इसी तरह नागौर से पूर्व सांसद ज्योति मिर्धा कांग्रेस छोड़कर भाजपा उम्मीदवार के रुप में नागौर से ही चुनाव मैदान में हैं। कांग्रेस

विधायक गिर्राज सिंह मलिंगा भी भाजपा में शामिल होकर बाड़ी से भाजपा के टिकट पर चुनाव लड़ रहे हैं। इसी तरह भाजपा विधायक शोभारानी कुशवाह कांग्रेस का दामन थाम कर फिर चुनाव मैदान में हैं। इसी तरह किशनगढ़ से भाजपा के बागी हुए विकास चौधरी कांग्रेस से टिकट लेकर चुनाव लड़ रहे हैं। इसी तरह अन्य कई उम्मीदवार है जो एक दूसरे की पार्टी में चुनाव लड़ रहे।

जिन 199 सीटें पर शनिवार को मतदान होना हैं उनमें सादुलशहर, गंगानगर, सूरतगढ़, रायिसंहनगर (अजा) , अनूपगढ (अजा) , संगरिया, हनुमानगढ, पीलीबंगा (अजा), नोहर, भादरा, खाजूवाला (अजा) , बीकानेर पश्चिम, बीकानेर पूर्व, कोलायत, लूणकरणसर, डूंगरगढ, नोखा, सादुलपुर, तारानगर, सरदारशहर, चुरु, रतनगढ़, सुजानगढ़ (अजा), पिलानी (अजा), सूजरजगढ, झुंझुनूं, ,मंडावा, नवलगढ़, उदयपुरवाटी, खेतड़ी, फतेहपुर, लक्ष्मणगढ, धोद (अजा), सीकर, दांतारामगढ, खण्डेला, श्रीमाधोपुर, कोटपुतली, विराटनगर, शाहपुरा, चौमू, फुलेरा, दूदू, झोंटवाड़ा, आमेर , जमवारामगढ़ (अजजा), हवामहल, विद्याधरनगर, सिविल लाइंस, किशनपोल, आदर्शनगर, मालवीय नगर, सांगानेर, बगरु (अजा) , बस्सी (अजजा) , चाकसू (अजा) तिजारा, किशनगढबास, मुण्डावर, बहरोड़ , बानसूर, थानागाजी, अलवर ग्रामीण (अजा) अलवर शहर, रामगढ़, राजगढ़ लक्ष्मणगढ, एवं कठूमर (अजा) शामिल हैं।

इसी तरह कामां, नगर, डीग-कुम्हेर, भरतपुर, नदबई, वैर, (अजा) बयाना, (अजा) बसेड़ी (अजा), बाडी, धौलपुर, राजाखेड़ा, टोडाभीम (अजजा) हिण्डौन (अजा) करौली, सपोटरा (अजजा) बांदीकुई, महुवा, सिकराय (अजा) दौसा, लालसोट (अजजा) गंगापुर, बामनवास (अजजा) , सवाईमाधोपुर, खण्डार (अजा) मालपुरा, निवाई (अजा) , टोंक, देवली उनियारा, किशनगढ़, पुष्कर, अजमेर उत्तर, अजमेर दक्षिण, नसीराबाद, ब्यावर, मसूदा, केकड़ी, लाडनूं, डीडवाना, जायल (अजा) नागौर, खींवसर, मेड़ता (अजा) डेगाना, मकराना, परबतसर, नावां, जैतारण, सोजत (अजा), पाली, मारवाड़ जक्शन, बाली, सुमेरपुर, फलौदीख् लोहावट, शेरगढ़, ओंसिया, भोपालगढ़ (अजा) सरदारपुरा, जोधपुर, सूरसागर, लूणी, बिलाड़ा (अजा) जैसलमेर, पोकरण, शिव, बाड़मेर, बायतू, पचपदरा, सिवाना, गुढ़ामालानाी, चौहटन (अजा) आहोर, जालोर (अजा) भीनमाल, सांचौर, एवं रानीवाड़ा शामिल है।

गहलोत ने की पायलट की वोट अपील साझा, कहा, 'सब ठीक है'

नई दिल्ली। राजस्थान विधानसभा के लिए मतदान के लिए एक दिन शेष रहने पर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने शुक्रवार को सचिन पायलट की वोट की अपील साझा की और कहा कि पार्टी में सब ठीक है। 200 सदस्यीय विधानसभा के लिए चुनाव प्रचार गुरुवार शाम को थम गया। मुख्यमंत्री ने अपने एक्स हैंडल पर पायलट का वीडियो पोस्ट किया, जहां पूर्व राज्य इकाई प्रमुख राज्य में मतदाताओं से कांग्रेस को चुनने और हर पांच साल के बाद वैकल्पिक पार्टी सरकारों की परंपरा को बदलने का आग्रह कर रहे हैं और राज्य के कार्यों पर भी प्रकाश डाल रहे हैं। पायलट की वीडियो अपील में गहलोत और पायलट के साथ पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी भी नजर आ रहे हैं। विधानसभा चुनावों से पहले, गहलोत और पायलट ने एकजुट चेहरा पेश किया है और रेगिस्तानी राज्य में संयुक्त रूप से एक सार्वजनिक बैठक को भी संबोधित किया है। वीडियो में पायलट ने यह भी कहा कि उन्होंने सैकड़ों सार्वजनिक बैठकों को संबोधित किया है और अभी भी कई क्षेत्रों तक पहुंचने में असमर्थ हैं। पायलट ने अपील की, 'इस प्रकार वीडियो के माध्यम से मैं राज्य के अपने सभी लोगों से कांग्रेस को वोट देने और राजस्थान में वैकल्पिक पार्टी सरकार की परंपरा को बदलने की अपील कर रहा हूं।'

अजमेर की आठ विधानसभा क्षेत्रों के लिए मतदान दलों की रवानगी

अजमेर। राजस्थान विधानसभा चुनाव-2023 के लिए 25 नवम्बर को होने जा रहे मतदान के लिए आज अजमेर की सभी आठ विधानसभा क्षेत्रों के लिए मतदान दलों की रवानगी की गई। अजमेर जिला एकीकृत के तहत आठों विधानसभा क्षेत्र के लिए अजमेर के नसीराबाद रोड के माखुपुरा स्थित राजकीय पोलोटैक्निक महाविद्यालय से मतदान दलों को जिलानिर्वाचन अधिकारी डा. भारती दीक्षित के निर्देशन में रवाना किया गया। अजमेर एकीकृत के किशनगंढ़, ब्यावर, मसूदा, केकड़ी के दलों को पहले राऊंड में तथा पुष्कर, नसीराबाद , अजमेर उत्तर व अजमेर दक्षिण के मतदान दलों को अन्तिम प्रशिक्षण के बाद रवाना किया गया ।

राजस्थान के सबसे ऊंचे मतदान केन्द्र शेरगांव के लिए मतदान दल रवाना

जयपुर। राजस्थान में शनिवार को होने वाले विधानसभा आम चुनाव में सिरोही जिले में आबू पिंडवाड़ा विधानसभा क्षेत्र के शेरगांव में स्थित प्रदेश का सबसे ऊंचा मतदान केन्द्र के लिए सबसे पहले मतदान दल को रवाना किया गया। निर्वाचन विभाग के अनुसार मतदान दल राज्य की सबसे ऊंची चोटी गुरुशिखर से करीब 17 किलोमीटर पैदल चलकर शेरगांव स्थित इस मतदान केन्द्र पर पहुंचेगा। निर्वाचन विभाग की और से पहली बार शेरगांव में मतदान केन्द्र बनाया गया हैं जहां पर केवल 118 मतदाता है जो पहली बार अपने गांव में मतदान कर सकेंगे। इससे पहले ये मतदाता दस किलोमीटर पैदल चलकर उतरज में मतदान करने जाते थे। आबू पिंडवाड़ा विधानसभा क्षेत्र में 210 मतदान केंद्र बनाये गये हैं जहां दो लाख 27 हजार 856 मतदाता अपने मतों का उपयोग कर सकेंगे।

सार संक्षेप

लालू यादव एकदम अशुभ है इंडी गठबंधन के लिए: सम्राट चौधरी

पटना। कोई कहीं चले जाए उसे कोई फर्क नहीं पड़ने वाला है। लालू यादव ने जिस तरह कल बोला कि पीएम अशुभ है। ठीक उसी तरह लालू यादव एकदम अशुभ है इंडी गठबंधन के लिए। जब तक मोदी जी हैं तब तक उनके लिए राजनीतिक तौर पर काल के रूप में खड़े रहेंगे। यह बातें बिहार भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी ने कही है। दरअसल, बिहार के सीएम नीतीश कुमार और राजद सुप्रीमों लालू यादव वर्तमान में दिल्ली में मौजूद हैं। वहीं, इन दोनों नेताओं के एक साथ दिल्ली में होने को लेकर कई तरह के राजनीतिक समीकरण तैयार किए जा रहे हैं। ऐसे में जब इसको लेकर आज भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी ने कहा कि - जब तक मोदी जी हैं तब तक उनके लिए राजनीतिक तौर पर काल के रूप में खड़े रहेंगे। दोनों कहीं रहे उससे कोई फर्क नहीं पड़ने वाला है। लालू इंडी गठबंधन के लिए अशुभ है। वहीं, भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष संजय जसवाल ने कहा कि- लालू - नीतीश ने इतना घोटाला किया है की इनकी तबीयत तो खराब होनी है। ये लोग खुद मान कर चलते हैं कि जब हमसे कोई सवाल पूछेगा तो तबीयत तो खराब होगी ही न। जबकि हकीकत तो ये हैं की नीतीश कुमार को नाइलाज बीमारी हुआ है। उनको जिस तरह से भूलने की बीमारी और रात में जो सपना देखते हैं उसको दिन में कहने की बीमारी हुई है उसको कोई इलाज अब कहीं नहीं है।

मुंबई एयरपोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी देने वाला शख्स केरल से पकड़ा गया

मुंबई। महाराष्ट्र आतंकवाद निरोधी दस्ते (एटीएस) की साइबर सेल ने शुक्रवार को केरल से एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया, जिसने कथित तौर पर मुंबई हवाई अड्डे के टर्मिनल 2 को उड़ाने की धमकी दी थी। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। गुरुवार को, छत्रपति शिवाजी महाराज अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे (सीएसएमआईए) को एक गुमनाम ईमेल प्राप्त हुआ जिसमें बिटकॉइन में 1 मिलियन डॉलर की राशि का भुगतान नहीं करने पर '48 घंटों के भीतर टर्मिनल 2 को उड़ाने' की धमकी दी गई थी। अल्टीमेटम के बाद, मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड ने सहार पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई, जो कार्रवाई में जुट गई। आईडी केदकैसरोल@जीमेल डॉट कॉम से और फीडबैक इनबॉक्स में ईमेल सुबह 11 बजे के आसपास प्राप्त हुआ, जिसमें लिखा था। 'विषय विस्फोट। यह आपके हवाई अड्डे के लिए अंतिम चेतावनी है। यदि बिटकॉइन में दस लाख डॉलर पते पर स्थानांतरित नहीं किए गए तो हम 48 घंटों के भीतर टर्मिनल 2 को विस्फोट से उड़ा देंगे। एक और अलर्ट 24 घंटे बाद आएगा।

भाजपा सांसद दुबे ने फिर किया महुआ मोइत्रा पर हमला, दाउद इब्राहिम से की तुलना

नई दिल्ली, 24 नवम्बर (देशबन्धु)। पैसा लेकर संसद में सवाल पूछने के मामले में गुरुवार को पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने पार्टी सांसद महुआ मोइत्रा का बचाव किया था। तो आज भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने पलटवार करते हुए महुआ की तुलना अंडरवर्ल्ड डॉन दाउद इब्राहिम से कर दी। दुबे ने तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहाकि दाउद भी उत्तरप्रदेश के आजमगढ़ से चुनाव लडता है तो 99 फीसदी संभावना है कि वह जीत जाएगा। तब अगर ममता बनर्जी की थ्योरी सही है तो इसका मतलब यह है कि दाउद इब्राहिम गद्दार नहीं है। दुबे ने आरोप लगाया कि टीएमसी सांसद ने सिर्फ दर्शन हीरानंदानी को ही अपना लॉगिन पासवर्ड नही दिया था। बल्कि इसे कई स्थानों दिल्ली, बेंगलुरू, सैनफ्रासिस्को से भी लॉगिन किया गया था। यह एक बडी साजिश है। इतना ही नहीं उन्होंनें महुआ द्वारा पूर्व में देवी काली को लेकर की गई विवादित टिप्पणियों को लेकर भी ममता को आडे हाथों लिया। भाजपा सांसद ने कांग्रेस पर भी हमला बोलते हुए कहाकि जिस कांग्रेस पार्टी ने साल 2005 में राजाराम पाल को पैसा लेकर प्रश्न पूछने के आरोप में संसद से बर्खास्त किया था। 2009 में उसी को टिकट थमाकर लोकसभा चुनाव भी लडवाती है।यह इंडिया गठबंधन का इतिहास है कि उन्हें दाउद इब्राहिम जैसे भ्रष्ट, देशद्रोही व्यक्ति पसंद हैं। बतादें कि कल ममता बनर्जी ने पैसा लेकर सवाल पूछने के मामले में अपनी सांसद का बचाव करते हुए कहा था कि भाजपा महुआ को संसद से बाहर निकालने की योजना बना रही है।

केसीआर सरकार अपनी एक्सपायरी डेट पार कर चुकी है : प्रियंका गांधी

वारंगल (तेलंगाना), 24 नवम्बर (एजेंसियां)। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने शुक्रवार को कहा कि तेलंगाना में केसीआर सरकार अपनी एक्सपायरी डेट पार कर चुकी है। उन्होंने आरोप लगाया कि भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) सरकार, जिसे लोगों ने 10 साल पहले नए राज्य में बहुत उम्मीदों के साथ चुना था, ने लोगों को धोखा दिया है। प्रियंका गांधी कांग्रेस के चुनाव अभियान के तहत वारंगल जिले के पालकुर्थी निर्वाचन क्षेत्र में एक चुनावी रैली को संबोधित कर रही थीं।

उन्होंने कहा, 'इस सरकार ने हर स्तर पर आपके साथ अन्याय किया है। इसकी एक्सपायरी डेट बीत चुकी है। उन्होंने दावा किया कि राज्य में कांग्रेस की लहर चल रही है। प्रियंका गांधी ने लोगों से उस सरकार को हटाने का आग्रह किया जो उम्मीदों पर खरी नहीं उतरी और बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार किया।

'इस सरकार ने हर स्तर पर आपके साथ अन्याय किया है। इसकी एक्सपायरी डेट बीत चुकी है, राज्य में कांग्रेस की लहर चल रही है:-प्रियंका गांधी वाड्रा, महासचिव कांग्रेस

कांग्रेस ने आरोप लगाया कि सरकार जनता से किए वादे पूरे करने में विफल रही है। उन्होंने कहा कि सत्ता में बैठे लोगों ने जनता के हजारों करोड़ रुपए लूट लिए। उन्होंने कहा कि जब नया राज्य बना तो युवाओं को नौकरी मिलने की उम्मीद थी, लेकिन सरकार ने धोखा दिया। उन्होंने कहा, युवाओं ने नौकरी पाने के लिए परीक्षाओं में कड़ी मेहनत की लेकिन प्रश्नपत्र लीक होने से उनका भविष्य बर्बाद हो गया और उनमें से कई ने आत्महत्या कर ली। उन्होंने वादा किया कि अगर कांग्रेस सत्ता में आई तो तेलंगाना में युवाओं को 2 लाख सरकारी नौकरियां देगी जैसा कि उसने राजस्थान में किया है। तेलंगाना देश में सबसे अधिक बेरोजगारी दर वाले राज्यों में से एक है, उन्होंने कहा कि कांग्रेस एक नौकरी कैलेंडर जारी करेगी, जिसमें परीक्षाओं की तारीखें, परिणाम और नौकरी नोटिस दिए जाएंगे। उन्होंने कहा, 'हमारा दृष्टिकोण तेलंगाना के युवाओं को अपने पैरों पर खड़ा होने और उन्हें सशक्त बनाने में मदद करना है।' कांग्रेस नेता ने कहा कि सत्ता में आने पर कांग्रेस छात्रों को उनकी शिक्षा के लिए 5 लाख रुपए देगी। हर जिले में अंतरराष्ट्रीय मानकों वाला एक स्कूल स्थापित किया जाएगा। प्रियंका गांधी ने कांग्रेस द्वारा दी गई छह गारंटी के बारे में भी लोगों को बताया। उन्होंने कहा कि महिलाएं महंगाई से सबसे ज्यादा प्रभावित होती हैं।

कांग्रेस के सत्ता में आने के बाद उन्हें प्रति माह 2,500 रुपए की वित्तीय सहायता मिलेगी, जबकि रसोई गैस सिलेंडर 500 रुपए में उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने कहा, 'कर्नाटक में मेरी बहनों की तरह, आप सभी आरटीसी बसों में मुफ्त यात्रा कर सकेंगे।'

आतंकवाद के खिलाफ भारत एकजुट और मजबूत है : खड़गे

नई दिल्ली, 24 नवम्बर (एजेंसियां)। कांग्रेस प्रमुख मल्लिकार्जुन खड़गे ने शुक्रवार को जम्मू-कश्मीर के राजौरी में दो कैप्टन समेत पांच सैन्यकर्मियों की मौत पर शोक व्यक्त किया और कहा कि भारत आतंकवाद के खिलाफ एकजुट और मजबूत है। एक्स पर एक पोस्ट में खड़गे ने कहा, 'जम्मू-कश्मीर के रजौरी

इलाके में आतंकवादियों से लड़ते हुए सर्वोच्च बलिदान देने वाले दो कैप्टन और सेना के तीन जवानों सहित पांच सैन्य कर्मियों की शहादत से बेहद दुखी हूं।' उन्होंने कहा, 'आतंकवादियों से लड़ने में अदम्य साहस और वीरता दिखाने के लिए कैप्टन एमवी प्रांजल, कैप्टन शुभम गुप्ता, हवलदार अब्दुल माजिद, लांस नायक संजय बिष्ट और पैराट्रूपर सचिन लौर को सलाम। दुख की इस घड़ी में, उनके परिवारों और प्रियजनों के प्रति हमारी गहरी संवेदना है। कांग्रेस नेता, जो राज्यसभा में विपक्ष के नेता भी हैं, ने कहा, 'भारत आतंकवाद के खिलाफ एकजुट और मजबूत है।'

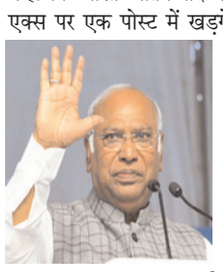

उनकी यह टिप्पणी बुधवार को जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले के बाजीमल इलाके में आतंकवादियों के खिलाफ ऑपरेशन में दो कैप्टन समेत पांच सैन्यकर्मियों के शहीद होने के बाद आई है। बुधवार और गुरुवार को सुरक्षा बलों के साथ 36 घंटे तक चली मुठभेड़ में अफगानिस्तान में प्रशिक्षित लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) के एक शीर्ष कमांडर सहित दो आतंकवादी मारे गए।

मुख्यमंत्री केसीआर ने कहा जल्दबाजी में वोट न डालें, सोच समझकर वोट करें

मंचेरियल, 24 नवम्बर (देशबन्धु)। मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव ने शुक्रवार को मंचेरियल में आयोजित आशीर्वाद सभा को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस से बहुत सावधान रहें। कांग्रेस ने एक नया तरीका शुरू किया है। कांग्रेस उम्मीदवार कहते हैं कि मुझे जीतने दें, मैं बीआरएस में शामिल होऊंगा। आप इस पर विश्वास नहीं करें। अगर आपने कांग्रेस को वोट दिया तो दस साल की मेहनत बर्बाद हो जाएगी। बीआरएस उम्मीदवार दिवाकर राव सौम्य हैं, वह एक अच्छे इंसान हैं, आप उन्हें वोट देकर भारी मतों से जिताएं। मुख्यमंत्री केसीआर ने कहा कि अगर दिवाकर राव जीतते हैं तो यह आपके लिए हर तरह से अच्छा होगा। अगर सभी इलाकों तक पानी नहीं पहुंचता है तो उसे रोकने के लिए गोदावरी पर बैरियर बनाया जाना चाहिए। मैं आपसे आग्रह कर रहा हूं कि आप दिवाकर राव को जिताएं, मैं इस कार्य को पूरा करूंगा। कल राज्य

की बेहतरी किसके हाथों में होगी यह आपका वोट तय करेगा।

मुख्यमंत्री केसीआर ने कहा कि आप जल्दबाजी में वोट न डालें, सोच समझकर वोट करें। आपका वोट लोकतंत्र में लोगों के पास एकमात्र अनमोल और मूल्यवान हथियार है। यदि आप उस वोट का सही उपयोग करते हैं तो तेलंगाना का भविष्य अगले पांच वर्षों तक अच्छा होगा। यहां जो भी विधायक जीतेगा, हैदराबाद में उसी की सरकार बनेगी।अगर अच्छा विधायक जीतेगा तो अच्छी सरकार आएगी। आपको यहां खड़े उम्मीदवारों के बारे में जरूर सोचना चाहिए। यह महत्वपूर्ण बात यह है कि उम्मीदवारों के पीछे कौन सी पार्टी है। आपको उन पार्टियों का इतिहास भी देखना चाहिए, आपको पार्टियों के आचरण, इतिहास और जनता के प्रति रवैये पर भी विचार करना चाहिए।

बीआरएस पार्टी तो आप सभी जानते हैं। बीआरएस का जन्म आपकी आंखों के सामने तेलंगाना के अधिकारों के लिए हुआ है। हमने पंद्रह वर्षों तक कड़ा संघर्ष किया और अंतत: तेलंगाना राज्य हासिल किया। मुख्यमंत्री केसीआर ने कहा कि यह कांग्रेस पार्टी है जिसने तेलंगाना को नष्ट कर दिया। हमारा तेलंगाना हमारे लिए था। 1956 में उनकी गलती का खामियाजा हमें 58 साल तक भुगतना पड़ा। यहां गोदावरी मौजूद है लेकिन उसका पानी कभी हमारे खेतों तक नहीं पहुंचा। यहाँ तक कि गोदावरी के जलग्रहण क्षेत्र में भी उचित ताज़ा पानी उपलब्ध नहीं कराया जा सका।

मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव के बाद अफसरों की बढ़ेगी मुसीबत

भोपाल, 24 नवम्बर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश में विधानसभा चुनाव के लिए मतदान हो चुके हैं और मतगणना होने से पहले कई नौकरशाहों पर गंभीर आरोप लगने लगे हैं। चुनाव नतीजे आने के बाद इन अफसरों को सबक सिखाए जाने तक की बयानबाजी हो रही है। दरअसल, राज्य में मतदान के दौरान कई स्थानों पर गड़बड़ी की शिकायतें आई और उसमें प्रशासनिक अधिकारियों पर भी पक्षपात करने के आरोप लगे। सत्ताधारी दल भाजपा और विपक्षी दल कांग्रेस की ओर से खुलकर आरोप लगाए गए। इतना ही नहीं दोनों दलों के प्रतिनिधिमंडलों ने चुनाव आयोग में शिकायत की।

राज्य में लगभग एक दर्जन ऐसे कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक हैं, जिनके खिलाफ दोनों राजनीतिक दलों की ओर से गंभीर आरोप लगाए गए हैं और शिकायतें की गई है। कांग्रेस ने तो अपने कार्यकर्ताओं से ऐसे अधिकारियों और कर्मचारियों की भी सूची मंगाई है, जिन्होंने चुनाव के दौरान सत्ताधारी दल का कथित साथ दिया है। भाजपा की ओर से भी ऐसे अफसरों को सबक सिखाए जाने की बात की जा रही है, जिन्होंने मतदान के दौरान मनमानी की है। जानकारों का कहना है कि दोनों ही राजनीतिक दल यह मानकर चल रहे हैं कि चुनाव नतीजे काफी कशमकश भरे रहने वाले हैं। इन स्थितियों में प्रशासनिक मशीनरी पर दबाव बनाने का एक ही तरीका है और वह है उन पर पक्षपात के आरोप लगाना। इसी के चलते दोनों ही राजनीतिक दल दबाव बनाने और बढ़ाने के लिए नौकरशाहों पर आरोप लगा रहे हैं। हां, यह बात भी सही है कि कुछ अफसरों ने मनमानी तो की ही है।

संबोधित | *तकनीक का उपयोग करने की आवश्यकता कई गुना बढ़ गई*

सोशल मीडिया के दौर में अपडेटेड उपकरणों और उन्नत तकनीक की आवश्यकता: राष्ट्रपति

नई दिल्ली, 24 नवम्बर (एजेंसियां)। सोशल मीडिया के दौर में नागरिकों तक सर्विसेज पहुंचाने के लिए अपडेटेड उपकरणों और उन्नत तकनीक के उपयोग की आवश्यकता है। शुक्रवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने यह बात कही।

राष्ट्रपति ने कहा कि सोशल मीडिया के दौर में जब लोग अपनी शिकायतें तुरंत पोस्ट कर सकते हैं, लोगों तक सेवाओं की आपूर्ति के लिए अपडेटेड शासन संबंधी उपकरणों और उन्नत तकनीक का उपयोग करने की आवश्यकता कई गुना बढ़ गई है। उन्होंने कहा कि आम लोगों की शिकायतों एवं समस्याओं पर तत्काल प्रतिक्रिया देना सिविल सेवकों का कर्तव्य है। राष्ट्रपति के मुताबिक युवा अधिकारियों को ऐसे नवोन्वेषी कदम उठाने चाहिए

सोशल मीडिया के दौर में जब लोग अपनी शिकायतें तुरंत पोस्ट कर सकते हैं, लोगों तक सेवाओं की आपूर्ति के लिए अपडेटेड शासन संबंधी उपकरणों और उन्नत तकनीक का उपयोग करने की आवश्यकता कई गुना बढ़ गई है:-द्रौपदी मुर्मू , राष्ट्रपति

जो लघु एवं दीर्घावधि में नागरिकों और देश के लिए लाभदायक हों।

शुक्रवार को गुरुग्राम स्थित हिपा में 98वें विशेष फाउंडेशन कोर्स में भाग ले रहे प्रशिक्षु अधिकारियों के एक समूह ने राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की। इस दौरान राष्ट्रपति ने उनसे यह बातें कहीं। इस अवसर पर बोलते हुए, राष्ट्रपति ने कहा कि हमारे सिविल सेवकों ने देश के बहुमुखी विकास में बहुत बड़ी भूमिका निभाई है। वे देश की एकता और अखंडता को मजबूत करने के लिए भी जिम्मेदार हैं। आज देश जिस परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है, वह हमारे सिविल सेवकों के दृढ़ संकल्प के बिना संभव नहीं हो सकता था। राष्ट्रपति ने कहा कि देश के समावेशी विकास के लक्ष्य को हासिल करना सिविल सेवकों का कर्तव्य है। भारत के नागरिक देश की विकास यात्रा में सक्रिय भागीदार हैं। उन्होंने उनसे विभिन्न कार्यक्रमों के उद्देश्यों को हासिल करने हेतु जनभागीदारी को बढ़ावा देने का आग्रह किया।

राष्ट्रपति ने कहा कि काल और परिस्थिति के अनुसार सुशासन के मायने बदल जाते हैं। नवीनतम तकनीकों के आगमन के साथ, नागरिकों को त्वरित एवं कुशल सेवा आपूर्ति सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर जोर देने हेतु इलेक्ट्रॉनिक गवर्नेंस, स्मार्ट गवर्नेंस, प्रभावी गवर्नेंस तथा अन्य शब्दावली उभरे हैं।

कैपिटल ज़ोन

उल्टा पुल्टा

पिता ने बेटे से कहा : लड़की वालों के सामने बड़ी-बड़ी बातें करना, लड़की वालों के आते ही बेटे ने पिता से कहा : पापा चाबी देना वो ट्रेन धूप में खड़ी है, उसे अंदर कर दूं...

दिल्ली में प्रदूषण के लिए 36 फीसदी वाहन व 31 फीसदी बायोमास बर्निंग जिम्मेदार: गोपाल राय

नई दिल्ली, 24 नवम्बर (देशबन्धु)। दिल्ली में प्रदूषण के लिए 36 फीसदी वाहन और 31 फीसदी बायोमास बर्निंग जिम्मेदार है। इसकी रोकथाम के लिए सख्ती से रोकथाम की दिशा में काम किया जाएगा। दरअसल शुक्रवार को दिल्ली के पर्यावरण

मंत्री गोपाल राय ने पर्यावरण विभाग और डीपीसीसी के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। इसमें अधिकारियों ने प्रदूषण के लिए जिम्मेदार कारक की जानकारी दी। इस बैठक के बाद पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने कहा कि सर्दियों में प्रदूषण का स्तर बढ़ने के पीछे बायोमास बर्निंग, वाहनों का प्रदूषण और धूल कण बड़ी वजह होती है।

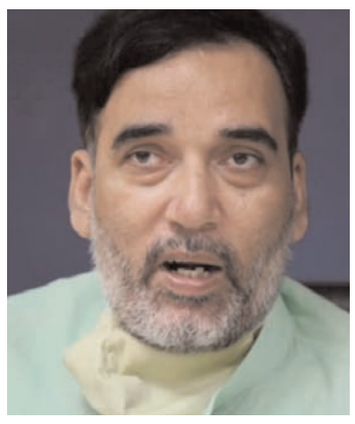

सर्दियों में प्रदूषण का स्तर बढ़ने के पीछे बायोमास बर्निंग, वाहनों का प्रदूषण और धूल कण बड़ी वजह होती है:-गोपाल राय, पर्यावरण मंत्री

बैठक के दौरान वैज्ञानिकों ने बताया कि अभी दिल्ली और एनसीआर के प्रदूषण में 36 फीसद वाहन प्रदूषण का और 31 फीसद बायोमास बर्निंग का योगदान है। ग्रेप-3 के तहत बीएस 3 पेट्रोल और बीएस 4 डीजल एलएमवी (4 पहिया वाहन) के संचालन पर प्रतिबंध लागू है। अगर इसका कोई उल्लंघन करता है तो मोटर व्हीकल्स एक्ट -1988 के तहत 20 हजार रुपये का जुर्माना लगाया जाएगा। इसके लिए ट्रांसपोर्ट विभाग द्वारा 84 टीमें लगाई गई है। साथ ही, दिल्ली पुलिस की 284 टीम लगायी गयी है। परिवहण विभाग और दिल्ली पुलिस को सख्ती के साथ मानिटरिंग करने का निर्देश दिया गया है।

मंत्री ने कहा कि दिल्ली में प्रदूषण की स्थिति में थोड़ी बढ़ोत्तरी दर्ज हुई है। जबकि पराली जलने की घटना कम हुई है। ऐसे में प्रदूषण के बढ़ने के पीछे कारण को जानने के लिए बैठक में चर्चा हुई। इस दौरान विशेषज्ञों का कहना है कि प्रदूषण के लिए वाहन और बायोमास बर्निंग बड़े जिम्मेदार हैं। इसे देखते हुए 2-3 निर्णय लिए गए हैं। पहला निर्णय यह लिया गया है कि ग्रेप-3 के तहत बीएस-3 पेट्रोल और बीएस-4 डीजल वाहनों पर जो प्रतिबंध लगा है उसका कड़ाई से पालन करवाने के लिए परिवहन विभाग और ट्रैफिक पुलिस को निर्देश जारी कर दिया गया है। बायोमास बर्निंग की घटनाएं की रोक-थाम के लिए सभी संबंधित विभागों विशेष रूप से एम.सी.डी, रेवन्यू, एन.डी.एम.सी., दिल्ली छावनी बोर्ड ,डी.डी.ए को आदेश दिया गया है कि बायोमास बर्निंग को रोकने के लिए विशेष अभियान चलाएं।

निगम स्कूलों में कैमरे व सुरक्षाकर्मी नियुक्त किए जाएंगे

नई दिल्ली, 24 नवम्बर (देशबन्धु)। दिल्ली नगर निगम के स्कूलों में सुरक्षा व्यवस्था पुख्ता करने के लिए सीसीटीवी कैमरे और सुरक्षा कर्मी नियुक्त किए जाएंगें। मिली जानकारी के अनुसार निगम की आप सरकार ने निगम विद्यालयों में बच्चों की सुरक्षा व्यवस्था पुख्ता करने के लिए सीसीटीवी कैमरे लगाने जा रही है। इस संबंध में दिल्ली नगर निगम की होने वाली बैठक में प्रस्ताव लाया जाएगा।

सदन की बैठक में लाया जाएगा प्रस्ताव

एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार पूर्व में उत्तरी, दक्षिण और पूर्वी दिल्ली नगर में कुछ विद्यालयों में सीसीटीवी कैमरे लगाए जा चुके हैं वहीं बचे हुए 786 नगर निगम विद्यालयों में सहायक उपकरण के साथ-साथ कुल 10786 कैमरे लगाए जाने हैं। वहीं दूसरी ओर निगम संपत्ति और विद्यार्थियों की सुरक्षा एवं संरक्षा सुनिश्चित करने के लिए निगम विद्यालयों, स्टेडियमों, विज्ञान संग्रहालयों, विज्ञान केन्द्रों एवं ऑडिटोरियमों में कुल 2949 सुरक्षा गार्डों लगाए जाने का प्रस्ताव भी सदन की बैठक में लाया जाएगा।

प्रगति मैदान में महिलाओं के सौंदर्य से संबंधित उत्पादों के स्टॉल पर भारी भीड़

नई दिल्ली, 24 नवम्बर (देशबन्धु)। दिल्ली के प्रगति मैदान में 42वें अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले में भारी संख्या में लोग पहुंच रहे हैं। भारतीय व्यापार संवर्धन संगठन ने बड़े पैमाने पर इस प्रदर्शनी का आयोजन किया है।

मेले में सबसे ज्यादा आकर्षण का केंद्र हाल नंबर 12 बना हुआ है जिसमें महिलाओं के सौंदर्य से संबंधित उत्पादों की प्रदर्शनी लगी हुई है। विशेषकर स्टाल नंबर 3 ए पर जो कि जानी मानी ब्यूटी एक्सपर्ट शहनाज हुसैन द्वारा लगाया हुआ है। महिलाओं की इस स्टॉल पर भारी भीड़ देखी गई। शुक्रवार को फेमस ब्यूटी एक्सपर्ट शहनाज हुसैन खुद यहां पहुंची और अपने प्रशंसकों से मिली। उन्होंने इस दौरान मीडिया से बात करते हुए कहा कि दिल्ली में प्रदूषण बहुत है और इससे अपनी स्किन को बचाने के लिए बार- बार पानी से चेहरा धोते रहना है और मॉइस्चराइजर लगाना है। वहीं उन्होंने हाल ही में लांच अपनी प्रीमियम रेंज के बारे में बताया। शाहनाज़ हुसैन ने बताया कि विशेष प्रीमियम रेंज में त्वचा और बालों दोनों की देखभाल के लिए सर्वोत्तम दिनचर्या के उत्पाद शामिल हैं, जैसे

मेले में सबसे ज्यादा आकर्षण का केंद्र हाल नंबर 12 बना हुआ महिलाओं के सौंदर्य से संबंधित उत्पादों की प्रदर्शनी लगी हुई है

पौष्टिक क्रीम, गहन मॉइस्चराइजर, शक्तिशाली त्वचा और बाल टॉनिक, हेयर क्लींजर, हेयर ऑयल और लक्जरी फेस पैक। इन प्रीमियम उत्पादों में समृद्ध आयुर्वेदिक तेलों और चंदन, चमेली, गुलाब, वनस्पति, एलोवेरा, व्हीटजर्म, बादाम, खुबानी, त्रिफला, ब्राह्मी, अश्वगंधा आदि के अर्क का विदेशी मिश्रण शामिल है। अत्यधिक उन्नत फॉर्मूलेशन विशेष रूप से त्वचा और बालों को शक्तिशाली रूप से फिर से जीवंत और पुनर्जीवित करने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं। उत्पाद नवाचार में अग्रणी के रूप में, शाहनाज़ हुसैन समूह ने त्वचा, बाल और शरीर की देखभाल के लिए 380 से अधिक आयुर्वेदिक फॉर्मूलेशन विकसित किए हैं।

पार्षदों के दबाव में निगमबोध घाट के कुशल प्रबंधन को बदनाम कर रही हैं महापौर: राजा इकबाल सिंह

नई दिल्ली, 24 नवम्बर (देशबन्धु)। दिल्ली नगर निगम के नेता विपक्ष व पूर्व महापौर सरदार राजा इकबाल सिंह ने महापौर डॉ. शैली ओबरॉय के निगम बोध घाट के निरीक्षण और जांच के आदेश देने पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा है कि अपने दो पार्षदों के दबाव में डॉ. शैली ओबरॉय बड़ी वैश्य पंचायत के निगमबोध घाट के कुशल प्रबंधन को बदनाम कर रही हैं। साथ ही राजा इकबाल सिंह ने कहा है कि दो पार्षदों की मनगढ़ंत कहानी आगे बढ़ाने से बेहतर होगा महापौर डॉ. शैली ओबरॉय अपनी पार्टी के वरिष्ठ नेताओं से समझें कि निगम बोध प्रबंधन कितना श्रेष्ठ है। नेता विपक्ष राजा इकबाल सिंह ने बताया कि वर्तमान में निगम के नेता सदन मुकेश गोयल जो पहले कांग्रेस में एमसीडी में कांग्रेस दल के नेता थे, उस समय मुकेश गोयल पत्र लिखकर बड़ी पंचायत वैश्य बीसे अग्रवाल की खूब तारीफ की थी। इसके अलावा दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष रामनिवास गोयल ने कोरोना काल में इस बड़ी पंचायत की प्रशंसा की। वहीं सांसद सुशील कुमार गुप्ता ने पत्र के माध्यम से कहा था कि अत्यन्त हर्ष का विषय है कि बड़ी पंचायत वैश्य बीसे अग्रवाल संस्था समाजहित में निष्ठापूर्वक और उल्लेखनीय कार्य करती है।

इंटरनेशनल फाइनेंशियल लिटरेसी कॉन्क्लेव 2023 में वित्तीय समावेशन चुनौतियों पर विस्तृत चर्चा की

नई दिल्ली, 24 नवम्बर (देशबन्धु)। एवोक इंडिया फाउंडेशन द्वारा इंटरनेशनल फाइनेंशियल लिटरेसी कॉन्क्लेव 2023 का छठा संस्करण दिल्ली के इंडिया इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित किया। कॉन्क्लेव का यह संस्करण, व्यक्तिगत और ऑनलाइन भागीदारी दोनों के साथ एक हाइब्रिड फॉर्मेट में आयोजित हुआ। कॉन्क्लेव फाइनशियल इंक्लूजन: ब्रिजिंग द गैप विषय पर आधारित। इस आयोजन में शिक्षा, उद्योग और सरकार से 32 से अधिक प्रतिष्ठित विशेषज्ञों ने भारत में वित्तीय समावेशन के महत्वपूर्ण मुद्दों पर संबोधन व चर्चा की। कॉन्क्लेव को पूर्व केंद्रीय मंत्री सुरेश प्रभु ने जूम के माध्यम से

कॉन्क्लेव संबोधित किया। एवोक इंडिया फाउंडेशन के अध्यक्ष-सलाहकार बोर्ड के प्रोफेसर सुब्रत चक्रवर्ती ने स्वागत भाषण दिया। स्वागत भाषण में उन्होंने कॉन्क्लेव के दौरान होने वाली व्यावहारिक चर्चाओं के लिए माहौल तैयार किया। कार्यक्रम के दौरान बहुप्रतीक्षित जर्नल 2023 का अनावरण हुआ। यह एक उल्लेखनीय अवसर रहा, जो वित्तीय साक्षरता को आगे बढ़ाने की प्रतिबद्धता का प्रतीक है। सलाहकार बोर्ड के सम्मानित सदस्य ए.के. सिंह ने उद्घाटन सत्र का औपचारिक समापन करते हुए धन्यवाद प्रस्ताव के माध्यम से संगठन की ओर से आभार व्यक्त किया। जूम के माध्यम से दिए गए अपने वर्चुअल संबोधन में, मुख्य अतिथि भारत सरकार के पूर्व केंद्रीय मंत्री सुरेश प्रभु ने व्यावहारिक वित्तीय शिक्षा के महत्व पर जोर दिया। एवोक इंडिया के संस्थापक और अध्यक्ष प्रवीण कुमार द्विवेदी ने एक आँकड़ा साझा करते हुए वित्तीय साक्षरता के प्रसार के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भारत में केवल 24 प्रतिशत लोग वित्तीय रूप से साक्षर हैं। स्टैंडर्ड एंड पूअर्स फाइनेंशियल सर्विसेज एलएलसी के एक वैश्विक सर्वेक्षण में यह तथ्य सामने आया है कि दक्षिण एशियाई देशों में 25 प्रतिशत से भी कम व्यस्क वित्तीय साक्षर हैं।

सीडमनी के जरिए 12वीं कक्षा के छात्रों ने स्थापित किया स्टार्टअप

नई दिल्ली, 24 नवंबर (एजेंसियां)। दिल्ली के सरकारी स्कूल के छात्रों की टीमों 'ट्रां-क्यूआर' और 'अहिल्या' के आइडिया को यूथ आइडियाथॉन-2023 के टॉप 10 स्टूडेंट स्टार्टअप में चुना गया है। इन छात्रों ने अपने शानदार स्टार्टअप आइडिया के लिए 1-1 लाख रुपए का इनक्युबेशन ग्रांट भी हासिल किया है। 2021 में शुरू हुई, यूथ आइडियाथॉन स्कूली छात्रों के लिए भारत की सबसे हाई डिमांड इनोवेशन एंड एंत्रप्रेन्योरशिप कम्पटीशन है। दिल्ली की टीम ने 'ट्रां-क्यूआर' के नाम से क्यूआर-बेस्ड स्मार्ट अटेंडेंस सिस्टम तैयार किया है। यह फ़ास्टैग की तरह काम करता है। दूसरी टीम 'अहिल्या' है, जिन्होंने विशेष आवश्यकता वाले बच्चों (दृष्टि बाधित, श्रवण बाधित और ऑटिस्टिक बच्चे) के लिए एक ऐप प्रोटोटाइप बनाया है जो उन्हें परिवेश का पता लगाने और विभिन्न गतिविधियों द्वारा सीखने में मदद करता है। राष्ट्रीय स्तर का यह आयोजन केंद्रीय स्किल एंड एंत्रप्रेन्योरशिप मंत्रालय द्वारा आयोजित किया गया है। इसमें भारत के विभिन्न शिक्षा बोर्ड और अंतरराष्ट्रीय स्कूलों के 1.5 लाख से अधिक छात्र शामिल थे। 'ट्रां-क्यूआर' टीम ने क्यूआर बेस्ड मोनो-ग्राम विकसित किया है, जो छात्र के वर्चुअल आईडी कार्ड की तरह होगा। जिसमें एक छात्र से जुड़ी जानकारियां होंगी और छात्र जब स्कूल में प्रवेश करेगा तो फ़ास्टैग की तरह एक स्कैनिंग डिवाइस उसकी उपस्थिति दर्ज कर लेगा।

लंगर की सामग्री जुटाने के लिए गुरु घरों के हेड ग्रंथियों की ड्यूटी लगाना बेहद शर्मनाक: सरना

नई दिल्ली, 24 नवम्बर (देशबन्धु)। दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के पूर्व अध्यक्ष एवं शिरोमणि अकाली दल की दिल्ली इकाई के अध्यक्ष परमजीत सिंह सरना ने गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व के मौके पर दिल्ली गुरुद्वारा कमेटी के मौजूदा प्रबंधकों द्वारा लंगर की सामग्री जुटाने के लिए गुरु घरों के हेड ग्रंथियों की ड्यूटी लगाने पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। यहां जारी एक बयान में सरदार सरना ने दिल्ली कमेटी प्रबंधकों की कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि श्री गुरु नानक देव जी का प्रकाश पर्व विश्व भर में उत्साह व आदरपूर्वक मनाया जाता है। लेकिन बेहद शर्मनाक है कि दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी जैसी बड़ी सिख संस्था जिसका बजट करोड़ों में है तथा जिसका अध्यक्ष नाजायज़ केसों में 16-16 लाख रुपये के वकील करता है व अपने आका मनजिंदर सिंह सिरसा को चमकाने के लिए करोड़ों रुपये खर्च करता हो उस दिल्ली कमेटी के महासचिव द्वारा गुरुनानक पातशाह और प्रकाश पर्व के अवसर पर एक पत्र जारी करते हुए लंगर की सामग्री जुटाने के लिए गुरु घरों के हेड ग्रंथी की ड्यूटी लगाई गई है।

बढ़ते प्रदूषण ने हेल्थ इंश्योरेंस के प्रति बढ़ाई रूचि

नई दिल्ली, 24 नवम्बर (देशबन्धु)। पॉलिसीबाजार के आंकड़ों के अनुसार, इस महीने हेल्थ इंश्योरेंस को लेकर पूछताछ में 50 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, लगातार बढ़ रहे प्रदूषण की वजह से एनसीआर में AQI 500 को पार कर गया है। दुनिया के 10 सबसे प्रदूषित देशों में भारत आठवें स्थान पर है। वर्ल्ड एयर क्वालिटी इंडेक्स रिपोर्ट 2023 के अनुसार, वायु प्रदूषण की वजह से हर साल अनुमानित 7 मिलियन लोग अपनी जान गवातें हैं। वायु प्रदूषण के कुछ सामान्य प्रभावों में सांस लेने में कठिनाई, फेफड़ों का कैंसर, हृदय रोग, स्ट्रोक और श्वसन संक्रमण जैसी बीमारियां शामिल हैं। ऐसे में पॉलिसीबाज़ार डॉट कॉम में हेल्थ इंश्योरेंस के बिजनेस हेड, सिद्धार्थ सिंघल ने कहा, हम ऐसे बहुत से ग्राहकों को देख रहे हैं, जो अपने स्वास्थ्य को लेकर चिंतित हैं और हेल्थ इंश्योरेंस खरीद रहे हैं। कई लोग 1 करोड़ रुपये तक का कवर चुन रहे हैं, जो बेस और सुपर टॉप-अप का संयोजन है लोग इस विकल्प को इसलिए चुन रहे हैं क्योंकि यह एक किफायती और व्यापक विकल्प साबित होता है।

पुलिस ने नकली ब्रांडेड पीटीएमटी नल और बाथ फिटिंग बनाने वाली फैक्ट्री पर छापा मारा

नई दिल्ली, 24 नवम्बर (देशबन्धु)। स्थानीय पुलिस ने पीटीएमटी टेप्स एवं बाथ फिटिंग्स प्रोडक्ट्स बनाने वाली कंपनी जिंदल सेनेटरी वर्क्स पर छापेमारी की। यह कंपनी पर्ल ब्रांड नाम वाले उत्पाद नाना रही थी। पुलिस ने छापेमारी के दौरान कंपनी से पर्ल ब्रांड नाम वाले उत्पाद और पैकेजिंग बक्से जब्त किए हैं। यह कार्रवाई न्यायालय के अंतरिम रोक आदेश के तहत स्पेशल ऑपरेशंस ग्रुप एसओजी और स्थानीय अपराध शाखा पुलिस की एक टीम ने की थी। न्यायालय ने जिंदल सेनेटरी वर्क्स की फैक्टरी के खिलाफ शिकायत पर सुनवाई की थी, अपने उत्पादों को किसी अन्य ब्रांड के नाम से बना रहे हैं। इसके परिणामस्वरूप, स्थानीय पुलिस ने न्यायालय के आदेश के अनुसार फैक्टरी की निगरानी की और उनके उत्पादों की जांच की। ये फैक्ट्री उत्तर प्रदेश, हरियाणा, मध्य प्रदेश, राजस्थान और कुछ अन्य राज्यों को कवर करते हुए मेरठ, करनाल, फरीदाबाद, दिल्ली, आगरा, इंदौर, लखनऊ और जयपुर सहित कई शहरों में नकली 'पर्ल' ब्रांडेड उत्पादों की आपूर्ति कर रही थी।

एक्सिस बैंक ने देशव्यापी स्पर्धा 'स्प्लैश' के 11वें एडिशन का किया एलान

नई दिल्ली, 24 नवम्बर (देशबन्धु) एक्सिस बैंक ने 7 से 14 वर्ष के आयु वर्ग के बच्चों के लिए कला, शिल्प और साहित्य पर एक वार्षिक देशव्यापी स्पर्धा स्प्लैश के शुभारंभ की घोषणा की है। इस वर्ष स्प्लैश की थीम दयालुता है। नई पीढ़ी के बीच दयालुता और सद्भावना की भावना को बढ़ावा देने के लिए इस थीम पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है। प्रतिभागी 31 दिसम्बर 2023 तक एक्सिस बैंक स्प्लैश डॉट इन पर पंजीकरण कराते हुए अपनी प्रविष्टियां जमा करा सकते हैं। इस स्पर्धा का आयोजन 'फिजिटली' तौर पर किया जाएगा यानी भौतिक और डिजिटल दोनों तौर पर इसका आयोजन होगा। इस पहल के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए एक्सिस बैंक के चीफ मार्केटिंग ऑफिसर अनूप मनोहर ने कहा कि हमें स्प्लैश के 11वें संस्करण की घोषणा करते हुए खुशी का अनुभव हो रहा है। इस वर्ष की थीम दयालुता हमारी ब्रांड फिलॉस्फी 'ओपन' से उपजी है जिसका उद्देश्य बैंकिंग और व्यवसाय से परे समुदायों के साथ जुड़ना है। स्प्लैश के माध्यम से, हम इन युवा दिमागों को एक बेहतर कल बनाने के लिए दयालुता के मूल्य का पता लगाने, व्यक्त करने और अपनाने के लिए एक जीवंत कैनवास प्रदान कर रहे हैं।

दिल्ली धाम में दस लाख भक्तों ने किए खाटू श्याम के साथ बांके बिहारी वृंदावन धाम के दर्शन: घनश्याम गुप्ता

नई दिल्ली, 24 नवम्बर (देशबन्धु)। हिन्दू पंचांग के अनुसार श्याम बाबा का जन्म कार्तिक शुक्ल पक्ष की एकादशी को मनाया जाता है जो इस बार 23 नवम्बर को पड़ी साथ ही इस दिन देवउठनी एकादशी भी होती है, कलयुग में भगवान श्री कृष्ण के नाम से पूजे जाने वाले श्री श्याम बाबा के जन्मोत्सव को खास बनाने के लिए खाटू श्याम दिल्ली धाम में भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया यह कहना था खाटू श्याम दिल्ली धाम के राष्ट्रीय अध्यक्ष घनश्याम गुप्ता जावेरी का। उन्होंने आगे बताया की इस दिन झंडा चढाने की परंपरा को प्राचीन व खास माना जाता है इस दिन यज्ञ, मंत्र जाप एवं भोग लगाया गया है।

आज लगभग चार लाख लोगों ने खाटू बाबा व बांके बिहारी के दर्शन किये व बाबा के जन्मदिन की बधाईया दी व कई भक्तों ने केक भी काटा व भक्तों को प्रसाद भी वितरित किया गया। इस अवसर पर मंदिर के सभी ट्रस्टी, राष्ट्रीय महासचिव संजीव कुमार मित्तल, राष्ट्रीय महासचिव रमेश गुप्ता, राष्ट्रीय महासचिव पवन सिंघल, नेशनल कोषाध्यक्ष मधु गोपाल गोयल, कोषाध्यक्ष अनिल गुप्ता और कोषाध्यक्ष नवीन गर्ग, राष्ट्रीय कार्यकारी वरिष्ठ उपाध्यक्ष कुलदीप गोयल शामिल हुए।

यात्रीगण कृपया ध्यान दें

महत्वपूर्ण सूचना

सर्व संबंधित को सूचित किया जाता है कि परिचालनिक आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए उत्तर रेलवे द्वारा रेलगाड़ी सं. 22447/22448 नई दिल्ली – अम्ब अंदौरा – नई दिल्ली वंदे भारत एक्सप्रेस तथा 22439/22440 नई दिल्ली – श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा – नई दिल्ली वंदे भारत एक्सप्रेस रेलगाड़ियों के चलने के दिनों में परिवर्तन करने का निर्णय लिया गया है जिनका विस्तृत विवरण निम्नानुसार है:–

गाड़ी संख्या एवं नाम	वर्तमान		परिवर्तित		दिनांक
	चलने के दिन	छोड़कर	चलने के दिन	छोड़कर	
22447 नई दिल्ली – अम्ब अंदौरा वंदे भारत एक्सप्रेस	सोम, मंगल, बुध, गुरु, शनि, रवि	शुक्रवार	सोम, बुध, गुरु, शुक्र, शनि, रवि	मंगलवार	नई दिल्ली से : 21.03.2024
22448 अम्ब अंदौरा – नई दिल्ली वंदे भारत एक्सप्रेस					अम्ब अंदौरा से : 21.03.2024
22439 नई दिल्ली – श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा वंदे भारत एक्सप्रेस	सोम, बुध, गुरु, शुक्र, शनि, रवि	मंगलवार	सोम, मंगल, गुरु, शुक्र, शनि, रवि	बुधवार	नई दिल्ली से : 21.03.2024
22440 श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा – नई दिल्ली वंदे भारत एक्सप्रेस					श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा से : 21.03.2024

रेलयात्रियों से अनुरोध है कि किसी भी जानकारी के लिए रेलमदद हेल्पलाइन नं. 139 पर सम्पर्क करें अथवा रेलवे की वेबसाइट https://enquiry.indianrail.gov.in देखें अथवा NTES App देखें।

YouTube f X पर हमें फॉलो करें

आज़ादी का अमृत महोत्सव | रेलमदद हेल्पलाइन नं. 139 | रेलमदद वेबसाइट देखें :- www.railmadad.indianrailways.gov.in | रेलमदद ऐप डाउनलोड करें | उत्तर रेलवे | आपकी सुविधा - हमारा ध्येय | हमें www.nr.indianrailways.gov.in पर मिलें | 3718/2023

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

आज़ादी का अमृत महोत्सव

उत्तर रेलवे

नोटिस

'एक स्टेशन एक उत्पाद' योजना के तहत स्टॉल स्थापित करने हेतु आवेदन आमंत्रित किये जा रहे हैं:

क) गुडगाँव, गाजियाबाद, सोनीपत, समालखा, पटौदी रोड और करनाल स्टेशन पर।

ख) अस्थायी स्टॉल: शामली, बड़ौत, बल्लभगढ़, परतापुर, फरीदाबाद न्यू टाउन, टपरी, नांगलोई, साहिबाबाद, नोली, नरेला, तुगलकाबाद, पालम, तिलक ब्रिज, दिल्ली किशन गंज, जाखल, खतौली, खेकड़ा, नरवाना, ओखला, सांपला, बागपत रोड, असावटी, दिल्ली सफदरजंग, जुलाना, मंगोलपुरी, नया गाज़ियाबाद, मुरादनगर, सकौती टांडा, टोहाना, विवेक विहार, दिल्ली आजादपुर, दिल्ली सराय रोहिल्ला, आनंद विहार टर्मिनल, शिवाजी ब्रिज, बादली, मोदीनगर, देवबंद, शकूरबस्ती, फरीदाबाद, जीन्द, मानसा और गढ़ी हरसरू स्टेशनों पर।

• गुडगाँव, गाजियाबाद, सोनीपत, समालखा, करनाल, पटौदी रोड स्टेशन पर स्टॉल स्थापित करने की अवधि प्रति चरण में **90 दिन** होगी।

• उपरोक्त **(ख)** समूह के अंतर्गत दिए गए स्टेशनों पर अस्थायी स्टॉल स्थापित करने की अवधि **30 दिन** होगी।

• **रजिस्ट्रेशन शुल्क** 2,000 रु. की दर से प्रत्येक तीस दिनों की अवधि के लिए हर बार अलग से लिया जाएगा और **NSG 4** (करनाल, पटौदी रोड, बड़ौत, बल्लभगढ़, फरीदाबाद न्यू टाऊन, साहिबाबाद, नोली, नरेला, तुगलकाबाद, पालम, मोदीनगर और शकूरबस्ती), **NSG 5** (समालखा, मुरादनगर, खतौली, शामली, ओखला, असावटी, दिल्ली सफदरजंग, मंगोलपुरी, टपरी, नांगलोई, तिलक ब्रिज, दिल्ली किशन गंज, जाखल, खेकड़ा, नरवाना, सांपला, जुलाना, टोहाना, शिवाजी ब्रिज, बादली, देवबंद, जीन्द, मानसा, गढ़ी हरसरू और विवेक विहार) **& NSG 6** (परतापुर, नया गाज़ियाबाद, दिल्ली आजादपुर और सकौती टांडा) स्टेशनों के लिए रजिस्ट्रेशन शुल्क **1,000 रु.** की दर से प्रत्येक तीस दिनों की अवधि के लिए हर बार अलग से लिया जाएगा।

• **प्रतिभागी के लिए पात्रता मानदंड निम्नलिखित हैं:**

क) विकास आयुक्त हस्तशिल्प, विकास आयुक्त हथकरघा, या अपेक्षित राज्य/केंद्र सरकार प्राधिकरण द्वारा जारी कारीगरों/बुनकर आईडी कार्ड धारक। **ख)** भारतीय जनजातीय सहकारी विपणन विकास संघ लिमिटेड (ट्राइफेड)/राष्ट्रीय हथकरघा विकास निगम(एनएचडीसी)/खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी)/गैर सरकारी संगठन और सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय के उद्यम पोर्टल पर सूक्ष्म उद्यमों के साथ पंजीकृत और सामाजिक संगठनों, राज्य सरकार के साथ निकायों आदि के साथ नामांकित/पंजीकृत व्यक्तिगत कारीगर/बुनकर/शिल्पकार। **ग)** पीएमईजीपी (प्रधान मंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम) के साथ पंजीकृत स्वयं सहायता समूह। **घ)** समाज के हाशिए पर या कमजोर वर्ग। **ङ)** किसी भी अलग प्रतीक चिन्ह की अनुमति प्रदान नहीं की जाएगी।

• आवेदक को स्टेशन अधीक्षक को एक वचन पत्र प्रस्तुत करना होगा जिसमें यह संकेत दिया जाएगा कि ट्रेन संचालन, यात्री सुरक्षा और रेलवे की छवि पर प्रतिकूल प्रभाव डालने के लिए कोई गतिविध नहीं की जाएगी।

• आवेदक द्वारा का आवेदन इस अधिसूचना के जारी होने के बाद **28.11.2023, 15:00 बजे तक** स्टेशन अधीक्षक को संबोधित व जमा किया जा सकता है व उसी दिन खोला जाएगा।

• सभी अनुमोदित प्रतिभागियों का प्राथमिकता रोस्टर बनाने के लिए एसएस और स्टेशन प्रबंधक/अनुभागीय सीएमआई और नामांकित वित्त प्रतिनिधि द्वारा सभी अनुमोदित आवेदकों की उपस्थिति में स्टेशन पर आयोजित ड्रा के माध्यम से प्राथमिकता निर्धारित की जाएगी।

• **'एक स्टेशन एक उत्पाद'** योजना रेलवे बोर्ड वाणिज्यिक परिपत्र संख्या: 12/2022 एवं 09/2023 के तहत/अधीन मान्य होगी, उपरोक्त परिपत्र वेबसाइट: www.indianrailways.gov.in & URL: https://indianrailways.gov.in/railwayboard/uploads/directorate/traffic_comm/Comm_Cir_2022/OSOP%_20Policy.pdf और https://indianrailways.gov.in/railwayboard/uploads/directorate/traffic_comm/Comm_Cir_2023/CC%20%2009%20of%202023 पर उपलब्ध है।

• इससे सम्बंधित किसी भी जानकारी के लिए आवेदक संबंधित स्टेशनों के स्टेशन अधीक्षक या सीएमआई से संपर्क कर सकता है। 3704/23

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

कैपिटल ज़ोन

उवाच

कर्मचारियों की बेहतरी के कार्यों के लिए प्राधिकरण अधिकारियों व एसोसिएशन के बीच बेहतर समन्वय बने रहने की जरूरत है। आम जनता को प्राधिकरण का चक्कर न लगाने पड़े, इसके लिए सभी को पूरी तरह से गंभीर रहना होगा।

लोकेश एम, मुख्य कार्यपालक अधिकारी नोएडा

वरिष्ठ नागरिकों को रेल व वायुयान में कोरोना काल में समाप्त हुई रियायतों को दोबारा चालू करने की मांग

गाजियाबाद, 24 नवम्बर (देशबन्धु)। वरिष्ठ नागरिक प्रकोष्ठ भाजपा महानगर की बैठक वरिष्ठ नागरिकों को रेल और वायुयान में कोरोना काल में समाप्त हुई रियायतों को दोबारा चालू करने की मांग की गई। शुक्रवार को बालकिशन गुप्ता की अध्यक्षता में संपन्न हुई बैठक में सरकार से वरिष्ठ नागरिकों को रेल और वायुयान में कोरोना काल में समाप्त हुई रियायतों को दोबारा चालू करने की मांग की गई। बैठक में वरिष्ठ नागरिकों को पुरानी पेंशन नीति को बहाल करने की भी अपील की गई। बैठक में सरकार को याद दिलाया गया कि देश में 13 करोड़ वरिष्ठ नागरिक है और जिनके परिजन और कर्मचारी आदि मिलाकर 50 करोड़ की संख्या होती है किसी भी कीमत पर सरकार इनकी उपेक्षा नहीं करनी चाहिए आगामी 2024 चुनाव से पहले वरिष्ठ नागरिकों को समस्त सुविधाओ को देने की अपील की गई। इस अवसर पर मुख्य रूप से पंडित अशोक भारतीय, बालकिशन गुप्ता, परमानंद सिंगल, मनोज गुप्ता, संदीप त्यागी, रसम, मनीष कुमार आदि मौजूद थे।

सार संक्षेप

झाड़ फूंक के बहाने महिला के साथ दुराचार, धर्मान्तरण भी कराया

गाजियाबाद। झाड़ फूंक के बहाने एक तांत्रिक ने एक महिला का न केवल

धर्मान्तरण करा दिया बल्कि उसकी अस्मत से भी खेलता रहा। पुलिस ने सरफराज नामक इस तांत्रिक को गिरफ्तार कर लिया है। मामला नन्दग्राम थाना इलाके का है। इस महिला ने पुलिस में सरफराज के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई है। महिला ने आरोप लगाया कि वह आए दिन होने वाली परेशानियों से परेशान थी। जिसके बाद वह नंदग्राम में सरफराज नामक एक तांत्रिक के सम्पर्क में आई। तांत्रिक ने झाड़ फूंक कर उसकी परेशानियों को दूर करने की बात कही। इस दौरान झाड़ फूंक के बहाने चार वर्षों तक वह न केवल उसके साथ दुराचार करता रहा बल्कि उसका धर्मान्तरण भी करा दिया। एसीपी नन्दग्राम रवि कुमार सिंह ने बताया कि प्रकरण के संज्ञान में आते ही जहां नन्दग्राम थाना पुलिस ने सुसंगत धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कर ली और आरोपी तांत्रिक को गिरफ्तार कर लिया। उन्होंने बताया कि तांत्रिक और भी कई लोगों का धर्मान्तरण कराने की कोशिश में लगा था। वह कहता था कि अपना धर्म छोड़कर उसका धर्म अपनाओगे तो कोई परेशानी नहीं आएगी।

चालक को बेहोश कर ई-रिक्शा की बैटरी लूटी

नोएडा। जेपी रोड पर अज्ञात बदमाशों ने चालक को बेहोश कर ई-रिक्शा की दो बैटरी लूट ली। फेज दो पुलिस ने मामला चोरी में एक माह बाद दर्ज किया है। सेक्टर-83 स्थित नयागांव निवासी दीपक बैसला ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसके ई-रिक्शा का ड्राइवर रियाज मोहम्मद बीते 24 अक्टूबर की रात ई रिक्शा लेकर सेक्टर-128 स्थित अपने घर जा रहा था। जेपी रोड पर कुछ अज्ञात लोगों ने ई-रिक्शा को रुकवा लिया। बदमाशों ने रियाज मोहम्मद के साथ मारपीट की। मारपीट के दौरान रियाज मोहम्मद बेहोश हो गया कुछ देर बाद जब उसे होश आया तो ई-रिक्शा की दो बैटरियां गायब थी। पुलिस घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज खंगाल रही है।

घर से काम करने निकली किशोरी लापता

नोएडा। बेटी के अपहरण का शक जताते हुए एक व्यक्ति ने सेक्टर-39 थाने में केस दर्ज कराया है। इस मामले में करीब एक माह बाद पुलिस ने केस दर्ज किया है। सदरपुर गांव निवासी व्यक्ति ने शिकायत में बताया कि उसकी बेटी 25 अक्टूबर की सुबह घर से काम पर जाने के लिए निकली थी। इसके बाद वह वापस नहीं लौटी। काफी तलाश करने के बाद भी जब किशोरी नहीं मिली तो पिता ने पुलिस से इसकी शिकायत की। किशोरी के पिता ने फरीदाबाद निवासी विकास, संजय और मनी पर बेटी का अपहरण करने का शक जाहिर किया है। आरोप है आरोपियों ने कुछ समय पहले उसकी बेटी के साथ गाली गलौज और मारपीट की थी।

नोएडा प्राधिकरण में मुआवजा वितरण में हुए कथित फर्जीवाड़े मामले

15 साल में हुए बड़े जमीन अधिग्रहण व मुआवजा वितरण की होगी जांच

नोएडा, 24 नवम्बर (देशबन्धु)। नोएडा प्राधिकरण में मुआवजा वितरण में हुए कथित फर्जीवाड़े मामले में प्रदेश सरकार की ओर से गठित एसआईटी ने अपनी रिपोर्ट सुप्रीम कोर्ट में जमा की। इस रिपोर्ट से सुप्रीम कोर्ट संतुष्ट नहीं है। कोर्ट ने कहा कि ये मामला गंभीर है। सुनवाई करते हुए कोर्ट ने कहा कि नोएडा प्राधिकरण में 10 से 15 साल में हुए बड़े जमीन अधिग्रहण के मुआवजा वितरण की जांच की जाए। इसके अलावा कोर्ट ने यह भी कहा कि इन सालों में मुआवजा वितरण में अगर कुछ गलत हुआ है या फिर नोएडा प्राधिकरण द्वारा की गई विभागीय जांच में कोई अधिकारी प्रथम दृष्टया में संलिप्त पाया गया हो तो उसकी भी रिपोर्ट दाखिल की जाए। इस मामले में यूपी सरकारी की ओर से गठित की गई एसआईटी को जांच रिपोर्ट जमा करने के लिए चार सप्ताह का समय दिया गया है। इस मामले में अगली सुनवाई 17 जनवरी को होगी।

■ **सुप्रीम कोर्ट ने दिया आदेश, गठित कमेटी को 4 सप्ताह में देनी होगी रिपोर्ट**

दरअसल नोएडा प्राधिकरण में किसानों को अतिरिक्त मुआवजा देकर मुनाफाखोरी करने वाले अधिकारियों पर सुप्रीम कोर्ट की कड़ी टिप्पणी के बाद प्रदेश सरकार ने मामले की जांच के लिए स्पेशल इनवेस्टिंगेशन टीम (एसआइटी) गठि की थी। इस टीम ने नोएडा प्राधिकरण में दो दिनों तक जांच की। इसके बाद अपनी रिपोर्ट सुप्रीम कोर्ट में जमा की। इस प्रकरण में पहले सुनवाई करते हुए कोर्ट ने किसानों को अतिरिक्त मुआवजा बांटने के मामले में विधि विभाग के दो अधिकारियों को सिर्फ दोषी मानने से मनाकर दिया था और कहा था कि इस मामले कई अन्य अधिकारियों की संलिप्ता है, जिसकी गहनता से जांच होनी चाहिए।

अब जानते हैं क्या है ये प्रकरण और कैसे हुआ घोटाला

प्राधिकरण में किसानों को अतिरिक्त मुआवजा वितरण करने में बड़ी अनिमियतता की थी। जिसमें विभिन्न प्रकरणों में साठ-गांठ करके समझौते के आधार पर अधिकारियों द्वारा करोड़ों रुपए की अतिरिक्त राशि का भुगतान मुआवजे के लिए रूप में किया गया। इसके लिए चार गांवों की जांच की गई। जिसमें अकेले गेझा तिलपताबाद के 15 प्रकरणों में करीब 100 करोड़ 16 लाख 81 हजार रुपए का अतिरिक्त मुआवजा देकर प्राधिकरण को बड़े राजस्व का नुकसान पहुंचाया गया। इन सभी मामलों को सूचीबद्ध किया जा चुका है।

तत्कालीन सीईओ रितु माहेश्वरी के आदेश पर एक समिति गठित की गई। यह समिति घोटाले की जांच कर रही थी। इसी तरह के प्रकरण में उच्च न्यायालय ने प्राधिकरण मुख्य कार्यपालक अधिकारी को निर्देश दिए कि वह दोषी अधिकारियों की जांच कर उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराए। घोटाले की यह नींव 2015 में रखी गई। 2015 व 2016 की अलग-अलग तारीखों में किसानों को अतिरिक्त मुआवजा दिया गया, जिसके वह हकदार नहीं थे। उच्च न्यायालय में दायर वाद में सुनवाई के दौरान दो अलग-अलग मामलों जिसमें 15 अक्टूबर 2020 और दूसरा 15 दिसम्बर 2020 को आए आदेश में स्पष्ट कहा कि प्राधिकरण अधिकृत अधिकारियों ने साठगांठ व गलत उद्देश्य से किसानों को अतिरिक्त मुआवजा दिया है। जिसमें बड़ी अनियमितता बरती गई। आदेश में यह भी स्पष्ट है कि यह मामला हजार, लाखों का नहीं, बल्कि करोड़ों का है। ऐसे में संबंधित अधिकारियों के खिलाफ जांच कर प्राथमिकी दर्ज कराई जाए। इन्हीं आदेश के बाद प्राधिकरण गेझा तिलपताबाद गांव के वर्ष 2015 मुआवजा की फाइलों को खंगालने का काम किया। जिसमें गेझा तिलपताबाद के 15 प्रकरणों में करीब 100 करोड़ 16 लाख 81 हजार 334 रुपए के घोटाले की बात सामने आई। जिन 15 प्रकरणों को सूचिबद्ध किया गया। उसमें पहले दो प्रकरण भुल्लड़ व फुंदन जिनको क्रमश पांच नवम्बर 2015 को नौ करोड़ 17 लाख 12 हजार 426 रुपए और सात जनवरी 2016 को 7 करोड़ 26 लाख 80 हजार 427 अतिरिक्त प्रतिकर (मुआवजा) दिया गया। इसी में संलिप्त एलएआर विरेंद्र नागर व दिनेश सिंह के खिलाफ नोएडा प्राधिकरण ने सेक्टर-20 थाने में एफआईआर दर्ज कराई। तत्कालीन सीईओ रितु माहेश्वरी ने एलएआर विरेंद्र सिंह नागर को बर्खास्त करने की सिफारिश शासन से की। जिसके बाद बचने के लिए यह लोग सुप्रीम कोर्ट पहुंचे थे, जिसकी सुनवाई में यह जांच गठित की गई है।

एसआईटी को 12 हजार से ज्यादा फाइलों की करनी होगी जांच

नोएडा। नोएडा प्राधिकरण में मुआवजा वितरण में हुए कथित फर्जीवाड़े मामले में सुप्रीम कोर्ट के एक निर्देश ने प्राधिकरण अधिकारियों में हड़कंप है। कोर्ट ने 15 साल के मुआवजा वितरण और जमीन अधिग्रहण की जांच करने को कहा है। ये जांच प्रदेश सरकार की ओर से गठित स्पेशल इंवेस्टिगेशन टीम (एसआईटी) करेगी। उसे अपनी रिपोर्ट चार सप्ताह में कोर्ट में देनी है। दरसअल, कोर्ट ने अतिरिक्त मुआवजे को लेकर चल रहे ममाले में शुक्रवार को सुनवाई की थी। ये जांच विस्तार से होती है तो इसमें प्राधिकरण के भू लेख, वित्त से लेकर आला अधिकारियों के फंसने की नौबत आ सकती है। पूर्व के शासन के काल में अतिरिक्त मुआवजे का खेल किया गया। करीब 100 करोड़ अतिरिक्त प्राधिकरण अधिकारियों ने किसानों के साथ मिलकर बांटा और आर्थिक लाभ कमाया। ये मामला 2015 के आसपास का है। जांच का दायरा अब बड़ा होगा। बात करे 30 मार्च 2002 से लेकर अब तक तो जांच के लिए एसआईटी को मुआवजा और जमीन अधिग्रहण से जुड़े करीब 12 हजार से ज्यादा फाइलों की जांच करनी होगी।

■ **2002 से अब तक किसानों को बांटा गया 15 अरब से ज्यादा मुआवजा**

2002 से अब तक किसानों से खरीदी और अधिग्रहीत जमीन के बदले दिया गया मुआवजा

प्राधिकरण ने 30 मार्च 2002 से अब तक 32 गांवों की जमीन का अधिग्रहण किया। ये जमीन 10 हजार 73 किसानों की है। इसके एवज में प्राधिकरण ने किसानों को 11 अरब 78 करोड़ 63 लाख से ज्यादा का मुआवजा बांटा। इसी तरह प्राधिकरण ने समझौते के आधार पर करीब 39 गांवों के 2480 किसानों से 3 अरब 12 करोड़ 55 लाख से ज्यादा मुआवजा 64.7 की दर से वितरित किया। इन सभी किसानों की फाइलों की जांच की जाएगी।

किन-कि गांवों में कितने किसानों की जमीन की गई अधिग्रहीत इसे देखे

इन 15 सालों और 2002 तक बादौल बांगर के 169, बादौली खादर के 344, सुथियाना के 469, कोंडली बांगर के 353 , छजारसी के 417, रोहिल्लापुर के 455, सुल्तानपुर के 230, याकूबपुर के 193, बेगमपुर के 344, छपरौली बांगर के 278, सदरपुर के 981, लखनावली के 58, बहलोलपुर के 300, चोटरपुर के 187, नगलीनगला के 41, सलारपुर के 322, हल्दोनी के 118, झट्टा के 103, शाहपुर गोवर्धन खादर के 371, बसी बहाउद्दीनगर के 241, वाजिपुर के 373, शाहपुर गोवर्धन बांगर के 290, गुलावली के 327, रायपुर के खादर के 130, छलैरा बांगर के 13, गेझा तिलपताबाद के 3, गढ़ी चौखंडी के 59, पर्थला खंजरपुर के 327, नलगढ़ा के 6, शहदरा के 795, सोरखा जाहिदाबाद के 1371, अगरपुर जागीर के 405 किसान शामिल है। जिनको फाइलों को एसआईटी खंगालेगी।

नोएडा एम्पलाइज एसोसिएशन के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों ने ली शपथ

नोएडा, 24 नवम्बर (देशबन्धु)। नोएडा प्राधिकरण में शुक्रवार को नोएडा एम्पलाइज एसोसिएशन का शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन हुआ। नोएडा एम्पलाइज एसोसिएशन

के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों ने शपथ लेते हुए कर्मचारियों को आश्वस्त किया कि वे उनके सम्मान व अधिकार को लेकर पूरी मजबूती के साथ कार्य करेंगे। सर्वप्रथम एसोसिएशन के पदाधिकारियों द्वारा प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी व अन्य सभी अधिकारियों को प्रतीक चिन्ह वह पौधा गिफ्ट कर स्वागत किया। स्वागत भाषण के रूप में चौ राजकुमार सिंह द्वारा सभी अधिकारी व कर्मचारियों का अभिनंदन एवं स्वागत किया गया तथा यूनियन के इतिहास व समय-समय पर उनके द्वारा कराए गए कार्यों के बारे में भी अवगत कराया उसके पश्चात अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी संजय खत्री के द्वारा कर्मचारी में दिखने वाले जोश की सराहना करते हुए कर्मचारी हित में उन्हें पूरा सहयोग करने का भी आश्वासन दिया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मुख्य कार्यपालक अधिकारी नोएडा लोकेश एम ने कहा कि कर्मचारियों की बेहतरी के कार्यों के लिए प्राधिकरण अधिकारियों व एसोसिएशन के बीच बेहतर समन्वय बने रहने की जरूरत है। आम जनता को प्राधिकरण का चक्कर न लगाने पड़े, इसके लिए सभी को पूरी तरह से गंभीर रहना होगा। नोएडा एम्पलाइज एसोसिएशन के नवनिर्वाचित अध्यक्ष राजकुमार सिंह ने अंत में सबका धन्यवाद करते हुए कहा कि जो जिम्मेदारी उन्हें दी गई है, उसका निर्वाहन वे पूरी ईमानदारी के साथ करेंगे।

इस दौरान प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी लोकेश एम, अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी संजय कुमार खत्री, अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी सतीश पाल, मुख्य विधि सलाहकार रविंद्र प्रसाद गुप्ता, विशेष कार्य अधिकारी महेंद्र प्रसाद, विशेष कार्य अधिकारी देवेंद्र प्रताप, उपमहाप्रबंधक एसपी सिंह, वरिष्ठ प्रबंधक विजय रावल, वरिष्ठ प्रबंधक राजकमलदीप, वरिष्ठ प्रबंधक विश्वास त्यागी, वरिष्ठ प्रबंधक कपिल सिंह, वरिष्ठ प्रबंधक आरके शर्मा, सहा महाप्रबंधक शोभा कुशवाहा, एसोसिएशन अध्यक्ष चौ राजकुमार सिंह, महासचिव जितेंद्र कुमार, उपाध्यक्ष धर्मेंद्र शर्मा, वीरपाल, सचिव नीरज राणा, अमित कुमार, कोषाध्यक्ष सुभाष चंद्र व धर्मपाल भाटी, राम अवतार शर्मा, राकेश भाटी, देशराज, श्रवण चौहान, प्रमोद कुमार यादव, नर सिंह यादव, सुरेंद्र प्रताप, मदन शर्मा, जितेंद्र कुमार आदि मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

उद्यमियों ने निगम अधिकारियों के सामने रखी बिजली की समस्या

नोएडा, 24 नवम्बर (देशबन्धु)। बिजली की समस्या को लेकर शुक्रवार को नोएडा एंटरप्रिनियोर्स एसोसिएशन के पदाधिकारियों के साथ चित्रा वी. प्रबंध निदेशक पवित्रि निगम ने बैठक की। बैठक में एनईए अध्यक्ष विपिन कुमार मल्हन ने अवगत कराया कि उद्यमियों को विद्युत विभाग के स्टोर में जरूरी उपकरण जैसे मीटर, क्यूबिकल आदि उपलब्ध न होने के कारण अनावश्यक विलंब होता है। अत: विभागीय स्टोर में जरूरी उपकरणों का स्टॉक उपलब्ध कराया जाए। औद्योगिक सैक्टरों में इकाईयों में विद्युत ओवर हेड लाइन के माध्यम से दी जाती है। जरा सी भी आंधी-तूफान या बारिश आने पर पेड़ों की टहनियां पेड़ टूटकर विद्युत तारों में गिर जाती है। विद्युत सप्लाई बाधित होने से उत्पादन प्रभावित होता है। औद्योगिक सेक्टरों में भूमिगत केवल बिछाये जाने के लिए विभाग को निर्देश दिया जाए, ताकि आंधी-तूफान आने पर भी उद्योगों में निर्बाध विद्युत आपूर्ति हो सके। कार्यालय उप निदेशक, विद्युत सुरक्षा का कार्यालय नोएडा में न होने के कारण उद्यमियों को विद्युत संबधी कार्य के लिए गाजियाबाद जाना पड़ता है। जिससे कार्य में अनावश्यक विलंब होता है। ऐसे में उप निदेशक, विद्युत सुरक्षा का कार्यालय पूर्ण रूप से नोएडा में खोला जाए। वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग द्वारा उद्योगों में डी.जी. सैट चलाने पर प्रतिबंध लगाया गया है। उद्यमी पहले ही डीजी सेट चलाने के पक्ष में नहीं है। इससे जनरेटर के उपयोग में व्यवसायों में पूजींगत लागत और पर्यावरण के साथ-साथ पीएनजी के लिए हर महीने भुगतान का अतिरिक्त बोझ पड़ता है। अत: विद्युत विभाग को 24 घंटे उद्योगों को बिजली की आपूर्ति किए जाने के आदेश दिए जाए।

सीनियर महिला फुटबाल चैंपियनशिप : कांटे की टक्कर में ड्रा रहा उप्र व छत्तीसगढ़ के बीच पहला मैच

गाजियाबाद, 24 नवम्बर (देशबन्धु)। महामाया स्पोर्ट्स स्टेडियम में शुक्रवार को 28वीं सीनियर महिला फुटबॉल चैंपियनशिप की शुरूआत हो गई। चैंपियनशपि का उद्घाटन राज्यसभा सांसद अनिल अग्रवाल ने किया।

उद्घाटन के दिन खेले गए यूपी और छत्तीसगढ़ के बीच कांटे की टक्कर के बाद स्कोर 3-3 की बराबरी पर रहा। प्रतियोगिता का आयोजन उत्तर प्रदेश फुटबॉल संघ एवं गाजियाबाद फुटबॉल एसोसिएशन के संयुक्त तत्वावधान में किया जा रहा है। पहला मैच उत्तर प्रदेश बनाम छत्तीसगढ़ खेला गया। खेल के 11 वें मिनट में छत्तीसगढ़ को कॉर्नर मिला। उत्तर प्रदेश की डिफेंडर नंदनी यादव उसे क्लियर करना चाहती थीं लेकिन बॉल उनके सर से लगकर उनके ही गोल पोस्ट में चली गई। छत्तीसगढ़ 1-0 से आगे हो गई। इसके बाद उत्तर प्रदेश की खिलाड़ी हिना खातून अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश टीम ने जवाबी आक्रमण किया। 14वें मिनट में मुस्कान खान ने 30 गज की दूरी से शानदार गोल कर अपनी टीम को एक-एक गोल की बराबरी दिला दी। खेल के 18 वें मिनट में उत्तर प्रदेश की पिंकी कुमारी व 36 वें मिनट में उत्तर प्रदेश की तेज तर्रार स्ट्राइकर आंचल पटेल ने यूपी के लिए गोल

किया। छत्तीसगढ़ की ओर से 25 वें मिनट में पूर्वी नायक और 77वें मिनट में छत्तीसगढ़ की स्टॉपर प्रियंका फुटन ने गोल कर स्कोर बराबर कर दिया। अगला मैच मणिपुर बनाम राजस्थान 25 नवम्बर को दोपहर एक बजे खेला जाएगा। इस मौके पर यूपी फुटबॉल संघ के सचिव मोहम्मद शाहिद, गाजियाबाद अध्यक्ष प्रणव कुमार, सचिव हेमंत पवार, अमित रावत, निखिल कुमार, पवन त्यागी, अमित रावत, वाजिद अली, अंकुश विश्नोई और अभिनव भंडारी आदि खेल प्रेमी मौजूद रहे।

आयोजन 'विकसित भारत संकल्प यात्रा' का आयोजन

सरसों की फसल पर ड्रोन से नैनो यूरिया का छिड़काव

गाजियाबाद, 24 नवम्बर (देशबन्धु)। 'विकसित भारत संकल्प यात्रा' का आयोजन ग्राम जलालाबाद व रसूलपुर सिकरोडा में शुक्रवार को आयोजित किया गया। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का रिकार्ड किया गया संदेश, विकसित भारत के लिए संकल्प वीडियो, प्रारम्भिक चलचित्र का प्रसारण किया गया। साथ ही किसानों की सरसों की फसल पर ड्रोन से नैनो यूरिया का छिड़काव किया गया। धौलाना के विधायक धर्मेश तोमर व ग्राम रसूलपुर सिकरोडा में जिला पंचायत सदस्य नसीम बेगम बतौर अतिथि शामिल हुई।

कार्यक्रम में कृषकों ने अपने विचार साझा किए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना से किसानों को खेती करने में काफी मदद मिलती है। कृषि गतिविधियों पर सत्र ड्रोन प्रदर्शन और मृदा स्वास्थ्य कार्ड पर प्रगतिशील किसानों के साथ बातचीत की गई।

कृषि व सहकारिता विभाग द्वारा कृषक चंद्रपाल, सुधीर, आमिर, नफीस अहमद व जाहिद के सरसों की फसल पर ड्रोन द्वारा नैनो यूरिया के छिड़काव का प्रदर्शन कराया गया। कृषकों ने बताया कि ड्रोन से कम समय में खेत की फसल में नैनो यूरिया, कीटनाशक का छिड़काव बेहतर ढंग से होता है। महिला एसएचजी सदस्यों/स्कूली छात्रों/स्थानीय कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियां- 'धरती कहे पुकार के', स्वच्छता गीत आदि सहित अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। उपलब्धि हासिल करने वाली महिलाओं,

■ **कृषक चंद्रपाल, सुधीर, आमिर, नफीस अहमद व जाहिद के सरसों की फसल पर ड्रोन द्वारा नैनो यूरिया का किया छिड़काव**

बच्चों आदि का अभिनंदन करते हुए पुरस्कार से सम्मानित किया गया। ग्राम पंचायत की उपलब्धियों का जश्न-भूमि रिकॉर्ड का 100 प्रतिशत डिजिटलीकरण, ओडीएफ+ स्थिति, जल जीवन मिशन की संतृप्ति आदि पर विस्तृत जानकारी प्राप्त की गई।

स्वास्थ्य शिविर (टीबी स्क्रीनिंग, जनजातीय क्षेत्रों में सिकल सेल एनीमिया स्क्रीनिंग) के शिविर

लगाकर जांच की गई।

कार्यक्रम में कृषि विभाग, राजस्व विभाग, ग्राम्य विकास विभाग, सहकारिता विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, बेसिक शिक्षा विभाग, अग्रणी जिला प्रबन्धक, स्वास्थ्य विभाग, पशुपालन विभाग, आपूर्ति एवं विपणन विभाग, नेहरू युवा केन्द्र, राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन योजना महिला एवं बाल पुस्टा आहार विभाग सहित अन्य विभागों द्वारा स्टाल लगाकर जनमानस की समस्याओं सुना गया और सुझावों पर विचार किया गया।

आंगनबाडी केन्द्रों पर हॉट कुक्ड मील योजना का शुभारंभ

गाजियाबाद, 24 नवम्बर (देशबन्धु)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को जहां अयोध्या में प्रदेश में आंगनबाड़ी केन्द्रों के लिए निर्माण हेतु स्वीकृत भवनों का शिलान्यास तथा 3 से 6 वर्ष आयु वर्ग के आंगनबाड़ी केंद्रों में प्री प्राइमरी शिक्षा के लिए आने वाले बच्चों के लिए हॉट कुक्ड मील योजना का शुभारंभ किया गया। वहीं गाजियाबाद में हॉट कुक्ड मील योजना का शुभारम्भ धौलाना के विधायक धर्मेश सिंह तोमर ने ग्राम जलालाबाद विकास खंड रजापुर में आयोजित किया गया।

समारोह में बोलते हुए मुख्य अतिथि विधायक धर्मेश सिंह तोमर ने हॉट कुक्ड मील योजना के पुन: प्रारम्भ होने पर प्रसन्नता व्यक्त की तथा इसे छोटे बच्चों के स्वास्थ्य एवं पोषण के लिए महत्वपूर्ण माना। उन्होंने ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार मुख्यमंत्री के नेतृत्व में चहुंमुखी विकास के प्रतिबद्ध है। इसी क्रम में नौनिहालों के पोषण और शिक्षा के लिए आंगनबाडी केन्द्रों पर प्री प्राइमरी शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए हॉट कुक्ड मील योजना आरम्भ

■ **हॉट कुक्ड मील योजना से छोटे बच्चों को मिलेगा पोषण : धर्मेश तोमर**

कर रही है। आंगनबाड़ी केंद्रों में पढ़ रहे बच्चों को स्वास्थ्य और शिक्षा के पर्याप्त अवसर मुहैया कराने पर वे कल भारत के श्रेष्ठ नागरिक बनेंगे तथा देश के विकास में अपना महत्वपूर्ण योगदान करेंगे।

उन्होंने हॉट कुक्ड योजना के सफल संचालन के लिए सभी स्टेक होल्डर विभागों, आईसीडीएस, बेसिक शिक्षा, खाद्य एवं आपूर्ति, ग्राम्य विकास एवं पंचायती राज विभाग को शुभकामनाएं दी गई। विधायक ने गर्भवती महिलाओं की गोद भराई और बच्चों के अन्नाप्राशन कराया गया।

कैपिटल ज़ोन

उवाच

अंसल को 2005 में 2500 एकड़ में टाउनशिप बनाने का लाइसेंस दिया था जिसे अंसल बिल्डर कभी भी कार्य रूप नहीं दे सका किसानों का असल बिल्डर के साथ 2013 में 10 फीसदी आबादी प्लाट, 64 प्रतिशत अतिरिक्त मुआवजे का समझौता हुआ था जिसका पालन भी अंसल बिल्डर ने नहीं किया।

डॉ. रुपेश वर्मा, किसान सभा जिला अध्यक्ष

किसानों के लीज बैक को लेकर सुनवाई पूरी, किसानों ने रखा अपना पक्ष

ग्रेटर नोएडा, 24 नवम्बर (देशबन्धु)। किसानों के लीज बैक को चल रही सुनवाई पूरी हो गई, इसकी रिपोर्ट प्राधिकरण की तरफ से जल्द भेजा जाएगा। अखिल भारतीय किसान सभा की जिला कमेटी ने एसआईटी जांच में रद्द हुए पांच गांव हैबतपुर, पतवारी, ईटेडा, ऐमनाबाद, कासना के प्रकरणों की सुनवाई में हिस्सा लिया। 30 नवम्बर तक होने वाली ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की बोर्ड बैठक के प्रस्तावों को प्राधिकरण अधिकारियों के साथ बैठकर तैयार करवाया। किसान सभा के जिला अध्यक्ष डॉ. रुपेश वर्मा उपाध्यक्ष गवरी मुखिया, सचिव मनोज प्रधान, सुरेंद्र भाटी एवं संयोजक वीर सिंह नागर ने पांचो गांव के 20 से अधिक प्रकरणों की सुनवाई संपन्न कराई, प्रकरणों को निर्माण नहीं होने एवं परिवार के सदस्यों की संख्या कम होने की रिपोर्ट पूर्व में प्राधिकरण में तैनात रहे तत्कालीन एसीईओ केके गुप्ता ने एसआईटी के माध्यम से भिजवाई थी, जिस कारण लीजबैक के प्रकरण रद्द

■ **अखिल भारतीय किसान सभा ने एसआईटी जांच में रद्द हुए लीज प्रकरणों पर रखा पक्ष**

हुए थे। जांच में तथ्य उभरकर आ रहे हैं कि सभी मामलों में निर्माण मौजूद है और परिवारों की संख्या भी आबादी नियमावली के अनुसार पूरी है। किसान सभा के जिला संयोजक वीर सिंह नागर ने कहा है कि पूर्व के अधिकारियों की मनसा किसान विरोधी थी इसी कारण गलत रिपोर्ट शासन को भेजी गई, किसानों को बेवजह परेशान किया गया है। तत्कालीन एसीईओ के खिलाफ जांच की जाए और उसके विरुद्ध कार्रवाई की जाए। किसान सभा के जिला अध्यक्ष डॉ. रुपेश वर्मा ने कहा कि 16 सितम्बर को प्राधिकरण के साथ हुए समझौते के अनुसार 30 नवम्बर तक होने वाली बोर्ड बैठक में 10 फीसदी आबादी प्लाट देने, 64 फीसदी अतिरिक्त मुआवजा देने हाल ही में सुने गए आबादी प्रकरणों को पास करने एवं अन्य मुद्दों को ले जाया जाना है। इसके बाबत किसान सभा ने प्राधिकरण अधिकारियों हिमांशु वर्मा एवं रतिराम वर्मा के साथ मिलकर प्रस्ताव तैयार करवाए हैं। गौरतलब है कि 10 फीसदी आबादी का मुद्दा किसानों का सबसे बड़ा मुद्दा है जिसमें किसान सभा ने 4 महीने आंदोलन कर कामयाबी पाई है और प्राधिकरण को एवं सरकार को इस मुद्दे को बोर्ड बैठक से पास करने के लिए आंदोलन के दबाव में राजी किया है।

सर्वोत्तम बिल्डर के खिलाफ चल रहे किसानों के धरने को भारतीय किसान सभा ने दिया समर्थन

ग्रेटर नोएडा, 24 नवम्बर (देशबन्धु)। अखिल भारतीय किसान सभा की जिला कमेटी के पदाधिकारीयों ने शुक्रवार बड़ी संख्या में सर्वोत्तम बिल्डर के विरुद्ध रामगढ़ गांव में चल रहे धरना प्रदर्शन में पहुंचकर समर्थन दिया। गौरततलब है कि 23 नवम्बर को सर्वोत्तम बिल्डर के व्यक्तियों ने किसानों ने की जमीन पर जबरन कब्जा करने की कोशिश की धरनारत किसानों ने विरोध किया तो उनके साथ मारपीट कर दी गई, जिससे कई किसान घायल हो गए और पुलिस में दो किसानों के बीच का झगड़ा बनाकर किसानों पर ही 307 आईपीसी में एफआईआर दर्ज कर दी इससे किसानों में रोष है। धरना स्थल पर किसानों ने सर्वोत्तम बिल्डर के विरुद्ध नारे लगाकर प्रदर्शन किया। किसान सभा के जिला अध्यक्ष डॉ. रुपेश वर्मा ने धरने को संबोधित करते हुए कहा कि अंसल को 2005 में 2500 एकड़ में टाउनशिप बनाने का लाइसेंस दिया था जिसे अंसल बिल्डर कभी भी कार्य रूप नहीं दे सका किसानों का असल बिल्डर के साथ 2013 में 10 फीसदी आबादी प्लाट, 64 प्रतिशत अतिरिक्त मुआवजे का समझौता हुआ था जिसका पालन भी अंसल बिल्डर ने नहीं किया अब अंसल बिल्डर के प्रोजेक्ट को सर्वोत्तम बिल्डर ने खरीदा है तो उसकी जिम्मेदारी भी सर्वोत्तम बिल्डर को पूरी करनी है अन्यथा किसानों को अपनी जमीन पर कब्जा नहीं देना चाहिए नये अधिग्रहण कानून में भी किसानों के हक को अच्छी तरह परिभाषित किया गया हैं जिनका बिल्डर सरासर उल्लंघन कर रहा है। किसान सभा के संयोजक वीर सिंह नागर ने कहा कि किसानों के हक की लड़ाई वाजिब है और किसान सभा किसानों के साथ खड़ी है। किसान सभा के उपाध्यक्ष गवरी मुखिया, अजब सिंह नेता, दुष्यंत सेन, सचिन भाटी, सुरेंद्र भाटी, सुरेश यादव, विजय यादव, मोहित यादव, सुशांत भाटी प्रशांत भाटी ने संबोधित किया एवं उपस्थित रहे।

बाजारों में रात सफाई का अभियान किया शुरू

ग्रेटर नोएडा, 24 नवम्बर (देशबन्धु)। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने बाजारों की सफाई रात के समय में शुरू करा दी है। अल्फा-1 कामर्शियल बेल्ट में गुरुवार की रात से यह मुहिम शुरू हो गई। यह व्यवस्था शहर के सभी बाजारों में शुरू होगी। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने बाजारों की सफाई रात में शुरू कराने का निर्णय लिया है। ओएसडी इंदु प्रकाश सिंह ने बताया कि बाजारों में दिन के समय भीड़ भाड़ रहती है। वहां पर दिन में सफाई करने में दिक्कत होती है। इसलिए इन जगहों पर रात के समय सफाई कराने की योजना पर काम शुरू हुआ है। प्राधिकरण के एसीईओ अमनदीप डुली ने गुरुवार की रात इस अभियान की शुरुआत की। अल्फा-1 कामर्शियल बेल्ट में गुरुवार रात सफाई की गई। प्राधिकरण ने यह अभियान सीएसआर के तहत शुरू कराया है। उपाय संस्था के साथ मिलकर अभी 15 सफाई कर्मचारियों को लगाया गया है। कर्मचारियों की संख्या जल्द ही 40 कर दी जाएगी। अभी अल्फा-1 और 2 के बाजारों में यह सुविधा लागू की गई है। धीरे-धीरे यह व्यवस्था शहर के सभी बाजारों में लागू कर दी जाएगी।

■ **ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने अल्फा एक कामर्शियल बेल्ट से शुरू की रात सफाई अभियान**

सार संक्षेप

मेघराज भाटी ने मेरठ मंडल अध्यक्ष के लिए किया नामांकन

ग्रेटर नोएडा। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ लखनऊ उत्तर प्रदेश में प्रांतीय निर्वाचन में मेघराज भाटी ने मंडल अध्यक्ष मेरठ मंडल के पद पर नामांकन पत्र दाखिल किया। मेघराज भाटी का निर्वाचन मंडल अध्यक्ष के पद पर निर्विरोध घोषित हुआ। प्रस्तावक जिला अध्यक्ष बुलंदशहर सुशील शर्मा, मंत्री बाबू सिंह, जिला अध्यक्ष गौतम बुद्ध नगर प्रवीन शर्मा, जिला मंत्री गजन भाटी ने किया। समर्थक डेलीगेट अशोक शर्मा, हेमराज शर्मा, विनोद ठाकुर, अनिल चौधरी, मुनीश चौधरी आदि ने किया। मेघराज भाटी ने कहा मेरठ मंडल के छह जनपदों बुलंदशहर, गाजियाबाद, बागपत, गौतम बुद्ध नगर, हापुड़, मेरठ में कार्यरत शिक्षकों के हित में हमेशा संघर्षरत रहूंगा।

आर्मी संस्थान में निर्देशकों के सम्मलेन में शिक्षा नीति के संशोधन पर हुई चर्चा

ग्रेटर नोएडा। आर्मी इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड एजुकेशन में आर्मी वेलफेयर एंड एजुकेशन सोसाइटी के अंतर्गत शिक्षण संस्थानों के निर्देशकों ने वार्षिक सम्मलेन में भाग लिया। सम्मलेन 23-24 नवम्बर को आयोजित किया जिसकी अध्यक्षता आवेस के मैनजिंग डायरेक्टर मेजर जनरल एम. मुरली ने की। मेजर जनरल सुमित मेहता, वी. एस एम. चीफऑफ़स्टाफदिल्ली एरिया ने अतिथियों के स्वागत किया। लेफ्टिनेंट जनरल सी. बंसी पोन्नप्पा, पी.वी. इस एम. ए.वी. ईएसएस एम. वी. ईएसएस एम, एडजंक्ट जनरल ने निर्देशकों को सम्बोधित किया। सम्मलेन में नई एजुकेशन पालिसी के अंतर्गत शिक्षा नीति को संशोधित करने पर चर्चा की गई। इस दौरान डॉ. अजय राणा, विक्रम सिंह सहित कई लोग शामिल हुए।

यमुना प्राधिकरण क्षेत्र में बनेगी स्मार्ट वाच और इलेक्ट्रिक डिवाइस

मेडिकल डिवाइस पार्क में निवेश को लेकर शिकागों में होगा सेमिनार

ग्रेटर नोएडा। औद्योगिक विकास मंत्री एवं अधिकारियों का एक दल शिकागो जाएगा। यहां रेडियोलॉजिकल सोसाइटी ऑफनार्थ अमेरिका की ओर से आयोजित प्रदर्शनी/सेमिनार में यह दल भाग लेगा। यहां शामिल होने वाली कंपनियों से यमुना प्राधिकरण के मेडिकल डिवाइस पार्क (एमडीपी) में निवेश के लिए आमंत्रित करेंगी। उम्मीद है कि यहां से मेडिकल उपकरण बनाने वाली बड़ी कंपनियां आएंगी। शिकागो में रेडियोलॉजिकल सोसाइटी ऑफनार्थ अमेरिका की ओर से 26 से 29 नवम्बर तक होने वाले प्रदर्शनी/सेमिनार में उत्तर प्रदेश के औद्योगिक विकास राज्य मंत्री जसवंत सिंह सैनी, औद्योगिक विकास आयुक्त मनोज कुमार सिंह और यमुना प्राधिकरण के सीईओ डॉ. अरुणवीर सिंह शामिल होंगे। इसमें कैंसर और रेडियोलॉजी से जुड़े उपकरण बनाने वाली दुनिया की दिग्गज कंपनियां भाग लेंगी। यह दल उत्तर प्रदेश के यमुना प्राधिकरण क्षेत्र में विकसित हो रहे एमडीपी में आने के लिए आमंत्रित करेंगे। यहां दी जाने वाली सुविधाओं को बताएंगे। साथ ही अब तक इस पार्क में आने वाली कंपनियों की जानकारी भी साझा करेंगे।

■ **औद्योगिक विकासमंत्री एवं अधिकारियों का दल जाएगा शिकागो**

ग्रेटर नोएडा, 24 नवम्बर (देशबन्धु)। यमुना एक्सप्रेस वे औद्योगिक विकास प्राधिकरण क्षेत्र में स्मार्ट वाच और इलेक्ट्रिक डिवाइस का निर्माण होगा। स्मार्ट वाच बनाने वाली कंपनी को यमुना प्राधिकरण ने मिश्रित

■ **प्राधिकरण ने सेक्टर-24 ए में बोल्ट गेम्स प्रालि. को 10 एकड़ जमीन किया आवंटित**

भू उपयोग के भूखंड का आवंटन कर दिया। प्राधिकरण ने बोल्ट गेम्स प्रालि को 10 एकड़ जमीन का आवंटन कर दिया। कंपनी यहां पर उद्योग के साथ-साथ अपने कर्मचारियों के लिए आवास बना सकेंगे। यमुना प्राधिकरण ने मिक्स लैंड यूज श्रेणी के भूखंड की योजना 28 सितम्बर को निकाली थी। इस योजना में पांच भूखंड शामिल किए गए थे। ये भूखंड 10-10 एकड़ के हैं। सेक्टर-24 ए में ये भूखंड हैं। इसमें आवेदन करने की अंतिम तिथि 20 अक्टूबर थी। मिक्स लैंड यूज के भूखंड लेने के लिए दो कंपनियों ने आवेदन किया है। इसमें बोल्ट गेम्स प्रालि. और इलेक्ट्रो डिवाइसेस प्रालि कंपनी शामिल है। दोनों कंपनियों ने 10-10 एकड़ का भूखंड लेने के लिए आवेदन किया है। शुक्रवार को इसके लिए साक्षात्कार किया गया। सीईओ डॉ. अरुणवीर सिंह की अध्यक्षता में गठित समिति ने साक्षात्कार लिया। बोल्ट कंपनी को जमीन आवंटित कर दी गई। बोल्ट कंपनी स्मार्ट वॉच और इलेक्ट्रिक डिवाइस बनाती है। इस कंपनी के आने से हजारों लोगों को रोजगार मिल सकेगा।

ईवीएम एवं वीवीपैट से सम्बंधित निर्देशों का कड़ाई से कराया जाए पालन : नवदीप रिणवा

ग्रेटर नोएडा, 24 नवम्बर (देशबन्धु)। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश पर आगामी लोक सभा निर्वाचन-2024 में उपयोग होने वाले ईवीएम एवं वीवी पैट की एफएलसी के संदर्भ में गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय, ग्रेटर नोएडा में कार्यशाला आयोजित की गई। इस कार्यशाला में ईसीआईएल में मशीनों से आच्छादित 21 जिलों के जिला निर्वाचन अधिकारियों एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारियों तथा एफएलसी- सुपरवाइजरों ने हिस्सा लिया। इस कार्यशाला में ईवीएम एवं वीवीपैट के संदर्भ में एफ.एल.सी. प्रक्रिया की जानकारी के साथ ईवीएम से सम्बन्धित विभिन्न पहलुओं की भी जानकारी प्रदान की गई। कार्यशाला में आगरा, फिरोजाबाद, मैनपुरी, मथुरा, अलीगढ़, एटा, हाथरस, कासगंज, बरेली, बदायूं, पीलीभीत, शाहजहांपुर, मेरठ, बागपत, बुलंदशहर, गाजियाबाद, हापुड़, गौतमबुद्धनगर, सहारनपुर, मुजफ्फरनगर तथा शामली के जिला निर्वाचन अधिकारियों एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारियों तथा एफएलसी-सुपरवाइजरों द्वारा प्रतिभाग किया गया। प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने कार्यशाला में उपस्थित प्रतिभागियों को सम्बोधित करते हुए बताया कि प्रदेश में आगामी लोक सभा निर्वाचन को निर्विघ्न व निर्विवाद सम्पन्न कराने हेतु ईवीएम एवं वीवीपैट की गुणवत्तापरक की दृष्टि से फर्स्ट लेवल चेकिंग कराये जाने पर विशेष बल दिया गया। उन्होंने कहा कि ईवीएम से सम्बन्धित कार्यों के निस्तारण के सम्बन्ध में आयोग द्वारा निर्धारित प्रक्रिया एवं समय-समय पर निर्गत निर्देशों का अक्षरश: अनुपालन सुनिश्चित किये जाने के निर्देश दिए गए हैं। कार्यशाला में ईवीएम एवं वीवीपैट से सम्बन्धित विभिन्न आयामों जैसे कि एफएलसी, ईवीएम का प्रथम रैण्डमाइजेशन, प्रशिक्षण एवं जागरूकता, ईवीएम का द्वितीय रैण्डमाइजेशन, मतदान एवं मतगणना के समय अपनाई जाने वाली सावधानियों के सम्बन्ध में विस्तृत चर्चा की गई। कार्यशाला में अपर मुख्य निर्वाचन अधिकारी कुमार विनीत, उप मुख्य निर्वाचन अधिकारी अमित सिंह तथा सहायक मुख्य निर्वाचन अधिकारी अरविन्द कुमार पाण्डेय, मौजूद रहे।

■ **भारत निर्वाचन आयोग की कार्यशाला में 21 जिलों के जिला निर्वाचन आधिकारी हुए शामिल**

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के साथ इंडिगो ने किया करार

■ **नोएडा एयरपोर्ट से विश्व के साथ देशों के विभिन्न कोनो के भरेगी उड़ान**

ग्रेटर नोएडा, 24 नवम्बर (देशबन्धु)। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट (एनआईए) के साथ मिलकर 'इंडिगो' विश्व के अन्य हिस्सों से यूपी की एयर कनेक्टिविटी के विकास और विस्तार के लिए काम करेगा। करार के तहत दोनों एयर कनेक्टिविटी बढ़ाने और यात्री सुविधाओं को कैसे बेहतर किया जा सकता है इस क्षेत्र में इनोवेशन करेंगे।

नई दिल्ली में शुक्रवार को दोनों के बीच एमओयू हस्ताक्षरित हुआ। इस मौके पर नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के सीईओ क्रिस्टोफ एस. और इंडिगो के सीईओ पीटर एलबर्स उपस्थित थे। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के सीईओ ने कहा कि इंडिगो के साथ हुए इस करार से हम उत्साहित हैं। इंडिगो के पास घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजार में मजबूत आधार है। हम लोग सिर्फ एयर कनेक्टिविटी के क्षेत्र में ही नहीं बल्कि यात्रियों की सुविधाओं व सहुलियतों को उनके मुताबिक दिए जाने के क्षेत्र में भी काम करेंगे। यात्रियों को सफर के अनुभव को बेहतर बनाने का काम करेंगे। इंडिगो के सीईओ ने कहा कि हम इस एयरपोर्ट के 2024 में होने वाले उद्घाटन को देख रहे हैं। नोएडा इंटनरेशनल एयरपोर्ट प्रबंधन के साथ मिलकर यात्रियों को सुकून भरा हवाई सफर देने का काम करेंगे। इस एयरपोर्ट का प्रथम चरण एक रनवे के साथ 2024 के अंत तक आपरेशनल हो जाएगा।

हमें अपने अधिकार के साथ कर्तव्य भी पता होने चाहिए : डीसीपी

■ **आईआईएमटी कॉलेज ऑफ लॉ में मनाया गया संविधान दिवस**

ग्रेटर नोएडा, 24 नवम्बर (देशबन्धु)। आईआईएमटी कॉलेज ऑफ लॉ में शुक्रवार को संविधान दिवस मनाया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में सेंट्रल नोएडा डीसीपी सुनीति ने भाग लिया। इस दौरान कॉलेज ऑफ लॉ के डॉयरेक्टर डॉ. तारक नाथ प्रसाद में आईपीएस अधिकारी सुनीति का स्वागत तुलसी का पौधा देकर किया। कार्यक्रम को दौरान छात्रों को भारत के संविधान के बारे में जानकारी दी। संविधान दिवस पर बोलते हुए डीसीपी ने कहा कि कई देशों के संविधान का अध्ययन करने के बाद भारत का संविधान लिखा गया। संविधान में दिए गए अधिकार और कर्तव्यों का पालन करते हुए हर व्यक्ति अपने समाज और देश का उत्थान कर सकता है। हमें हमारे अधिकार पता है लेकिन हमें अपने कर्तव्य भी पता होने चाहिए। देश की आजादी में अधिवक्ताओं का बहुत बड़ा योगदान रहा है। उन्होंने आगे कहा कि संविधान देश का सबसे बड़ा कानूनी दस्तावेज है। इसके प्रति हमें सत्य निष्ठा से पालन करना चाहिए और साथ ही अपने अधिकारों एंव कर्तव्यों के प्रति जागरूक होना चाहिए। संविधान की प्रारूप समिति के अध्यक्ष और संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर ने विश्व के 60 देशों के संविधानों का अध्ययन कर देश का संविधान तैयार किया था। दूसरी तरफ कॉलेज ऑफलॉ के निदेशक डॉ. तारक नाथ प्रसाद ने कहा कि भारत का संविधान दुनिया का सबसे अच्छा संविधान है, जो अपने देश में रहने वाले सभी लोगों को पूरी तरह से अपने धर्म का पालन करने की आजादी देता है। इस मौके पर विपिन भाटी, सलोनी तोमर, शैलेश त्रिपाठी, कौशकी राय सहित अनेक छात्र मौजूद रहे।

धान खरीद में किसानों के साथ हो रही धांधली

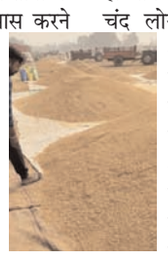

रबूपुरा, 24 नवम्बर (देशबन्धु)। सरकार किसानों के हित में हर सम्भव प्रयास करने के भले ही लाख दावे करे लेकिन अक्सर किसानों का उत्पीड़न होता ही नजर आता है। हाल ही में किसानों साथ धान खरीद में धांधली व अनियमत्ता होने का मामला प्रकाश में आया है। मुख्यमंत्री पोर्टल पर मामले की शिकायत कर कार्रवाई की मांग की गई है। शिकायत के मुताबिक कस्बा रबूपुरा स्थित अनाज मंडी में धान खरीद में धड़ल्ले से अनियमत्ता बरती जा रही है। हाई क्वालिटी के धान को लो क्वालिटी का बताकर कम कीमत पर खरीदा जा रहा है तथा तोलाई में भी धांधली की जा रही है। आरोप है किसान के विरोध करने पर मिल मालिकों के बिचौलिए अभद्रता पर उतारू हो जाते हैं। सूत्रों के दावे अनुसार चंद लोगों से मिलीभगत कर आढ़ती किसानों के साथ खुली लूट कर रहे हैं। बताया जाता है मुख्यमंत्री पोर्टल व अन्य अधिकारियों से शिकायत के बाद शुक्रवार को मंडी निरीक्षक चन्द्रभान ने जांच की तो आरोप अनुसार 250 रुपए प्रति कुंतल की धांधली पाई गई। उधर मंडी समिति अधिकारियों द्वारा जांच आख्या सम्बंधित को भेजने व विधिवत कार्रवाई का दावा किया जा रहा है। स्थानीय लोगों के मुताबिक इस तरह की शिकायत कई बार हो चुकी हैं लेकिन अधिकारियों की उदासीनता से कार्रवाई कागजों में सिमट कर रह जाती है।

विकसित भारत संकल्प यात्रा के प्राचर वैन को दादरी विधायक ने दिखायी झंडी

■ **केन्द्र व प्रदेश सरकार की योजनाओं का जनता को मिल रहा है लाभ : विधायक**

ग्रेटर नोएडा, 24 नवम्बर (देशबन्धु)। विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत जिले के सभी ग्राम पंचायतों में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी श्रृंखला में शुक्रवार को दादरी विधायक तेजपाल नागर ने विकास भवन से विकसित भारत संकल्प यात्रा की प्रचार वैन को जनपद में विकसित भारत संकल्प यात्रा के प्रचार प्रसार के लिए हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर विधायक तेजपाल नागर ने कहा कि केन्द्र एवं प्रदेश सरकार जन-जन को लाभान्वित करने हेतु प्रतिबद्ध है, देश के प्रधानमंत्री एवं प्रदेश के मुख्य मंत्री के नेतृत्व में गरीब कल्याण के लिए संकल्प किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पहले योजनाएं केवल कागज पर ही बनती थी। आज किसी भी योजना की घोषणा से लेकर उसके लागू होने तक उसकी लगातार मॉनिटीरिंग की जाती है। अब प्रधानमंत्री आवास योजना, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना, उज्जवला योजना, स्वच्छता मिशन, स्वामित्त इत्यादि योजनाओं का लाभ सीधा जनता को मिल रहा है। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी जनार्दन सिंह, उप कृषि निदेशक, जिला कृषि अधिकारी तथा अन्य अधिकारी मौजूद रहे रहे।

विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित

ग्रेटर नोएडा। विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत गौतम बुद्ध नगर जिले में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थियों के साथ नेहरु युवा केन्द्र के कलाकारों ने मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुति दी। शुक्रवार को जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा के नेतृत्व में विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत दिल्ली वर्ल्ड पब्लिक स्कूल नॉलेज पार्क 5 ग्रेटर नोएडा में जिला स्तरीय युवा उत्सव एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन हुआ, जिसमें दादरी विधान सभा के विधायक तेजपाल नागर एवं मुख्य विकास अधिकारी जनार्दन सिंह ने दीप प्रज्वलित कर विधिवत रूप से शुभारंभ किया।

यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण
प्रथम तल, कॉमशियल कॉम्पलेक्स, पी-2, सैक्टर-ओमेगा-1, ग्रेटर नोएडा, जनपद गौतमबुद्ध नगर-201308 (उ0प्र0)
सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम रौनीजा, में उप जिलाधिकारी, जेवर से प्राप्त वारिसान प्रमाण पत्र संख्या 269/एस0टी0-एस0डी0एम0/2017, दिनांक 20.05.2017, से प्राप्त वारिसान प्रमाण पत्र के अनुसार निम्न प्रकार मृतक श्रीमती भगवती पत्नी स्व0 श्री बाबूलाल निवासी ग्राम रौनीजा के स्थान पर उनके वारिसान/सदस्यो के नाम दर्ज किये जाने प्रस्तावित है।

क्रम संख्या	ग्राम का नाम	खसरा संख्या	मृतक काश्तकार का नाम	मृतक के पारिवारिक सदस्यों के नाम	मृतक से संबंध	आयु लगभग	विवाहित/अविवाहित
1	रौनीजा	78	श्रीमती भगवती पत्नी स्व0 बाबूलाल निवासी ग्राम रौनीजा परगना व तहसील जेवर जिला गौतमबुद्धनगर	ओमप्रकाश	पुत्र	48 वर्ष	विवाहित
				देवेन्द्र	पुत्र	34 वर्ष	विवाहित
				रवि कुमार	पुत्र	28 वर्ष	विवाहित

उपरोक्त वारिसानों के संबंध में यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर अपनी आपत्ति प्राधिकरण कार्यालय में दर्ज कराने का कष्ट करें, अन्यथा नियमानुसार प्राधिकरण अभिलेखो में मृतक के स्थान पर इनके वारिसानों का नाम 07 प्रतिशत आबादी भूखण्ड व 64.7 प्रतिशत अतिरिक्त प्रतिकर संबंधी अभिलेखों में दर्ज करा दिया जायेगा।

तहसीलदार
यमुना एक्सप्रेसवे प्राधिकरण

ग्रेटर नौएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण
भूखण्ड संख्या-1, सैक्टर के0पी0-4 ग्रेटर नौएडा सिटी
जि0-गौतमबुद्धनगर, उ0प्र0
सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि XT001 आवासीय भूखण्डों की योजना के अन्तर्गत भूखण्ड संख्या-338, BLOCK-B-AREA-120SQMT. SECTOR-03, ALLOTMENT NO. XT00186676, GREATER NOIDA के सयुक्त रूप से आवंटी SMT. SWARN AILAWADI & SH. PUNEET AILAWADI के पक्ष में आवंटित है। सह आवंटी SMT. SWARN AILAWADI की मृत्यु दिनांक 15.08.2015 को हो जाने के उपरान्त उक्त भूखण्ड को समाचार/वारिसान के आधार पर मृतक आवंटी के पुत्र SH. PUNEET AILAWADI S/O RAJ KUMAR AILAWADI द्वारा उपरोक्त वर्णित भूखण्ड के 1/2 भाग को अपने पक्ष में नामांतरण करने हेतु प्राधिकरण में आवेदन किया है। इस नामांतरण के सम्बन्ध में यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो प्रकाशन की तिथि से 35 दिन के अन्दर अपनी लिखित आपत्ति प्राधिकरण कार्यालय में दर्ज कराने का कष्ट करें, अन्यथा नियमानुसार प्राधिकरण प्राधिकरण अभिलेखो में स्वर्गीय SMT. SWARN AILAWADI के स्थान पर भूखण्ड के 1/2 भाग को उनके पुत्र SH. PUNEET AILWADI S/O SH. RAJ KUMAR AILAWADI R/O - 19/50, OLD RAJINDER NAGAR, DELHI-110060 का नाम दर्ज कर दिया जायेगा।

विशेष कार्याधिकारी (सम्पत्ति)
ग्रेटर नोएडा औ0 वि0 प्राधिकरण

ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण
प्लॉट संख्या-01, सैक्टर नॉलेज पार्क-4, ग्रेटर नोएडा सिटी
गौतमबुद्ध नगर।
सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि प्राधिकरण की बी0एच0एस16 आवासीय भवन योजना के अर्न्तगत भवन संख्या-4एफएफ, ब्लॉक-99 सैक्टर-म्यू-02, आकार-29.76 वर्गमीटर आवंटन संख्या-बी0एच0एस161360, श्री रमेश चन्द्र दुग्गल पुत्र श्री हर नारायण के नाम आवंटित है। आवंटी श्री रमेश चन्द्र दुग्गल पुत्र श्री हर नारायण की मृत्यु दिनांक 04.05.2019 को हो जाने के उपरान्त उक्त भवन को वारिसान के आधार पर उनके पुत्र श्री योगेश दुग्गल पुत्र स्व0 श्री रमेश चन्द्र दुग्गल निवासी-हाऊस नं0-3112, ब्लॉक-ए, गली नं0-03, एस0जी0एम0 नागर नित फरीदाबाद हरियाणा-121001 द्वारा उक्त भूखण्ड को अपने पक्ष में नामान्तरण करने हेतु प्राधिकरण कार्यालय में प्रपत्र प्रस्तुत किये हैं। इस नामान्तरण के सम्बन्ध में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो सूचना के प्रकाशन की तिथि से 35 दिनों के अन्दर अपनी आपत्ति प्राधिकरण कार्यालय मे दर्ज कराने का कष्ट करें। अन्यथा नियमानुसार प्राधिकरण अभिलेखों में उक्त भवन का वारिसान के आधार पर नामांतरण श्री रमेश चन्द्र दुग्गल पुत्र श्री हर नारायण के स्थान पर उक्त भूखण्ड को उनके पुत्र श्री योगेश दुग्गल पुत्र स्व0 श्री रमेश चन्द्र दुग्गल निवासी-हाऊस नं0-3112, ब्लॉक-ए, गली नं0-03, एस0जी0एम0 नागर नित फरीदाबाद हरियाणा-121001 के नाम दर्ज कर दिया जायेगा।

विशेष कार्याधिकारी (सम्पत्ति)
ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण

पत्र नहीं मित्र
देशबन्धु
पश्चिमी उत्तर प्रदेश ब्यूरो कार्यालय
209 कृष्णा अपरा प्लाजा अल्फा कॉमर्शियल बेल्ट, ग्रेटर नोएडा
समाचार, विज्ञापन एवं प्रसार के लिए संम्पर्क करें
खोया-पाया/ सूचना/ नाम परिवर्तन/ आवश्यकता
फोनः-0120-4270009

पत्र नहीं मित्र
देशबन्धु
समाचार, विज्ञापन एवं प्रसार के संपर्क करें
क्षेत्रिय कार्यालय रबुपुरा
Mob: 9411492655

Shiv Mahima Enterprises
सभी प्रकार के विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें
नाम परिवर्तन, खोया पाया, सूचना, अवश्यकता
Mob.: 9910280173
Off.-221, 2nd Floor, Meridian View Plaza, Alpha Comm. Belt, Gr. Noida

अभिमत

भारत के सांस्कृतिक अनुभव के आधार पर टैगोर और गांधी दोनों ही एक विशिष्ट स्वदेशी पहचान के साथ शिक्षा के लिए उत्सुक और प्रकृति के अनुरूप शिक्षा से प्रेरित थे। इसे ध्यान में रखते हुए टैगोर ने 1901 में एक प्रकार के आश्रम स्कूल की शुरुआत की थी जहां बच्चे कक्षाओं की बंद दीवारों से दूर खुले में, पेड़ों की छाया के नीचे खेलते हुए सीख सकते थे। उनके पिता देबेंद्रनाथ टैगोर ने 1863 में जमीन खरीदी थी, जहां उन्होंने एक आश्रम बनाया और आध्यात्मिक मूल्यों के अनुसार वहां रहते थे।

इतिहास को जान-बूझकर भूलने की साजिश

लेखा रत्तनानी

नए ढांचे में टैगोर की दृष्टि और विचार भले ही आकर्षण खो रहे हों लेकिन विदेशों में भारत के सबसे प्रसिद्ध कवि नोबेल पुरस्कार विजेता के लिए अभी भी मोमबत्तियां जलाई जा रही हैं। टैगोर की 'सीमाहीन दुनिया के संदेश' को फैलाने के लिए टैगोर मेमोरियल ग्रोव एंड वॉकिंग म्यूजियम काम कर रहा है। यह संयुक्त राज्य अमेरिका में स्थापित केन्द्रों में से एक है जिसका उद्घाटन इस फरवरी में ह्यूस्टन, टेक्सास के रे मिलर पार्क में किया गया था।

पिछले महीने विदेश मंत्री एस जयशंकर ने वियतनाम के बाक निन्ह प्रांत में अंतरराष्ट्रीय मैत्री पार्क में रवीन्द्रनाथ टैगोर की प्रतिमा का अनावरण किया था। वियतनाम ने टैगोर के साथ अपने संबंधों को संजोया है और 1929 में हो ची मिन्ह शहर की उनकी तीन दिवसीय यात्रा को कई मायनों में पुनर्जीवित किया है जिसमें उनकी 'गीतांजलि' का अनुवाद शामिल है जिसे वियतनामी में 'लोई डांग' कहा जाता है। वियतनामी सरकार ने टैगोर के सम्मान में 80 के दशक में एक स्मारक डाक टिकट भी निकाला है। यूनेस्को ने सितंबर में शांति निकेतन में टैगोर द्वारा स्थापित आध्यात्मिक केंद्र और इसके भीतर विश्व भारती विश्वविद्यालय को विश्व धरोहर का दर्जा दिया है। विश्व धरोहर स्थल घोषित किए जाने के उपलक्ष्य में विश्व भारती विश्वविद्यालय में लगाई गई पट्टिकाओं पर विश्वविद्यालय के कुलाधिपति व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और कुलपति बिद्युत चक्रवर्ती का नाम है लेकिन संस्थापक और पहले एशियाई नोबेल पुरस्कार विजेता रवीन्द्रनाथ टैगोर का कोई उल्लेख नहीं है।

जब सवाल उठे तो विश्वविद्यालय ने स्पष्ट किया है कि पट्टिकाएं अस्थायी हैं जिन्हें बदल दिया जाएगा। यह ठीक नहीं है क्योंकि यह ऐसे समय में आया है जब विश्व भारती एक और विवाद में फंसा है क्योंकि यह शांति निकेतन से नोबेल पुरस्कार विजेता अमर्त्य सेन को बेदखल करने की कोशिश कर रहा है। विश्वविद्यालय के उप रजिस्ट्रार द्वारा हस्ताक्षरित एक पत्र में कहा गया है कि अमर्त्य सेन का घर विश्वविद्यालय से संबंधित भूमि पर बनाया गया है। पीठ ने कहा, 'रिकॉर्ड और भौतिक सर्वेक्षण/सीमांकन से यह पाया गया है कि आपने विश्व भारती की 13 डिसमिल जमीन पर अनधिकृत कब्जा कर रखा है।' एक डिसमिल मतलब 435.6 वर्ग फुट। नोटिस मिलने के बाद नोबेल पुरस्कार विजेता अमर्त्य सेन ने स्पष्ट किया कि उनके पिता आशुतोष सेन ने 1943 में विश्वविद्यालय से 125 डिसमिल जमीन लीज़ पर ली थी।

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने आरोप लगाया है कि अमर्त्य सेन को भाजपा की नीतियों की आलोचना करने की वजह से परेशान किया जा रहा है। ऐसा हो या न हो, लेकिन इस विवाद ने मई में टैगोर की 162वीं जयंती के समारोह और शांति निकेतन के उत्सव, इसकी ऐतिहासिक इमारतों, परिदृश्यों, उद्यानों, मंडपों, शैक्षिक और सांस्कृतिक परंपराओं के साथ यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थल घोषित किए जाने की गरिमा को कम कर दिया है। कच्छ के हड़प्पाकालीन शहर धोलावीरा के बाद यह 41वां भारतीय स्थल है जिसे यूनेस्को ने विश्व धरोहर स्थल घोषित किया है।

इसमें कोई संदेह नहीं है कि इस तरह की चूक को आसानी से ठीक किया जा सकता है। यह विवाद अपने आप में लोगों, आवाजों, विचारों, विचारधाराओं और दृष्टिकोणों की आलोचना करने, अवहेलना करने या अनदेखा करने की बढ़ती प्रवृत्ति की ओर इशारा करता है जो 'उनके सांचे' में फिट नहीं होते हैं। थोड़ा इतिहास गायब है, एक संस्थापक का नाम एक स्मारक स्तंभ या पट्टिका पर छोड़ दिया गया है, पाठ्य पुस्तकों से नाम और युग छूट गए हैं। इस साल की शुरुआत में, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) ने कक्षा-12 के इतिहास के पाठ्यक्रम से मुगल काल से संबंधित कुछ हिस्सों को हटाने के अपने फैसले की घोषणा की थी। इस कदम की काफी आलोचना हुई थी और जवाब में एनसीईआरटी ने कहा था कि 'पाठ्यक्रम को युक्तिसंगत बनाने' के लिए ऐसा किया तथा 'अतिव्यापी' और 'अप्रासंगिक' हिस्सों को हटा दिया गया।

हालांकि इनमें से कुछ उदाहरणों को जल्दबाजी या निरीक्षण के लिए जिम्मेदार ठहराया जा सकता है उनमें से ज्यादातर 'जान-बूझकर' चयनात्मक भूलने की बीमारी के मामले प्रतीत होते हैं। खास तौर पर जब लोगों, विचारों और तर्कों की बात आती है जो वर्तमान सोच और मानसिकता के साथ फिट नहीं होते हैं। यह विशेष रूप से गुरुदेव टैगोर और महात्मा गांधी के साथ लगता है जिनके विचार और जीवन जीने का तरीका आज की धारणाओं के विपरीत है। विश्व भारती टैगोर की सोच का प्रतिनिधित्व करता है। विश्व भारती की स्थापना दिसंबर 1921 में की गई थी और 1951 में संसद के एक अधिनियम द्वारा इसे राष्ट्रीय महत्व का एक केंद्रीय विश्वविद्यालय और संस्थान घोषित किया गया। यह प्राचीन भारतीय परंपराओं पर आधारित एक आवासीय विद्यालय और कला का केंद्र है जो उस समय प्रचलित ब्रिटिश औपनिवेशिक शैक्षिक प्रणाली से अलग और उससे असहमत था। इसके बजाय विश्व भारती पूरे क्षेत्र के प्राचीन, मध्ययुगीन और लोक परंपराओं को चित्रित करते हुए एक एशियाई आधुनिकता को अधिक स्पष्ट देखता था।

भारत के सांस्कृतिक अनुभव के आधार पर टैगोर और गांधी दोनों ही एक विशिष्ट स्वदेशी पहचान के साथ शिक्षा के लिए उत्सुक और प्रकृति के अनुरूप शिक्षा से प्रेरित थे। इसे ध्यान में रखते हुए टैगोर ने 1901 में एक प्रकार के आश्रम स्कूल की शुरुआत की थी जहां बच्चे कक्षाओं की बंद दीवारों से दूर खुले में, पेड़ों की छाया के नीचे खेलते हुए सीख सकते थे। उनके पिता देबेंद्रनाथ टैगोर ने 1863 में जमीन खरीदी थी, जहां उन्होंने एक आश्रम बनाया और आध्यात्मिक मूल्यों के अनुसार वहां रहते थे। रवीन्द्रनाथ टैगोर बाद में साहित्य सृजन करने के लिए यहां बस गए।

आज टैगोर और गांधी की दृष्टि तथा जीवन शैली एवं वर्तमान दृष्टिकोण के बीच की दूरी बढ़ रही है। हालांकि उनके नाम पर उत्साह के साथ किए गए प्रयास और कार्य जारी हैं लेकिन उस ऊर्जा का अधिकांश हिस्सा भारत के बाहर है। उदाहरण के लिए, 1920 में महात्मा गांधी द्वारा स्थापित गुजरात विद्यापीठ, अहमदाबाद द्वारा पेश किए गए 'गांधीवादी अहिंसा पर अंतरराष्ट्रीय पाठ्यक्रम: सिद्धांत और अनुप्रयोग' पढ़ाने वाले प्रोफेसरों ने पाया है कि पाठ्यक्रम ने यूरोप, उत्तर, मध्य और दक्षिण अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, अफ्रीका और एशिया के देशों के छात्रों को आकर्षित किया है। इसी तरह ब्रुकिंग्स, एस डकोटा स्थित सत्याग्रह संस्थान द्वारा मेक्सिको और नाइजीरिया, घाना, गाम्बिया, सेनेगल जैसे अफ्रीकी देशों में आयोजित अल्पकालिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भाग लेने वालों की संख्या उल्लेखनीय है। कई प्रतिभागी ऐसे थे जिनके देशों में आन्तरिक संघर्ष और गृह युद्ध जैसे हालात हैं और वे अपने स्वयं के समाजों में बढ़ती हिंसा के बारे में एक आम चिंता साझा करते थे और महसूस करते थे कि इस समस्या को सुलझाना उनका कर्तव्य है। इनमें से अधिकांश लोग पाठ्यक्रमों और प्रशिक्षण से गहराई से प्रभावित हुए और अधिकतर लोग अब गैर सरकारी संगठनों के साथ काम कर रहे हैं या अपने स्वयं के संगठन स्थापित कर चुके हैं। वे गांधीवादी परंपरा के अनुरूप रचनात्मक कार्य, अन्याय का प्रतिरोध और सभी प्रकार की हिंसा के उन्मूलन पर ध्यान केंद्रित करते हैं।

यहां भारत के नए ढांचे में टैगोर की दृष्टि और विचार भले ही आकर्षण खो रहे हों लेकिन विदेशों में भारत के सबसे प्रसिद्ध कवि नोबेल पुरस्कार विजेता के लिए अभी भी मोमबत्तियां जलाई जा रही हैं। टैगोर की 'सीमाहीन दुनिया के संदेश' को फैलाने के लिए टैगोर मेमोरियल ग्रोव एंड वॉकिंग म्यूजियम काम कर रहा है। यह संयुक्त राज्य अमेरिका में स्थापित केन्द्रों में से एक है जिसका उद्घाटन इस फरवरी में ह्यूस्टन, टेक्सास के रे मिलर पार्क में किया गया था। उत्साह और जोश से भरी भीड़, जिनमें ज्यादातर प्रवासी थे, वैदिक मंत्र, टैगोर की संगीत रचनाओं का पाठ कर रहे थे। ये लोग उम्मीद जगाते हैं कि टैगोर की स्मृति और वे जिस चीज के लिए खड़े थे, वह ऐसे समय में जीवित रहेगी जब सीमाओं को मजबूत किया जा रहा है और बड़े संघर्ष चल रहे हैं। टैगोर और गांधी को पट्टिकाओं पर वापस लाने और इन दोनों को हमारे जीवन में वापस लाने का यह एक अच्छा समय हो सकता है।

(लेखिका दी बिलियन प्रेस की मैनेजिंग एडिटर हैं। सिंडिकेट: दी बिलियन प्रेस)

बीता सप्ताह

18 नवंबर
- मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ में 17 नवंबर को विधानसभा चुनाव के लिए मतदान किया गया।
- जम्मू-कश्मीर कुलगाम में आतंकी और सेना के बीच हुए मुठभेड़ में 9 आतंकी मारे गए।
- बंगाल की खाड़ी में चक्रवात तूफान मिधिली को लेकर बंगाल ओडिशा सहित आठ राज्यों को अलर्ट जारी किया गया।
- केरल के एर्नाकुलम में ईसाई प्रार्थना सभा में हुए ब्लास्ट में मृतकों की संख्या छ: हो गई।

19 नवंबर
- लोकसभा में बहस के लिए लंबित पड़े हैं 713 निजी विधेयक।
- मोहम्मद मुइज्जू ने मालदीव के राष्ट्रपति के रूप में शपथ ग्रहण की।
- फिलीपींस ने रूसी सीमा पर 4 क्रासिंग प्वाइंट बंद किए।
- डीफेक मामले में प्रधानमंत्री की चिंता के बाद सरकार ने सोशल मीडिया को चेताया।

20 नवंबर
- गुजरात के नरेन्द्र मोदी स्टेडियम में क्रिकेट मैच में आस्ट्रेलिया ने भारत को 6 विकेट से हराकर विश्व क्रिकेट का सिरमौर बना।
- अर्जेंटीना के राष्ट्रपति पद के चुनाव के लिए मतदान हुए।
- पाकिस्तान के सैन्य कार्रवाई में पश्चिमी कबायली जिले में 4 आतंकी मारे गए।
- प्रसिद्ध उद्योगपति एलन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स के रॉकेट स्टारशिप का दूसरा परीक्षण विफल हो गया।

21 नवंबर
- एक याचिका की सुनावई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि जजों की नियुक्ति में पसंद-नापसंग ठीक नहीं।
- चुनाव आयोग ने चुनाव वाले राज्यों में 1760 करोड़ की शराब व नकदी जब्त की गई।
- गोवा में देश का 54वां भारतीय अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव शुरु हुआ।
- ईरान ने हाइपरसोनिक मिसाइल का अनावरण किया।

22 नवंबर
- नेशनल हेराल्ड मामले में ईडी ने यंग इंडिया की 751.9 करोड़ की संपत्ति जब्त की।
- झीरम नक्सल हमले की जांच पर एनआईए की अपील को सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दिया है इसके साथ मामले में छत्तीसगढ़ पुलिस के लिए जांच का रास्ता खुल गया।

23 नवंबर
- भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) गिरीशचंद्र मुर्मू का वर्ष 2024 के लिए संयुक्त राष्ट्र लेखा परीक्षक पैनल का उपाध्यक्ष चुना गया।
- इंडोनेशिया के पूर्वी प्रांत मालकू में 6.6 तीव्रता का भूकम्प आया।
- इजरायल ने चार दिवसीय युद्ध विराम पर सहमति दी।
- टीडीपी की पूर्व नेता एवं अभिनेत्री दिव्यवांगी कांग्रेस में शामिल हुईं।

24 नवंबर
- सुप्रीम कोर्ट की पहली महिला जज फातिमा बीबी का निधन हो गया।
- प्रधानमंत्री पर एक विवादित बयान के मामले में चुनाव आयोग ने राहुल गांधी को नोटिस दिया।
- जम्मू-कश्मीर के राजौरी में सेना और आतंकी के बीच हुए मुठभेड़ में पांच सैनिक शहीद हुए एवं दो आतंकी मारे गए।
- रूसी सैन्य अवकाश के मौके पर कार्यक्रम पेश कर रही अभिनेत्री पोलिना मेक्सिख की यूक्रेन हमले में मौत हो गई।

म्यांमार सैन्य शासकों के खिलाफ लड़ाई तेज होने से चीन और भारत पर असर

■ गिरीश लिंगन्ना

जब शनिवार को उत्तरी गाजा के जबालिया शरणार्थी शिविर में भीड़भाड़ वाले संयुक्त राष्ट्र आश्रय स्थलों पर इजरायली हवाई हमले में 80 से अधिक फिलिस्तीनियों की मौत हो गई, तो दुनिया असमंजस में दिख रही थी, क्योंकि वह अपने दक्षिण आक्रामक विस्तार की तैयारी कर रहा था, जिससे वहां मौजूद सैकड़ों हजारों नागरिक शरणार्थियों के लिए भय पैदा हो गया।

हालांकि, यह दुनिया के ध्यान से बच गया, जब पिछले सप्ताह पड़ोसी म्यांमार के चीन राज्य के पहाड़ी क्षेत्र के सुदूर गांव वुइलू में एक सैन्य जेट द्वारा एक स्कूल के बहुत करीब बमबारी में 11 लोगों की हत्या कर दी गई, जिनमें से आठ बच्चे थे- सभी की उम्र सात से 11 साल के बीच थी। इसी तरह दुनिया का ध्यान इस साल अक्टूबर की शुरुआत में चीनी सीमा के पास उत्तरी म्यांमार के काचिन राज्य में लाईज़ा शहर के पास आंतरिक रूप से विस्थापित लोगों के लिए एक शिविर में बच्चों सहित कम से कम 29 नागरिक एक सैन्य हमले में मारे गए थे, तब भी नहीं गया था।

म्यांमार, 540 लाख लोगों का एक दक्षिण-पूर्व एशियाई देश है, जो वर्तमान में कई सशस्त्र जातीय और लोकतंत्र समर्थक गुटों के साथ एक गृह युद्ध में उलझा हुआ है, जो सैन्य शासन से लड़ रहा है, और जिसने 2021 में अचानक तख्तापलट में एक निर्वाचित सरकार को सत्ता से बाहर कर दिया। मिजोरम में ज़ौखथार के सामने भारत की सीमा के करीब, सैन्य शासकों के खिलाफ लगातार प्रतिरोध हो रहा है, जिसे पिछले तीन हफ्तों में देश भर में विपक्षी ताकतों के हमलों में कई झटके लगे हैं। जवाबी कार्रवाई के लिए वह इस पर बहुत अधिक भरोसा वायु शक्ति पर कर रहा है, जबकि जातीय चीन राज्य के विद्रोहियों ने हाल ही में सीमावर्ती शहर रिखावदार पर कब्जा कर लिया है।

म्यांमार में संकट कई आयामों को समाहित करता है, जिसमें चल रही अशांति, दमन, रोहिंग्या अल्पसंख्यक की दुर्दशा और क्षेत्रीय शक्ति चीन का हस्तक्षेप शामिल है। भारत सहित अंतरराष्ट्रीय समुदाय को इन चुनौतियों से निपटने, लोकतंत्र को बहाल करने और म्यांमार में मानवाधिकारों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए मिलकर काम करना चाहिए। रोहिंग्याओं की दुर्दशा पर ध्यान दिया जाना चाहिए, जिसका उद्देश्य उनके उत्पीड़न को समाप्त करना।

शान राज्य में तीन जातीय सशस्त्र समूहों के गठबंधन की जबरदस्त सफलता ने म्यांमार के आसपास अन्य विपक्षी ताकतों को प्रोत्साहित किया है। म्यांमार के सैन्य शासन ने तख्तापलट विरोधी ताकतों द्वारा 'भारी हमलों' का सामना करने की बात स्वीकार की है, जिन्होंने पिछले महीने के अंत में एक समन्वित आक्रमण शुरू किया था, जिसमें कई सीमावर्ती कस्बों और दर्जनों सेना चौकियों पर नियंत्रण करने का दावा किया गया था। सेना ने देश की अधिकांश भारतीय सीमा पर भी नियंत्रण खो दिया है।

सरकार ने स्वीकार किया है कि उसके सैनिकों को पूर्व में काया राज्य, पश्चिम में राखीन राज्य और विशेष रूप से उत्तर में शान राज्य में सशस्त्र विद्रोही बलों से भारी हमलों का सामना करना पड़ रहा है। लोकतंत्र समर्थक लड़ाकों ने गिराने के लिए 'सैकड़ों ड्रोन' तैनात किये हैं और सैन्य चौकियों पर बम मार रहे हैं। म्यांमार के सैन्य समर्थित राष्ट्रपति विनम्यिंट ने चेतावनी दी है कि अगर सरकार शान राज्य में संघर्ष पर लगाम नहीं कस सकती तो देश को टूटने का वास्तविक और प्रबल खतरा है।

फिर से, इज़राइल-हमास संघर्ष के समान, संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरस ने म्यांमार में बढ़ती हिंसा पर गंभीर चिंता व्यक्त की है, जहां हाल की लड़ाई से करीब 20 लाख लोग विस्थापित हुए हैं और कम से कम 75 नागरिक मारे गये हैं जिनमें बच्चे भी शामिल हैं। गुटेरस ने सभी पक्षों से गैर-लड़ाकों और नागरिकों की रक्षा करने और मानवीय सहायता को प्रवेश की अनुमति देने की अपील की है।

म्यांमार तब से अराजकता और हिंसा में डूब गया है, जब सेना, जिसे तातमाडॉ के नाम से जाना जाता है, ने 1 फरवरी, 2021 को तख्तापलट किया और नागरिक नेता आंग सान सूकी और उनकी नेशनल लीग फॉर डेमोक्रेसी (एनएलडी) की लोकतांत्रिक रूप से निर्वाचित सरकार से सत्ता छीन ली।

तख्तापलट ने सेना और नागरिक सरकार के बीच एक दशक से चले आ रहे सत्ता संघर्ष के चरमोत्कर्ष को चिह्नित किया, जो 2008 में सेना द्वारा तैयार किए गये संविधान के तहत सत्ता साझा कर रही थी। इस संविधान ने सेना को एक चौथाई संसदीय सीटें, तथा प्रमुख मंत्रालयों पर नियंत्रण प्रदान किया है। संवैधानिक संशोधनों पर सेना ने वीटो लगा दिया और सू की को उनके विदेशी पारिवारिक संबंधों के कारण राष्ट्रपति बनने से रोक दिया।

सैन्य जुंटा ने तख्तापलट को सही ठहराने के लिए नवंबर 2020 के आम चुनाव में व्यापक धोखाधड़ी का आरोप लगाया था। हालांकि, चुनाव आयोग और अंतरराष्ट्रीय पर्यवेक्षकों ने उनके दावों का खंडन किया, जिन्होंने चुनाव को स्वतंत्र और निष्पक्ष माना। अंतरराष्ट्रीय समुदाय ने तख्तापलट की निंदा की, सेना पर प्रतिबंध लगाये और चीन और रूस जैसे प्रमुख सहयोगियों से संकट को समाप्त करने में मदद करने का आग्रह किया।

तख्तापलट के जवाब में, म्यांमार के लोगों ने बड़े पैमाने पर विद्रोह की और मांग की उनकी चुनी हुई सरकार की वापसी और उनके मानवाधिकारों का सम्मान किया जाये। जातीय अल्पसंख्यकों, महिलाओं, युवाओं और सिविल सेवकों सहित समाज के विविध वर्ग का प्रतिनिधित्व करते हुए, प्रदर्शनकारियों ने अपनी असहमति व्यक्त करने के लिए रचनात्मक और शांतिपूर्ण तरीकों का इस्तेमाल किया। हालांकि, सेना ने क्रूर बल के साथ जवाब दिया, अशांति को तीव्र कुचला और मानवाधिकारों का उल्लंघन किया।

सैन्य जुंटा ने भीड़ को तितर-बितर करने के लिए घातक और गैर-घातक बल का इस्तेमाल किया, जिसके परिणामस्वरूप बड़ी संख्या में लोगों की जानें चली गई। बच्चों, पत्रकारों, डॉक्टरों, शिक्षकों और राजनेताओं सहित हजारों लोगों को हिरासत में लिया गया, प्रताड़ित किया गया और मार दिया गया। सेना ने जातीय सशस्त्र संगठनों को भी निशाना बनाया, जिससे बड़े पैमाने पर विस्थापन हुआ, जिससे मानवीय संकट पैदा हो गया। क्रूरता के बावजूद, प्रतिरोध आंदोलन जारी है। अपदस्थ सांसदों और विभिन्न समूहों के प्रतिनिधियों ने राष्ट्रीय एकता सरकार (एनयूजी) नामक एक समानांतर सरकार बनाई है। जुंटा को उखाड़ फेंकने और संघीय लोकतंत्र स्थापित करने के लिए वे दृढ़ संकल्पित हैं, और उन्होंने सेना के दमन का मुकाबला करने के लिए एक गुरिल्ला सेना, पीपुल्स डिफेंस फोर्स (पीडीएफ) की स्थापना की है। एनयूजीम्यांमार के लोगों की सुरक्षा और शांति बहाल करने के लिए अंतरराष्ट्रीय मान्यता और समर्थन चाहता है।

जहां एक ओर म्यांमार उथल-पुथल का अनुभव कर रहा है, रोहिंग्या जातीय अल्पसंख्यक, मुख्य रूप से मुसलमानों का उत्पीड़न जारी है। मुख्य रूप से राखीन राज्य में रहने वाले रोहिंग्याओं को भेदभाव, नागरिकता से इनकार और उनके बुनियादी अधिकारों पर प्रतिबंध का सामना करना पड़ा है। हिंसा और सैन्य कार्रवाई ने कई रोहिंग्याओं को पड़ोसी देशों में शरण लेने के लिए मजबूर किया है, जिनमें से एक बड़ी संख्या बांग्लादेश और भारत में सुरक्षा की तलाश में है - मुख्य रूप से असम और पश्चिम बंगाल में।

चीन म्यांमार के मुख्य सहयोगियों में से एक है। कुछ लोग अनुमान लगाते हैं कि चीन की मंशा म्यांमार में उसके आर्थिक और रणनीतिक हितों में निहित है, जिसमें संसाधनों तक पहुंच, बुनियादी ढांचा परियोजनाएं और प्रमुख व्यापार मार्गों पर नियंत्रण शामिल है। तख्तापलट के लिए चीन के समर्थन ने लोकतंत्र समर्थक नेताओं और अंतरराष्ट्रीय समुदाय के साथ उसके संबंधों को तनावपूर्ण बना दिया है, जो उसके रुख को सेना के दमन को सक्षम करने वाला मानते हैं।

पिछले सप्ताह भारत को म्यांमार की सेना की अप्रत्याशित सहायता मिली जब उसने अपने 46 सैनिकों को मिजोरम में प्रवेश करने की अनुमति दे दी। सैनिक चीन राज्य में लोकतंत्र समर्थक लड़ाकों से बचने की कोशिश कर रहे थे जिन्होंने मिजोरम सीमा से परे उनके शिविरों पर कब्ज़ा कर लिया था। यह, शायद, पहली बार था कि भारत ने अपनी धरती पर लड़ाई से भाग रहे किसी अन्य देश की सेना के सैनिकों को बचाया है, जो अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए म्यांमार में सैन्य शासन के साथ सहयोग करने की नई दिल्ली की बढ़ती इच्छा को दर्शाता है।

म्यांमार के पड़ोसी के रूप में, भारत ने संकट और क्षेत्रीय स्थिरता पर इसके प्रभाव के बारे में चिंता व्यक्त की है। भारत के पूर्वोत्तर और पूर्वी राज्यों में शरणार्थियों की आमद ने स्थानीय संसाधनों और बुनियादी ढांचे पर भारी दबाव डाला है, जिससे मानवीय सहायता की आवश्यकता हुई है। म्यांमार तख्तापलट का कड़वा प्रभाव भारत में महसूस किया गया है क्योंकि फरवरी 2021 तख्तापलट के बाद से म्यांमार के 40,000 से अधिक चीन राज्य के शरणार्थियों ने मिजोरम में शरण ली है।

म्यांमार में संकट कई आयामों को समाहित करता है, जिसमें चल रही अशांति, दमन, रोहिंग्या अल्पसंख्यक की दुर्दशा और क्षेत्रीय शक्ति चीन का हस्तक्षेप शामिल है। भारत सहित अंतरराष्ट्रीय समुदाय को इन चुनौतियों से निपटने, लोकतंत्र को बहाल करने और म्यांमार में मानवाधिकारों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए मिलकर काम करना चाहिए। रोहिंग्याओं की दुर्दशा पर ध्यान दिया जाना चाहिए, जिसका उद्देश्य उनके उत्पीड़न को समाप्त करना और उनके अधिकारों और सुरक्षा को सुरक्षित करना है। इन मुद्दों को सामूहिक रूप से संबोधित करके ही, म्यांमार और क्षेत्र के लिए शांतिपूर्ण और स्थिर भविष्य की आशा की जा सकती है।

पूंजी के लिए कमाया जाता पुण्य

■ डॉ. दुर्गाप्रसाद अग्रवाल

त्यौहारों के आनंद, हर्षोल्लास और आमोद-प्रमोद के बीच कुछ देर ठहरकर यह विचार करना रोचक हो सकता है कि आखिर हम त्यौहार मनाते क्यों हैं? इसलिए कि परम्परागत रूप से ऐसा चला आ रहा है? हमारे मां-बाप को हमने ऐसा ही करते देखा है और उन्होंने भी अपने मां-बाप को ऐसा ही करते देखा था। अगर मां-बाप को याद न भी करें तो आस-पास वाले मना रहे हैं इसलिए हम भी मना लेते हैं। अनुकरण सहज मानवीय प्रकृति है और जो अच्छा है, सुखद है, उसका अनुकरण करने में कुछ सोचने की ज़रूरत ही कहां है?

जो लोग पढ़े-लिखे हैं या जिज्ञासु वृति के विचारवान हैं, वे शास्त्रों और किताबों को खंगालते हैं और त्यौहारों के उद्गम और उनकी परम्परा तक जा पहुंचते हैं। वे इस बात की पड़ताल करते हैं कि किसी त्यौहार की शुरुआत कब और कैसे हुई तथा कालांतर में उसके स्वरूप में क्या परिवर्तन हुए। इन सब में बहुत सारे लोग ऐसे हैं जो बग़ैर किसी ना-नुकर के खुश होकर त्यौहार मनाते हैं, अपनी खुशियों में औरों को शामिल करते हैं, औरों की खुशी में खुद शामिल होते हैं। खुशी मनाने के मामले में ये तनिक भी कृपण नहीं होते और किसी को अलग रखने की बजाय सबको शामिल करने में और सबके साथ जुड़ जाने में विश्वास करते हैं।

ऐसे लोगों को इस बात से कोई फ़र्क नहीं पड़ता कि यह त्यौहार इसका है और यह त्यौहार उसका है। ये लोग सही अर्थों में वसुधैव कुटुम्बकम के समर्थक होते हैं। त्यौहार हमारे जीवन की एकरसता को तोड़ते हैं और हमारे भीतर नई ऊर्जा का संचार करते हैं, लेकिन सारी दुनिया तो एक जैसी नहीं होती। बहुत सारे लोग ऐसे भी हमारे चारों तरफ़ हैं जो 'उनकी' खुशी और 'हमारी' खुशी में अंतर करते हैं। 'उनका' त्यौहार हम क्यों मनाएं और 'हमारे' त्यौहार में वे क्यों शामिल हों? ऐसे लोग बहुत बारीकी से पड़ताल करते हैं और हर बात में मीन-मेख निकालते हैं।

यह बात और भी आगे बढ़ती है। त्यौहार मनाने के तौर-तरीकों पर भी खूब विवाद होते हैं, बहसें होती हैं। अब यह तो बहुत सामान्य बात है कि दुनिया में चीज़ें हमेशा एक जैसी नहीं रहतीं। बदलाव होते हैं। आज से सौ बरस पहले कोई त्यौहार जैसे मनाया जाता था, आज वैसे नहीं मनाया जाता। पहले दिवाली पर घी या तेल के दिये जलाए जाते थे, आज यह काम प्रतीक रूप में करके बिजली के बल्बों से रोशनी की जाती है। पहले बड़े बल्बों से रोशनी की जाती थी, अब छोटे और बहुत कम ऊर्जा खाने वाले बल्ब चलन में आ गए हैं।

हमने सहज भाव से इन बदलावों को स्वीकार कर लिया है, लेकिन जिन्हें विवाद प्रिय हैं वे इन बातों में भी विवाद के मौके तलाश लेते हैं। अगर बल्ब का प्रयोग किया जा रहा है तो यह देखना ज़रूरी होने लगा है कि उसका उत्पादन किस देश में हुआ है। आपकी खुशी को आपकी देशभक्ति के साथ नत्थी कर दिया जाता है। वैसे यह नत्थीकरण भी बहुत सेलेक्टिव होता है। सरकारी स्तर पर और बहुत बड़े पैमाने पर भले ही इस तरह की देशभक्ति की पड़ताल न की जाती हो, छोटे लोगों को इस खुर्दबीन के नीचे रखकर परखा जाता है।

यह सब अकारण होता हो ऐसा भी नहीं है। इस सबके पीछे बड़ी ताकतें बहुत चालाकी से अपना खेल खेलती हैं। इस बात को ऐसे समझें - त्यौहारों पर हमारे यहां मिठाई खाने और खिलाने की परम्परा है। हम सबको इसमें आनंद मिलता है। मिठाइयों के स्वरूप में बहुत बदलाव आए हैं। कल तक जो मिठाइयां चलन में थीं वे आहिस्ता-आहिस्ता लुप्त हो गई हैं और उनकी जगह नई, चमकदार और महंगी मिठाइयों से बाज़ार पट गया है। मिठाइयों को विस्थापित करने के प्रयत्न भी कम नहीं हुए हैं। आपकी सेहत की फ़िक्र को आगे करके मिठाइयों की लड़ाई मेवों से करवा कर उनके बाज़ार को मज़बूत किया गया है।

मिठाइयों के कच्चे माल में मिलावट की बात को रेखांकित करके चॉकलेट को प्रचारित और स्थापित किया गया है। इस बात को समझने में कोई दिक्कत नहीं होनी चाहिए कि मिठाइयों के विस्थापन और चॉकलेट के प्रतिस्थापन में किसका और कैसा हित निहित रहा होगा। जो संगठित हैं और शक्तिशाली हैं, वे असंगठित और अपेक्षाकृत कमज़ोर को पराजित करेंगे ही। हमारे देखते-ही-देखते पारम्परिक हलवाई के पेट पर लात मारकर मेवों और चॉकलेट को उनकी जगह स्थापित कर दिया गया है।

ऐसा ग़रीब-नवाज़ मिठाइयों को लेकर भी किया गया। एक ताज़ा उदाहरण सोन पापड़ी का है। उसे लेकर जितने लतीफ़े बने, उसका जितना उपहास किया गया, क्या वह सब आकस्मिक था? क्या उसके पीछे कोई बड़ा खेल नहीं था? बेशक हमारे यहां मिलावट का कारोबार खूब होता है और कोई भी उसका समर्थन नहीं करेगा, लेकिन समझने की बात यह है कि यह हल्ला केवल उसी समय किया जाता है जब ऐसा करने से किसी का लाभ होता हो।

त्यौहार मनाने के तौर-तरीकों में समय के साथ बदलाव अपने आप आते हैं और कुछ बदलाव बाकायदा, योजनाबद्ध रूप से लाए जाते हैं। पिछले कुछ बरसों में हमारे संचार माध्यम हमें यह बताने लगे हैं कि अमुक पर्व के अवसर पर ख़रीदारी का ख़ास मुहूर्त है। क्या आज से तीस-चालीस बरस पहले यह मुहूर्त नहीं आता था? अब बाज़ार की तो इसके पीछे बड़ी भूमिका है। देखने की बात यह भी है कि बाज़ार हमारे पूरे सोच और हमारी जीवन-शैली पर इतना हावी हो गया है कि कभी-कभी तो हमें लगता है कि त्यौहार के लिए बाज़ार नहीं है, बाज़ार के लिए ही त्यौहार है।

त्यौहार मनाने के तौर-तरीकों में समय के साथ बदलाव अपने आप आते हैं और कुछ बदलाव बाकायदा, योजनाबद्ध रूप से लाए जाते हैं। पिछले कुछ बरसों में हमारे संचार माध्यम हमें यह बताने लगे हैं कि अमुक पर्व के अवसर पर ख़रीदारी का ख़ास मुहूर्त है। क्या आज से तीस-चालीस बरस पहले यह मुहूर्त नहीं आता था? अब बाज़ार की तो इसके पीछे बड़ी भूमिका है।

इधर जैसे-जैसे हमारी समझ और संवेदनशीलता में वृद्धि हुई है हम बहुत सारी बातों पर विचार करने लगे हैं। कोई त्यौहार मनाने का तरीका अगर अनुचित है तो उसकी तरफ लोगों का ध्यान आकर्षित किया जाने लगा है। इसमें कोई हर्ज़ भी नहीं है। आपको कहीं जाना है तो आप रास्ता बदलकर भी जा सकते हैं। पर्यावरण के प्रति हमारी जागरूकता बढ़ती जा रही है, हम वायु और ध्वनि प्रदूषण को कम करने के बारे में सोचने लगे हैं। अगर जलस्रोत छीजते जा रहे हैं तो हम पानी बचाने के बारे में सोचने लगे हैं। यह सब समय की मांग और हमारी विवेकशीलता का परिचायक है, लेकिन यह देखकर बहुत दुख होता है कि समाज का एक तबका परम्परा निर्वाह के नाम पर इन चिंताओं का कटु और साम्प्रदायिक विरोध करने लगता है।

इतना तो स्वीकार्य है कि कोई किसी की बात से सहमत न हो, लेकिन इससे किसी की नीयत पर ही संदेह करें और उसे धार्मिक-साम्प्रदायिक चश्मे से देखने लगें, यह बहुत पीड़ादायक है। दुर्भाग्य से हमारे समय में ऐसा बहुत हो रहा है। जब हवाओं में पहले से इतना ज़हर घुला हो कि सामान्य रूप से सांस भी लेना दूभर हो गया हो तब पटाखे चलाकर त्यौहार मनाना कहां की समझदारी है? जब लोगों को पीने के लिए पानी मिलना भी कठिन होता जा रहा हो तब अगर कोई पानी बचाने की गुहार लगाए तो उसका बुरा क्यों माना जाना चाहिए? किसी विवेक-सम्मत बात के विरोध में धर्म का झण्डा बुलंद करना और फिर बीच में किसी और धर्म को ले आना किस तरह की धार्मिकता है?

इधर एक और प्रवृत्ति देखने में आने लगी है जो बहुत चिंताजनक है। हम अपने धर्म, अपनी परम्पराओं को छोड़कर दूसरों के धर्म, उनकी परम्पराओं पर प्रतिकूल, बल्कि कटु टिप्पणियां करने में खुशी का अनुभव करने लगे हैं। 'वे' ऐसा क्यों करते हैं? आप अपनी बात नहीं करेंगे, नहीं करने देंगे, लेकिन दूसरों की बात बहुत बढ़-चढ़कर करेंगे। यह प्रवृति निंदनीय और घातक है। इससे बचा जाना चाहिए।

(वरिष्ठ लेखक और स्तंभकार)

प्रकाशक, मुद्रक : राजीव रंजन श्रीवास्तव द्वारा पत्रकार प्रकाशन प्रा. लि. के लिए 506, आई.एन.एस. बिल्डिंग, 9, रफी मार्ग, नई दिल्ली से प्रकाशित एवं बीएफएल इंफोटेक लि., सी 9, सेक्टर-3, नोएडा से मुद्रित। सम्पादक : राजीव रंजन श्रीवास्तव, (पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार)। आर.एन.आई. नं. DELHIN/2008/24216. दिल्ली कार्यालय :फोन: 011-23718195,23357784, फैक्स: 011-43581404, नोएडा कार्यालय: फोन: 0120-4114404 फैक्स: 0120-4273770
ई-मेल: deshbandhudelhi@gmail.com वेब: www.deshbandhu.co.in

देश विदेश

हिन्दू जीवन मूल्यों से ही विश्व में शांति में स्थापित होगी: थाई प्रधानमंत्री

बैंकॉक, 24 नवम्बर (एजेंसियां)। थाईलैंड के प्रधानमंत्री शेत्ता थाविसिन ने आशा व्यक्त की है कि उथल-पुथल से जूझ रही दुनिया सत्य, सहिष्णुता और सौहार्द्र के हिंदू जीवन मूल्यों से प्रेरणा लेगी और विश्व में शांति स्थापित हो सकेगी। विश्व में हिन्दुओं की एक प्रगतिशील और प्रतिभासंपन्न समाज के रूप में पहचान स्थापित करने के उद्देश्य से तीसरे वर्ल्ड हिन्दू कांग्रेस का आज यहां भव्य शुभारंभ हुआ। 'धर्म की विजय' के उद्घोष के साथ प्रख्यात संत माता अमृतानंदमयी, भारत सेवाश्रम संघ के स्वामी पूर्णात्मानंद, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहनराव भागवत, सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले, विश्व हिन्दू परिषद के महामंत्री मिलिंद परांडे तथा कार्यक्रम के संस्थापक-सूत्रधार स्वामी विज्ञानानंद ने दीप प्रज्ज्वलन से सत्रारंभ हुआ।

हमास-इज़राइल के बीच 4 दिवसीय युद्ध विराम से लागू

गाजा, 24 नवम्बर (एजेंसियां)। इजराइल और हमास के बीच चार दिवसीय मानवीय विराम समझौता शुक्रवार को गाजा में लागू हो गया। अस्थायी युद्धविराम की अवधि में कम से कम 50 बंधकों को रिहा किया जाएगा। युद्ध विराम सुबह 7 बजे (स्थानीय समय) से शुरू हुआ। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, कतर, मिस्र और अमेरिका की मध्यस्थता में बुधवार को हुए समझौते के तहत पहले चरण में हमास ने कहा है कि वह शुक्रवार शाम चार बजे करीब 13 बंधकों को रिहा कर देगा। 2007 से गाजा पर शासन कर रहा हमास बंधकों को मिस्र को सौंप देगा। बदले में, इज़राइल महिलाओं और बच्चों सहित 150 फ़िलिस्तीनियों को इज़राइली जेलों से रिहा करेगा। चार दिनों के विराम के तहत इजराइल गाजा पट्टी में अपने सभी सैन्य अभियानों को रोक देगा। इस दौरान चार ईंधन ट्रकों सहित मानवीय सहायता और चिकित्सा आपूर्ति से भरे कम से कम 200 ट्रकों को गाजा पट्टी में जाने की अनुमति दी जाएगी। काहिरा में फिलिस्तीनी दूतावास के अनुसार, युद्धविराम से गाजा और मिस्र के बीच रफा क्रॉसिंग को फिर से खोलने में भी सुविधा होगी। बंधकों और लापता व्यक्तियों के लिए देश के समन्वयक गैल हिर्श ने एक बयान में कहा कि इज़राइल ने उन बंधकों के परिवारों को सूचित कर दिया है जिन्हें शुक्रवार को रिहा किया जाना है। हिर्श ने कहा, 'संपर्क अधिकारियों ने उन सभी परिवारों को सूचित कर दिया है जिनके प्रियजन सूची में शामिल हैं, साथ ही बंधकों के सभी परिवारों को भी सूचित कर दिया है'। इज़राइल ने एक्सचेंज में रिहाई के लिए 300 लोगों के नामों की एक सूची प्रकाशित की है। इसमें बड़ी संख्या में

- अस्थायी युद्धविराम की अवधि में कम से कम 50 बंधकों को रिहा किया जाएगा
- इज़राइल महिलाओं और बच्चों सहित 150 फ़िलिस्तीनियों को इज़राइली जेलों से रिहा करेगा

16 से 18 वर्ष की आयु के किशोर हैं, हालांकि कुछ 14 वर्ष के युवा भी हैं कतर के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता माजिद अल-अंसारी ने गुरुवार को एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि पहले बंधकों की रिहाई की उम्मीद में एक ही परिवार के सदस्य शामिल होंगे। सीएनएन ने अल-अंसारी के हवाले से कहा, 'उनकी संख्या 13 होगी, सभी महिलाएं और बच्चे, और वे बंधक जो एक ही परिवार से हैं, उन्हें एक ही बैच में रखा जाएगा।' इज़रायली सेना ने कहा कि वह युद्धविराम लागू करने के लिए तैयार है, लेकिन हमास को चेतावनी दी कि थोड़ा सा भी उल्लंघन हुआ, तो गंभीर प्रतिक्रिया होगी'।

भारतीय-अमेरिकी सांसदों ने चार दिवसीय इज़राइल-हमास युद्धविराम का किया स्वागत

भारतीय-अमेरिकी कांग्रेसियों ने इजरायल-हमास युद्ध में चार दिवसीय संघर्ष विराम का स्वागत किया है, जो लगभग सात सप्ताह की लड़ाई के बाद शुक्रवार को लागू हुआ। हमास शुक्रवार को शाम 4 बजे करीब 13 बंधकों को रिहा करेगा। कतर, मिस्र और अमेरिका के बीच हुए समझौते के अनुसार चार दिनों में यह संख्या बढ़कर 50 हो जाएगी। कांग्रेसी अमी बेरा ने एक बयान में कहा, 'मैं एक अस्थायी बातचीत वाले युद्धविराम की संभावनाओं से प्रोत्साहित हूं और (इजरायली प्रधान मंत्री बेंजामिन) नेतन्याहू प्रशासन से बंधकों की रिहाई और आवश्यक मानवीय सहायता के बदले में प्रस्तावित शर्तों को स्वीकार करने का आग्रह करता हूं।' कैलिफोर्निया के छठे जिले का प्रतिनिधित्व करने वाले बेरा ने उम्मीद जताई कि राष्ट्रपति जो बाइडेन का प्रशासन इजरायलियों और फिलिस्तीनियों के लिए अधिक आशाजनक भविष्य की दिशा में बातचीत को आगे बढ़ाने के लिए क्षणिक विराम का लाभ उठाने में सक्षम होगा। बेरा ने कहा, 'दो-राज्य समाधान की वकालत करने की मेरी प्रतिबद्धता अटल है, जहां इजरायली और फिलिस्तीनी शांति से एक साथ रह सकते हैं। यह एक असंभव सपना जैसा लग सकता है, लेकिन विकल्प बिल्कुल अस्थिर हैं।'

गाजा में मरने वालों की संख्या बढ़कर 14,800 से अधिक

गाजा। सरकारी मीडिया कार्यालय (जीएमओ) के अनुसार, इजराइल और हमास के बीच शुक्रवार से शुरू होने वाले चार दिवसीय मानवीय विराम के साथ, गाजा पट्टी में मरने वालों की संख्या 14,800 से अधिक हो गई है। अपने नवीनतम अपडेट में, हमास-नियंत्रित जीएमओ ने कहा कि मृतकों में लगभग 6,000 बच्चे और 4,000 महिलाएं शामिल हैं। उत्तरी गाजा के अस्पतालों में सेवाओं और संचार के पतन के बाद इस कार्यालय ने फिलिस्तीनी स्वास्थ्य मंत्रालय की भूमिका निभाई है। सोमवार को, रामल्लाह में मंत्रालय, जो गाजा पट्टी के अस्पतालों और अन्य स्रोतों से अपना डेटा लेता है, ने मारे गए लोगों की संख्या 12,700 बताई है। इस बीच, घायलों की संख्या भी बढ़कर 35,000 से अधिक हो गई है।

सुडोकू 6386

	7	9			5			
	5	1			6		4	
8						1		
7				8	9		3	
		3				5		
	1		2	5				6
		2						4
	4		1			3	5	
			5			8	6	

: नियम :

1. कुल 81 (9×9) वर्ग हैं, जिसमें 9 (3×3) वर्गों का एक खंड (ब्लॉक) बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1 से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते हैं।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कॉलम,कतार और खंड में 1 से 9 अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते हैं।

हल आज ही के अंक में

वर्ग पहेली 6386

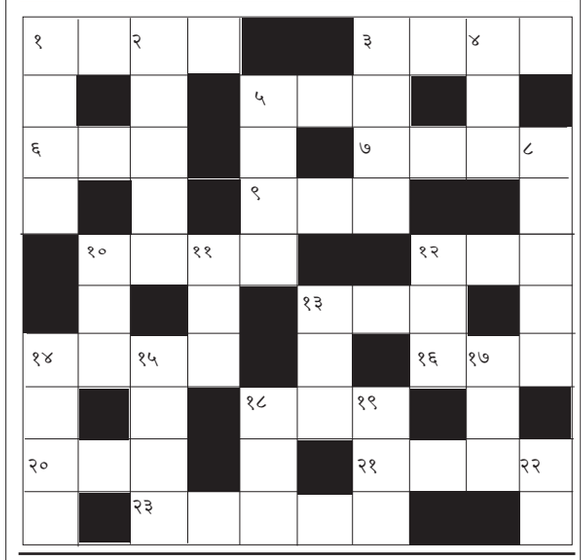

बायें से दायें:-

१.चरम सीमा, आखिरी हद
३. अनियंत्रित
५. निवेदक (उर्दू)
६. झण्डा, ध्वज
७. हिंसा, खूनखराबा (उर्दू)
९. दुर्गा
१०. 'हाईकमिश्नर'
१२. पक्का, मजबूत जो कभी न टूटे
१३. विस्मय
१४. अयोग्य, नाकाबिल (उर्दू)
१६. अन्यथा (उर्दू)
१८. पीड़ित, उत्सुक
२०. महत्ता
२१. अज्ञानता
२३. सेंध मारी (उर्दू)

ऊपर से नीचे:-

१. पूरी तरह पका हुआ
२. सुनी सुनाई बातों पर तुरंत विश्वास कर लेने वाला (उपमा)
३. अविश्सनीयता, लेन-देन में खोटापन(उर्दू)
४. गीत गाने वाली
५. अविभाजित, अखंड
८. तर्राना, बहुत ज्यादा बातें करना
१०. प्रकाश, रोशनी
११. लड़ाकू
१२. कमी, कसर
१३. बल्कि, किंतु
१४. मूर्ख, अविवेकी
१५. पूजा करने या कराने वाला
१७. रसदार आम, गन्ना, गेहूं
१८. सहारा, भरोसा, टेक
१९. रात्रि, रात
२२. अंधकार

वर्ग पहेली-6385

१ म	धु	२ सू	द	३ न	■	४ अ	नि	५ रू	ब्ध
क	■	र्य	■	६ वा	प	सी	■	स	■
७ रं	ग	त	■	गं	■	८ मि	थ्या	वा	९ द
द	■	न	■	१० तु	रं	त	■	■	कि
■	११ नि	या	१२ म	क	■	■	१३ हा	शि	या
■	ष्क	■	नो	■	१४ मृ	दु	ल	■	नू
१५ म	ल	१६ य	ज	■	णा	■	१७ त	१८ र	स
हा	■	था	■	१९ क	ल	२० प	■	क्त	■
२१ दे	ख	ना	■	च्छ	■	२२ द	ल	प	२३ ति
व	■	२४ म	त्स्यो	प	जी	वी	■	■	थि

युसूफ कुरैशी, मो. 8109948408

दैनिक पंचांग

mypandit.com 24 hour astrology service

■ बेजान दारुवाला

ग्रह स्थिति : शनिवार 25 नवम्बर, 2023 कार्तिक शुक्ल पक्ष 13

राशिफल

मेष - आज का दिन आपके लिए शुभ है। परिवार के सदस्यों और करीबी दोस्तों के साथ किसी खास कार्यक्रम में शामिल हो सकते हैं। उत्साह के साथ नए कार्य की शुरूआत करेंगे। इस दौरान अति उत्साह से हानि न हो इसका ध्यान रखें।

वृषभ - आज किसी भी प्रकार के निर्णय लेने से पहले सोच-विचारकर आगे बढ़ें। किसी के साथ गलतफहमी होने की संभावना है। खराब तबीयत के कारण आप उदास हो सकते हैं।

मिथुन - सामाजिक, आर्थिक तथा पारिवारिक क्षेत्र में लाभ होने की संभावना है। समाजिक मान- प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। मित्रों से लाभ होगा और उनके पीछे पैसे भी खर्च करेंगे।

कर्क - घर की साज-सजावट पर विशेष ध्यान देंगे। नए घरेलू सामान खरीदने की संभावना है। व्यापारियों और नौकरी पेशा लोगों को लाभ तथा पदोन्नति मिल सकती है। पारिवारिक सुख-शांति बनी रहेगी। सरकारी लाभ होगा।

सिंह - स्वभाव में उग्रता और क्रोध रहने के कारण आपका मन कहीं नहीं लगेगा। वाद-विवाद में अपने अहं के कारण किसी की नाराज़गी झेलनी पड़ेगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

कन्या - मन के संयम को आज के दिन का मंत्र बना लें, क्योंकि स्वभाव की उग्रता के कारण किसी के साथ मनमुटाव होने की संभावना है। गुप्त शत्रु बाधा उत्पन्न करेंगे, इसलिए सतर्क रहें। नए काम की शुरुआत स्थगित रखें।

तुला - दैनिक कामकाज से राहत तथा मनोरंजन प्राप्त करने के लिए आप पार्टी, नाटक या फिल्म देखेंगे। घूमने-फिरने जा सकते हैं, मित्रों से मिलने की संभावना है। प्रिय व्यक्ति के साथ निकटता आपको खुशी देगी।

वृश्चिक - पारिवारिक शांति का माहौल आपके तन-मन को स्वस्थ रखेगा। निर्धारित काम में सफलता मिलेगी। नौकरी में साथी कर्मचारियों का सहयोग मिलेगा। विरोधियों और शत्रुओं की चाल निष्फल होगी।

धनु - आज आपको संतान की पढ़ाई तथा स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। पेट सम्बंधी तकलीफ आपको हो सकती है। काम सफल नहीं होने पर निराशा का अनुभव होगा। आपको अपने गुस्से पर अंकुश रखना चाहिए।

मकर - आपका आज का दिन प्रतिकूलताओं से भरा रहेगा, जिससे मन में खिन्नता अनुभव होगा। शरीर में स्फूर्ति और ताजगी का अभाव रहेगा। सार्वजनिक जीवन में मानहानि होने की संभावना रहेगी। छाती में दर्द रहने की संभावना है।

कुंभ - आज आप तन-मन से प्रसन्नता का अनुभव करेंगे। आपके मन पर छाए हुए चिंता के बादल दूर होने से आपका उत्साह बढ़ेगा। भाई-बंधुओं से साथ मिलकर नए आयोजन को हाथ में लेंगे। उनके साथ आनंदपूर्वक समय व्यतीत होगा।

मीन - आज जिह्वा पर संयम न रखने से लड़ाई-झगड़े की आशंका बनी रहेगी। खर्च पर भी नियंत्रण रखें। धन सम्बंधित लेन-देन में भी सावधानी की आवश्यकता है। शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य में गिरावट आ सकती है।

नोट-उपरोक्त राशिफल बेजान दारूवाला द्वारा पूर्वलिखित है।

आज का इतिहास

1538 - तुर्की का नौसैन्य अभियान जो भारत पहुंचा था, पुर्तगाल का बेड़ा पहुंचने के बाद वापस लौट गया।
1716- अमेरिका में पहली बार किसी शेर को प्रदर्शनी में रखा गया।
1741 - रूस की महारानी एलिजाबेथ ने इंपीरियल रशियन गार्डस की मदद से तख्ता पलट कर सेंट पीटर्सबर्ग की सत्ता पर कब्जा जमाया।
1866- इलाहाबाद हाईकोर्ट का उद्घाटन।
1867 - अल्फ्रेड नोबल ने डायनामाइट का पेटेंट कराया।
1890- प्रसिद्ध भाषाविद, साहित्यकार एवं विद्याशास्त्री सुनीति कुमार चटर्जी का जन्म।
1930- जापान में एक ही दिन में भूकंप के 690 झटके रिकॉर्ड किए गए।
1936- जर्मनी और जापान के बीच कोमिंटन (कम्युनिस्ट इंटरनेशनल) विरोधी समझौते पर हस्ताक्षर।
1941- लेबनान को फ्रांस से आजादी मिली।
1945- अमेरिका की राजधानी वाशिंगटन डीसी में आए बर्फीले तूफान के कारण हुई स्कूल बस दुर्घटना में 15 बच्चों की मौत हो गई।
1949- स्वतंत्र भारत के संविधान पर संवैधानिक समिति के अध्यक्ष ने हस्ताक्षर किए और इसे तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया।
1960- टेलीफोन की एसटीडी व्यवस्था का भारत में पहली बार कानपुर और लखनऊ के बीच प्रयोग किया गया।
1965- फ्रांस ने अपना पहला सैटेलाइट लॉन्च किया।
1973- ग्रीस में हफ्तों से फैली अशांति के बीच आज ही के दिन वहां की सेना ने तत्कालीन राष्ट्रपति जॉर्ज पापाडोपोलस का तख्ता पलट दिया था।
1974- नेपाल में एक पुल के ढहने से लगभग 140 लोग मरे।
1974- संयुक्त राष्ट्र संघ के पूर्व महासचिव ऊ थांट का निधन।
1975 - सूरीनाम को हालैंड से आजादी मिली।
1982 प्रसिद्ध महिला क्रिकेटर झूलन गोस्वामी का जन्म।
1998 - पाकिस्तान ने अंधेरे में मार करने में सक्षम टैंक-भेदी प्रक्षेपास्त्र का सफल परीक्षण किया।

फिनलैंड द्वारा लगभग सभी सीमा चौकियों को बंद करने के बाद रूसी क्षेत्र हाई अलर्ट पर

मॉस्को, 24 नवम्बर (एजेंसियां)। फिनलैंड द्वारा अपनी लगभग सभी सीमा चौकियों को बंद करने के बाद स्थानीय निवासियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए रूस के मरमंस्क क्षेत्र में हाई-अलर्ट घोषित कर दिया गया है और कई अतिरिक्त उपाय किए गए हैं। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, बुधवार को फिनलैंड की सरकार ने रूस के साथ अपनी सीमा पर रूस के मरमंस्क क्षेत्र से सटे सुदूर उत्तर में स्थित एक को छोड़कर लगभग सभी चौकियों को बंद करने की घोषणा की। यह फैसला 23 दिसंबर तक लागू रहेगा। क्षेत्र के गवर्नर एंड्री चिबिस ने गुरुवार को टेलीग्राम पर एक पोस्ट में कहा कि मरमंस्क के माध्यम से फिनलैंड में प्रवेश करने के इच्छुक विदेशी नागरिकों की संख्या बंद होने के चलते कई गुना बढ़ सकती है। गवर्नर ने कहा कि बुधवार को लगभग 400 विदेशी मरमंस्क से फिनलैंड में प्रवेश करने की प्रतीक्षा कर रहे थे, और उनमें से केवल 50 को ही जाने दिया गया। संख्या और बढ़ने की उम्मीद है। पिछले हफ्ते रूस के साथ सीमा पर चार चौकियों को बंद करने के बाद, फिनिश अधिकारियों ने बिगड़ती प्रवासन स्थिति का हवाला देते हुए, रूस के साथ सीमा पर तीन और चौकियों को अस्थायी रूप से बंद करने का निर्णय लिया था, केवल सबसे उत्तरी चौकी राजा-जोसेप्पी को चालू रखा। रूसी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मारिया जखारोवा ने बुधवार को कहा कि फिनलैंड को पारस्परिक रूप से स्वीकार्य समाधान निकालने के लिए अपनी चिंताओं को उठाना चाहिए था।

न्यूजीलैंड ने की नई गठबंधन सरकार की घोषणा

वेलिंगटन, 24 नवम्बर (एजेंसियां)। न्यूजीलैंड के तीन राजनीतिक दलों ने हफ्तों की बातचीत के बाद शुक्रवार को नई गठबंधन सरकार के लिए लाइनअप की घोषणा की। नेशनल के नेता और आने वाले प्रधान मंत्री क्रिस्टोफर लक्सन ने संसद में हस्ताक्षर समारोह के दौरान कहा,नेशनल पार्टी, एसीटी न्यूजीलैंड पार्टी और न्यूजीलैंड फर्स्ट पार्टी की नई गठबंधन सरकार स्थिर, प्रभावी होगी और सभी न्यूजीलैंडवासियों के लिए काम करेगी। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, एनजेड फर्स्ट के नेता विंस्टन पीटर्स तीन साल के संसदीय कार्यकाल की पहली छमाही के लिए उप प्रधान मंत्री होंगे, और एसीटी के नेता डेविड सेमोर कार्यकाल की दूसरी छमाही के लिए पद संभालेंगे। पीटर्स विदेश मंत्री होंगे और सेमुर नए और मौजूदा नियमों की गुणवत्ता का आकलन करने वाले विनियमन मंत्री होंगे। 20-मजबूत कैबिनेट में 14 राष्ट्रीय मंत्री, तीन एसीटी मंत्री और तीन एनजेड फर्स्ट मंत्री होंगे। नेशनल की निकोला विलिस वित्त मंत्री होंगी। नई सरकार 27 नवम्बर को शपथ लेगी। नए गठबंधन के गठन के लिए समझौते पर हस्ताक्षर करने के बाद लक्सन ने कहा, 'चुनौतीपूर्ण आर्थिक माहौल के बावजूद, नई सरकार द्वारा किए जाने वाले बदलावों के कारण न्यूजीलैंडवासी बेहतर भविष्य की उम्मीद कर सकते हैं।' आने वाले प्रधान मंत्री ने कहा कि नई सरकार जीवन यापन की लागत को कम करेगी और कर राहत देगी, कानून और व्यवस्था बहाल करेगी और बेहतर सार्वजनिक सेवाएं प्रदान करेगी। नेशनल पार्टी ने 14 अक्टूबर को आम चुनाव जीता, इसमें लेबर पार्टी को छह साल के कार्यकाल के बाद पद छोड़ना पड़ा। हालांकि, किसी भी पार्टी के बहुमत सीटें नहीं जीतने के कारण, नई सरकार का गठन गठबंधन सरकार बनाने के लिए अंतरदलीय वार्ता के नतीजे पर निर्भर था।

पाकिस्तान ने ब्रिक्स में शामिल होने के लिए औपचारिक अनुरोध की पुष्टि की

इस्लामाबाद, 24 नवम्बर (एजेंसियां)। पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय ने पुष्टि की कि उसने ब्रिक्स - ब्राजील, रूस, भारत, चीन, दक्षिण अफ्रीका ब्लॉक में शामिल होने के लिए औपचारिक अनुरोध किया है। समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने मंत्रालय की प्रवक्ता मुमताज ज़हरा बलूच के मीडिया ब्रीफिंग के हवाले से कहा, 'ब्रिक्स द्वारा समावेशी बहुपक्षवाद के प्रति घोषित खुलेपन को देखने के बाद हमने यह निर्णय लिया है।' उन्होंने कहा कि समूह में शामिल होकर पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सहयोग को आगे बढ़ाने और समावेशी बहुपक्षवाद को पुनर्जीवित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। प्रवक्ता ने कहा कि पाकिस्तान के ब्रिक्स के अधिकांश सदस्यों के साथ-साथ देशों के नए आमंत्रित समूह के साथ मैत्रीपूर्ण संबंध हैं। उन्होंने कहा, 'हमें यह भी उम्मीद है कि ब्रिक्स समावेशी बहुपक्षवाद के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के अनुरूप पाकिस्तान के अनुरोध पर आगे बढ़ेगा।' अगस्त में दक्षिण अफ्रीका में 15वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में, ईरान, अर्जेंटीना, मिस्र, इथियोपिया, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात को इस समूह में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया गया था, और उनकी सदस्यता 1 जनवरी, 2024 से प्रभावी होगी।

यूक्रेन के पीएम, यूरोपीय संघ के अधिकारी ने सीमा नाकेबंदी पर की चर्चा

कीव, 24 नवम्बर (एजेंसियां)। यूक्रेन के प्रधानमंत्री डेनिस श्मीहल ने कहा है कि उन्होंने कुछ यूरोपीय संघ (ईयू) के देशों के साथ यूक्रेनी सीमा की नाकेबंदी पर चर्चा करने के लिए यूरोपीय आयोग के उपाध्यक्ष वाल्डिस डोम्ब्रोव्स्की के साथ एक ऑनलाइन बैठक की। श्मीहल ने फेसबुक पर लिखा, यूक्रेन ने इस मुद्दे पर यूरोपीय संघ को अपने प्रस्ताव की रूपरेखा दी है और समस्या के समाधान में यूरोपीय आयोग की मदद पर भरोसा कर रहा है। सिन्हुआ समाचार एजेंसी ने प्रधानमंत्री के हवाले से कहा कि यूक्रेन अपने निर्यात और आयात के लिए वैकल्पिक लॉजिस्टिक मार्ग भी तेजी से विकसित कर रहा है। पोलैंड के मालवाहक यूक्रेनी सीमा पर कई चौकियों पर 6 नवम्बर से विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। उनका कहना है कि यूरोपीय संघ में प्रवेश करने वाले यूक्रेनी मालवाहकों के लिए परमिट की व्यवस्था की जाय।

प्रदर्शनकारियों ने क्रॉसिंग पॉइंट के पास सड़कों को अवरुद्ध कर दिया है, जिसके चलते लंबी कतारें लग गईं और हजारों ट्रक सीमा पर रुके रहे। गुरुवार को, यूक्रेन ने पोलैंड के विदेश मंत्रालय को एक आधिकारिक नोट भेजा, जिसमें दो यूक्रेनी ट्रक ड्राइवरों की कतार में मौत के बाद सीमा को तत्काल हटाने की मांग की गई। मंगलवार को यूक्रेनी ड्राइवरों के लिए परमिट वापस करने की मांग करने वाले स्लोवाकिया के कार्यकर्ता विरोध प्रदर्शन में शामिल हो गए, जिससे स्लोवाकिया और यूक्रेन के बीच एक प्रमुख सीमा अवरुद्ध हो गई।

संकट सांस की बीमारियों से जूझ रहा है चीन

अब तक 13 हजार से अधिक बच्चे बीमार

बीजिंग, 24 नवम्बर (एजेंसियां) चीन में कोविड के बाद सांस की एक नयी बीमारी से देशवासी हलकान हैं और इस बीमारी से ज्यादातर छोटे बच्चें प्रभावित हो रहे हैं। स्थिति की गंभीरता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि अब तक 13,000 से अधिक मामले सामने आ चुके हैं। मरीजों को अस्पतालों में जगह नहीं मिल रही है जबकि कुछ स्कूलों को बंद कर दिया है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ), जिसने सरकार से रोग डेटा मांगा है, ने कहा कि कोई असामान्य या नए रोगजनकों का पता नहीं चला है।

इससे पूर्व की रिपोर्ट में कहा गया था, चीन एक बार फिर रहस्मयी फ्लू कारण सुर्खियों में है। स्थिति की गंभीरता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि अब तक 13,000 से अधिक मामले सामने आ चुके हैं। अस्पतालों में भर्ती होने के लिए लंबी वेटिंग है जबकि कुछ स्कूलों को बंद भी किया गया है। दिसंबर में सख्त कोविड-19 प्रतिबंध हटाए जाने के बाद से चीन अपने पहले पूर्ण सर्दियों के मौसम में प्रवेश करते हुए श्वसन संबंधी बीमारियों में वृद्धि से जूझ रहा है। बच्चों में मामले विशेष रूप से बीजिंग और लियाओनिंग प्रांत जैसे उत्तरी क्षेत्रों में अधिक दिखाई दे रहे हैं जहां अस्पताल लंबे इंतजार की चेतावनी दे रहे हैं।

बीजिंग के एविएशन जनरल अस्पताल में रोजाना 550 से 650 मामले आ रहे हैं जो पिछले साल की तुलना में 30 से 50 प्रतिशत अधिक है। राजधानी बीजिंग से करीब 100

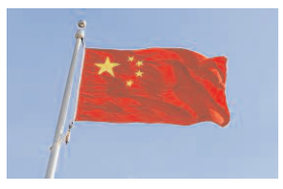

किलोमीटर दूर स्थित तियानजिन शहर के चिल्ड्रेन अस्पताल के निदेशक लियु वेई ने गुरुवार को कहा, हमारे दो कैंपस में पिछले 24 घंटों के दौरान 13,171 बच्चों को भर्ती कराया गया है। स्टेट काउंसिल ने कहा कि इस सर्दी और वंसत में इन्फ्लूएंजा चरम पर होगा और भविष्य में कुछ क्षेत्रों में माइकोप्लाज्मा निमोनिया का संक्रमण अधिक रहेगा। इसने कोविड संक्रमण के फिर से बढ़ने के जोखिम के बारे में भी चेतावनी दी। स्टेट काउंसिल ने एक बयान में कहा, 'सभी इलाकों को संक्रामक रोगों पर सूचना रिपोर्टिंग को मजबूत करना चाहिए ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि जानकारी समय पर और सटीक तरीके से दी जाए।' स्थिति इस सप्ताह तब सुर्खियों में आई जब डब्ल्यूएचओ ने बच्चों में अज्ञात निमोनिया के समूहों पर प्रोग्राम फॉर मॉनिटरिंग इमर्जिंग डिजीज (प्रोएमईडी) की एक रिपोर्ट का हवाला देते हुए चीन से अधिक जानकारी मांगी। चीन और डब्ल्यूएचओ दोनों को 2019 के अंत में केंद्रीय शहर वुहान में सामने आए शुरुआती कोविड-19 मामलों पर रिपोर्टिंग की पारदर्शिता के बारे में सवालों का सामना करना पड़ा था। गुरुवार को डब्ल्यूएचओ ने कहा कि चीन ने उसके अनुरोध का जवाब दिया है और उसके द्वारा प्रदान किए गए डेटा से पता चलता है कि ये मामले माइकोप्लाज्मा निमोनिया जैसे ज्ञात रोगजनकों के प्रसार के साथ-साथ कोविड प्रतिबंधों को हटाने से जुड़े थे, जो मई से प्रसारित एक सामान्य जीवाणु संक्रमण है जो आमतौर पर बच्चों को प्रभावित करता है।

दुनिया को जानें

प्रवासियों को रोकने के लिए पोलैंड ने स्लोवाकिया के साथ सीमा नियंत्रण बढ़ाया

वारसॉ, 24 नवम्बर (एजेंसियां)। पोलैंड ने स्लोवाकिया के साथ लगी सीमा पर नियंत्रण 11 दिनों के लिए और बढ़ा दिया है। देश के गृह मंत्रालय ने ये जानकारी दी है। सिन्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, सीमा पर मिनी-वैन, वैन, यात्री वाहन और कोच की जांच की जाएगी। अवैध प्रवासियों को ले जाने के संदेह में इनकी जांच होगी। मूल रूप से शेंगेन बॉर्डर्स कोड के तहत 4 अक्टूबर को लागू किए गए इन नियंत्रणों का मकसद स्लोवाकिया से पोलैंड में प्रवेश करने वाले प्रवासियों को आने से रोकना है। शुरुआत में इसे 10 दिनों के लिए लागू किया गया था, बाद में चेक को अतिरिक्त 20 दिनों के लिए 2 नवंबर तक बढ़ा दिया गया और बाद में 22 नवंबर तक बढ़ा दिया गया। नए विनियमन के अनुसार, स्लोवाकिया के साथ सीमा विभिन्न सड़क क्रॉसिंग, तीन रेल क्रॉसिंग और दो पैदल यात्री क्रॉसिंग पहुंचने योग्य बनी हुई है। कुछ क्रॉसिंग जो पहले पैदल यात्रियों के लिए आरक्षित थे, अब यात्री वाहनों के लिए खुले हैं। पोलैंड और स्लोवाकिया 541 किमी लंबी सीमा साझा करते हैं।

प्रादेशिकी

उत्तराखण्ड के पहाड़ी जनपदों में 27 नवंबर को बारिश का अलर्ट

देहरादून, 24 नवम्बर (देशबन्धु)। उत्तराखण्ड में मौसम में फिर बदलाव आने के आसार बन रहे है। मौसम विभाग ने ने 27 नवंबर को हरिद्वार और ऊधमसिंहनगर को छोड़ सभी जिलों में बारिश का येलो अलर्ट जारी किया है। मौसम बदलने के बाद तापमान में गिरावट आने से अचानक ठंड भी बढ़ेगी। पिछले दो दिनों से वैसे भी सुबह की ठंड में काफी इजाफा हुआ है। मौसम विज्ञान केंद्र ने 27 नवंबर को उत्तरकाशी, चमोली, रुद्रप्रयाग, टिहरी, दून, पौड़ी, पिथौरागढ़, बागेश्वर, अल्मोड़ा, चंपावत और नैनीताल में बारिश का येलो अलर्ट जारी किया है। केंद्र ने चेतावनी दी है कि इन जिलों में कहीं-कहीं ओलावृष्टि व बिजली भी गिर सकती है। मौसम के इस बदलाव के बाद उत्तराखण्ड में तापमान लगातार गिरे रहने का भी अनुमान है।

मजदूरों को सुरंग से बाहर निकालने को लेकर मॉक ड्रिल

फोटो डी 6

उत्तरकाशी। सिलक्यारा सुरंग हादसे में फंसे मजदूरों को सुरक्षित निकालने के लिए युद्धस्तर पर रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। अब पाइप और मजदूरों के बीच महज 9क्10 मीटर की दूरी बची हुई है। इस दौरान एनडीआरएफ ने मॉक ड्रिल कर बताया है कि सुरंग में फंसे मजदूरों को कैसे स्ट्रेचर पर लिटाकर निकाला जाएगा। अधिकारियों ने कहा है कि सुरंग के नीचे 13 दिनों से फंसे 41 श्रमिकों को एक बड़े पाइप के माध्यम से एक-एक करके पहिए वाले स्ट्रेचर पर बाहर निकाला जाएगा।

राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) ने आज फंसे हुए श्रमिकों को बाहर निकालने के लिए स्ट्रेचर के उपयोग का मॉक ड्रिल किया। अधिकारियों ने कहा कि एनडीआरएफ कर्मी जब स्ट्रेचर को रस्सी से खींचेंगे तो प्रत्येक मजदूर को स्ट्रेचर पर नीचे की ओर लिटाया जाएगा ताकि उनको पाइप से चोट न लगे। उत्तराखंड की सिलक्यारा सुरंग में फंसे 41 श्रमिकों को बचाने का प्रयास अंतिम चरण में पहुंच गया है।

निर्माणाधीन सिलक्यारा सुरंग में बचाव अभियान के दौरान आई बाधा को दूर कर लिया गया है जिसके बाद मलबे में फिर से जल्द ही ड्रिलिंग का काम शुरू कर दिया

किसी भी क्षण सुरंग से बाहर आ सकते है मजदूर : धामी

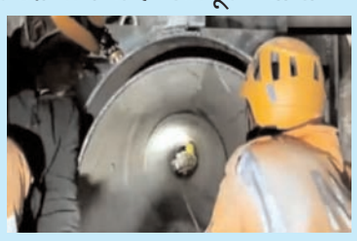

उत्तरकाशी, 24 नवम्बर (देशबन्धु)। जनपद के सिलक्यारा सुरंग के भीतर फंसे मजदूरों के बाहर निकलने का सभी को इंतजार है। काम लगातार जारी है,यह इंतजार किसी भी क्षण खत्म हो सकता है। एक छोटी सी बाधा ने इंतजार का समय और बढ़ाने का काम किया है। बताया जा रहा है कि 800 एमएम व्यास के ह्यूम पाइप्स मजदूरों तक पहुंचने के बेहद करीब थे, लेकिन मलबे में मोटी सरिया के ऑगर मशीन कटर पर अटकने से पुर्जे ही टूट गए। ऐसे में अंदर टेक्निकल दिक्कतों को दूर करने के लिए रातों रात दिल्ली से हेली की मदद लेकर एक्सपर्ट बुलाने पड़े ओर एनडीआरएफ, एसडीआरडीएफ सहित टीएचडीसी के इंजीनियरों की भी मदद ली गई। गुरुवार को दोपहर में रेस्क्यू कार्य फिर शुरु हुआ और उम्मीद जताई जा रही थी कि देर शाम या शुक्रवार तक सभी बाहर आ जाएंगे, लेकिन फिलहाल सुरंग के अंदर से रेस्क्यू कार्य को लेकर कोई खुशखबरी सामने अब तक नहीं आई है। हालांकि, अधिकारियों और विशेषज्ञों का दावा है कि फिर से छोटी बाधाएं नहीं आती आती है, तो मजदूरों की निकासी किसी भी पल संभव है। इसी पल के इंतजार में सीएम पुष्कर सिंह धामी मातली में कैंप बनाकर डेरा जमाए हुए हैं। साथ ही केंद्रीय सड़क परिवहन राज्य मंत्री जनरल वीके सिंह भी बीते रोज से इसी क्षेत्र में जमे हैं। आखिरी वक्त पत्रकारों को जानकारी देते हुए रेस्क्यू नोडल अफसर व उत्तराखंड शासन के सचिव डॉ नीरज खैरवाल ने बताया कि 45 मीटर तक ह्यूम पाइप पुश किए जाने के बाद बाधा उत्पन्न हो गई थी और रेस्क्यू निरंतर जारी है। हालांकि इसके बाद से कोई आधिकारिक बयान अब तक रेस्क्यू को लेकर सामने नहीं आया है। देखा जाए तो मजदूरों की चिंता इस वक्त परिजनों ही नहीं, बल्कि देश और दुनिया को भी है। यही वजह है कि यहां विदेशी मीडिया भी डेरा डालकर सुरंग में चल रहे रेस्क्यू के पल पल की अपडेट ले रहा है।

नवीन प्रौद्योगिकी के इस्तेमाल से कृषि क्षेत्र में खुलेंगे सम्पन्नता के द्वार : चंद्र कुमार

शिमला, 24 नवम्बर (देशबन्धु)। भारत एक कृषि प्रधान देश है और यहां की अधिकतम आबादी नियमित आय के लिए खेती पर निर्भर है। आज के समय में कृषि सबसे तेजी से बढ़ते व्यावसायिक क्षेत्र के रूप में उभर रही है। युवा पीढ़ी को कृषि की ओर आकर्षित करने के लिए आवश्यक है कि इसकी आधारिक संरचना का विकास आधुनिक समय की मांग अनुसार किया जाए। यह बात कृषि मंत्री प्रो. चंद्र कुमार ने कृषि विभाग द्वारा 'कृषि अवसंरचना कोष' योजना पर आज यहां आयोजित हिमाचल प्रदेश राज्य स्तरीय कॉन्क्लेव में बतौर मुख्यातिथि कही।

उन्होंने कहा कि कृषि अवसंरचना कोष के माध्यम से प्रदेश में कृषि सम्बन्धी अधोसंरचना के विकास के लिए अधिकतम 9 प्रतिशत की ब्याज दर पर दो करोड़ तक के ऋण पर तीन प्रतिशत ब्याज छूट दी जाती है। उन्होंने कहा कि कृषि में नवीन प्रौद्योगिकी, मशीनरी, अनुसंधान व उन्नत बीज का समावेश कर किसानों को लाभान्वित करने में वांछित सफलता हासिल की जा सकती है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के कृषि क्षेत्र में पूंजीगत निवेश की अपार संभावनाएं हैं। यहां पर कोल्ड स्टोर, प्रोसेसिंग प्लांट्स, सॉर्टिंग व ग्रेडिंग यूनिट्स, पैकेजिंग यूनिट्स, वेयरहाउस और सप्लाई चेन सम्बन्धी अधोसंरचना आदि क्षेत्रों में निवेश कर लाभ अर्जित किया जा सकता है। इससे प्रदेश में रोजगार एवं स्वरोजगार के हजारों अवसर भी सृजित होंगे।

कृषि मंत्री ने कहा कि कृषि अवसंरचना कोष के माध्यम से प्रदान की जा रही सुविधाओं के दायरे में विविधता लाने के साथ-साथ लाभार्थियों तक इसके लाभ पहुंचाने की प्रक्रिया को सरल बनाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि इस योजना का लाभ एकल खिड़की

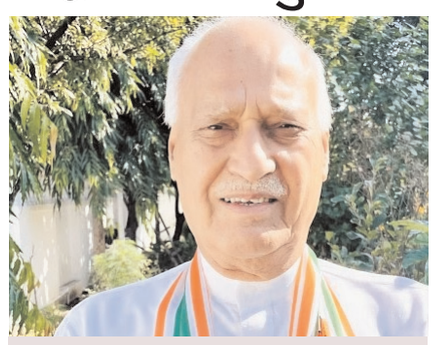

■ कृषि अवसंरचना कोष पर राज्य स्तरीय कान्क्लेव का आयोजन

मंजूरी के माध्यम से सुनिश्चित किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि यह भी सुनिश्चित करना चाहिए कि 'कृषि अवसंरचना कोष' सहित विभिन्न योजनाओं का लाभ छोटे, जरूरतमंद एवं गरीब किसान को आसानी से प्राप्त हो। इसके लिए योजना के लाभ घर-द्वार पर उपलब्ध किये जाने चाहिए। इससे किसान के समय एवं धन की बचत होगी। उन्होंने कहा कि कृषि अवसंरचना कोष के तहत परियोजनाओं के लिए प्रदान की जाने वाली आर्थिक सहायता में बढ़ोतरी करने की आवश्यकता है ताकि इसके व्यावहारिक लाभ लोगों को मिल सके। उन्होंने प्रदेश में सिंचाई अवसंरचना के निर्माण पर भी बल दिया और कहा कि एक मजबूत और आधुनिक सिंचाई व्यवस्था के विकास से ही कृषि क्षेत्र में सम्पन्नता लायी जा सकती है।

कृषि मंत्री ने कहा की राज्य सरकार प्रदेश के किसानों के उत्थान के लिए हर संभव प्रयास कर रही है ताकि उनका संपन्न एवं सुनहरा भविष्य सुनिश्चित हो।

चाकू की नोक पर आईफोन और नकदी लूटी

रूद्रपुर। बदमाशों ने एक स्कूटी सवार को रोककर चाकू की नोक पर उससे आईफोन समेत नगदी लूट ली। उसके बाद वे बाइक पर सवार होकर फरार हो गये। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर ली है। ग्राम महाराजपुर किच्छा निवासी अनुराग चैरसिया पुत्र दिनेश चैरसिया ने पुलिस को तहरीर सौंपी। तहरीर में बताया कि वह विगत सांय साढ़े सात बजे स्कूटी से गंगापुर रोड से घर की ओर जा रहा था। इसी बीच स्पलेंडर प्लस बाइक सवार दो बदमाशों ने उसका रास्ता रोक लिया और उसकी गर्दन पर चाकू रख कर आईफोन 11 व जेब में रखे 12 हजार 800 रूपये लूट लिए। घटना के बाद बदमाश फरार हो गये। थाना ट्रांजिट कैंप पुलिस ने बताया कि पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर बदमाशों की तलाश शुरू कर दी है। घटना स्थल के आस पास लगे सीसीटीवी कैमरे खंगाले जा रहे हैं।

श्रमिकों के इलाज के लिए एम्स अस्पताल पूरी तरह तैयार

ऋषिकेश। उत्तरकाशी के सिलक्यारा टनल में फंसे मजदूरों को यदि एम्स ऋषिकेश लाया जाता है, तो श्रमिकों के इलाज के लिए एम्स ऋषिकेश पूरी तरह तैयार है। चिकित्सकों को अलर्ट मोड पर रखा गया है और अस्पताल प्रशासन ने श्रमिकों के बेहतर उपचार के लिए विशेषज्ञ चिकित्सकों की 4 टीमें गठित की हैं। उत्तरकाशी से एम्स पहुंचाए जाने की स्थिति में श्रमिकों को एम्स के हेलीपैड से सीधे अस्पताल की ट्रॉमा इमरजेंसी में ले जाया जाएगा। तैयारियों के बाबत जानकारी देते हुए एम्स अस्पताल प्रशासन के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. नरेन्द्र कुमार ने बताया कि ट्रॉमा सेन्टर के डिजास्टर वार्ड सहित अस्पताल के अन्य एरिया में सभी श्रमिकों के लिए 41 बेडों की पर्याप्त व्यवस्था रखी गई है। उन्होंने बताया कि आपात स्थिति को देखते हुए विशेषज्ञ चिकित्सकों की 4 टीमें गठित कर उन्हें अलर्ट मोड पर रखा गया है। इन टीमों में ट्रॉमा सर्जन, एनेस्थिसिया, मनोरोग और जनरल मेडिसिन विभाग के चिकित्सक शामिल हैं। संस्थान की कार्यकारी निदेशक प्रोफेसर डॉ. मीनू सिंह राज्य सरकार के साथ लगातार संपर्क में हैं। डॉ. नरेन्द्र ने बताया कि यदि आवश्यकता पड़ी तो उत्तरकाशी भेजे जाने के लिए भी डॉक्टर्स और नर्सिंग अधिकारियों की एक टीम तैयार रखी गई है। उल्लेखनीय है कि एम्स के पास अपना हेलीपैड है, जहां एक बार में 3 हेलीकॉप्टर्स एक साथ उतारे जा सकते हैं।

सुडोकू 6386 का हल

2	7	9	4	1	5	6	8	3
3	5	1	8	7	6	2	4	9
8	6	4	9	3	2	1	7	5
7	2	5	6	8	9	4	3	1
6	9	3	7	4	1	5	2	8
4	1	8	2	5	3	7	9	6
5	8	2	3	6	7	9	1	4
9	4	6	1	2	8	3	5	7
1	3	7	5	9	4	8	6	2

करेंट की चपेट में आकर चालक की मौत

रूद्रपुर, 24 नवम्बर (देशबन्धु)। सीवीजी प्लांट पर कूड़े की गाड़ी खाली करने गये चालक विद्युत करेंट की चपेट में आ गया। उसे आनन फानन में जिला अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। वही पोस्टमार्टम हाउस एकत्रित कर्मियों व परिवारजनों समेत अन्य लोगों का गुस्सा ठेकेदार के खिलाफ फूट पड़ा। पोस्टमार्टम हाउस के बाहर जमकर हंगामा किया। परिजनों ने युवक की मौत के लिए ठेकेदार को जिम्मेवार ठहराया है और उसके खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। भूतबंगला वार्ड बीस निवासी 25 वर्षीय सुनील कोली पुत्र राम चन्द्र नगर निगम के द्वारा घर घर कूड़े कलेक्शन में लगाई गई गाड़ी का चालक था और ठेकेदार के अधीन था।

मृतक रोजाना की तरह कूड़े की गाड़ी को खाली करने के लिए शहर में स्थापित नगर निगम के सीबीजी प्लांट पर गया था। यहां पर कचरे की रिसाईकिलिंग कर सीएनजी गैस तैयार की जाती है। सुनील जब गाड़ी खाली कर रहा था तभी वह वहां फैल रहे विद्युत करेंट की चपेट में आकर झुलस गया। उसे उपचार के लिए जिला अस्पताल ले गये। जहां उसे चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना पर रम्पुरा चैकी प्रभारी केसी आर्या ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना से मृतक के परिवारजनों में कोहराम मचा है। मृतक तीन भाईयों में सबसे बड़ा था। उसके दो बच्चे हैं। घटना के बाद परिवारजनों समेत तमाम लोग पोस्टमार्टम हाउस पहुंच गये। उन्होंने ठेकेदार पर लापरवाही और उत्पीड़न का आरोप लगाते हुए जमकर हंगामा काटा। इस दौरान ठेकेदार के मैनेजर को भी लोगों ने घेर कर पकड़ लिया। बाद में पुलिस ने उसे छुड़ाया। गुस्साए लोगों ने ठेकेदार के खिलाफ कार्रवाई की मांग की और मृतक परिवार से एक व्यक्ति को स्थाई नौकरी व मुआवजा देने की मांग की।

खेल गतिविधियां कराने के लिए रेखा आर्या ने सीएम ने किया आग्रह खेल मंत्री ने मुख्य सचिव को लिखा पत्र

अमर नाथ तिवारी

अल्मोड़ा, 24 नवम्बर (देशबन्धु)। जिले के सभी 11 विकासखंडों में से अधिकांश ब्लॉकों में इस वर्ष खेल महाकुंभ का आयोजन नहीं हुआ है। जिस पर खेल मंत्री रेखा आर्य ने मुख्य सचिव को इसका समाधान करने के लिए पत्र लिखा है। वहीं मुख्यमंत्री को भी इसके समाधान का आग्रह किया है। शिक्षा विभाग में शिक्षकों व खेल विभाग में अधिकारियों के आंदोलन के चलते ये स्थिति सामने आई है।

अल्मोड़ा भ्रमण के दौरान खेल मंत्री रेखा आर्य ने इसे दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए कहा कि इस मामले का समाधान निकालने के लिए उन्होंने मुख्य सचिव एवं मुख्यमंत्री से भी बात की है। जल्द इसका कोई समाधान निकलेगा। खेल मंत्री रेखा आर्य ने कहा कि शिक्षक शैक्षिक कार्य तो कर रहे हैं, लेकिन उन्होंने

अन्य कार्यों के लिए धरना दिया है। शिक्षकों के आंदोलन से खेल महाकुंभ में न्याय पंचायत, ब्लॉक, जनपद हर स्तर पर देरी हो रही है। मंत्री ने कहा कि खेल शिक्षा का अभिन्न हिस्सा है। उन्होंने शिक्षकों से आग्रह करते हुए कहा कि शिक्षकों को यहां पर संवेदनशीलता बरतने तथा विवेकपूर्ण व मार्मिक दृष्टिकोण अपनाने की जरूरत है। रेखा आर्य ने कहा कि उन्होंने इस मामले में मुख्य सचिव को पत्र लिख शीघ्र इसका समाधान करने की बात कही है।दरअसल शिक्षकों का संगठन राजकीय शिक्षक संघ अपनी मांगों को लेकर चरणबद्ध आंदोलन कर रहा है। जिसके तहत शिक्षकों ने मांगें पूरी होने तक शैक्षिक कार्य के अलावा कोई भी कार्य नहीं करने का ऐलान किया है। शिक्षकों के इस आंदोलन से शिक्षा विभाग में व्यवस्थाएं गड़बड़ा गई हैं। छात्र-छात्राओं के लिए आयोजित होने वाले खेल महाकुंभ पर इसका असर पड़ रहा है। हालांकि, खेल महाकुंभ कराने की जिम्मेदारी युवा कल्याण विभाग के पास है। लेकिन इस आयोजन को पूर्ण करने में शिक्षइसका असर पड़ रहा है। हालांकि, खेल महाकुंभ कराने की जिम्मेदारी युवा कल्याण विभाग के पास है। लेकिन इस आयोजन को पूर्ण करने में शिक्षकों की काफी महत्वपूर्ण भूमिका रहती है।

उल्टी दिशा से आ रही कार से टकराकर एक ही परिवार के चार लोगों की मौत

रूद्रपुर। बीती देर शाम उल्टी दिशा से आ रही कार के ट्रक से टकराने पर पिता पुत्रों समेत चार लोगों की मौत हो गयी। सूचना मिलने पर पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

मिली जानकारी के अनुसार देर शाम एक ही परिवार के चार लोग रुद्रपुर से शादी समारोह में शामिल होने के लिए कार द्वारा अयोध्या के सोहावल जा रहे थे। बताया जा रहा है कि खैराबाद थाना क्षेत्र के नेशनल हाईवे 24 पर समदेपारा मोड़ के पास उनकी कार एक ट्रक से टकरा गयी। देर शाम हुई इस दुर्घटना के बाद पुलिस और स्थानीय नागरिकों ने चारों कार सवारों को बाहर निकालकर जिला अस्पताल भेजा। जहां चिकित्सकों ने सभी को मृत घोषित कर दिया। विगवाड़ा में स्थित रायल रेजीडेंसी में रामदास मौर्य (57) अपने परिवार के साथ रहते थे। बृहस्पतिवार को रुद्रपुर के एमबी टाउन कॉलोनी में रहने वाले उनके जीजा के बेटे की बरात फैजाबाद गई थी। सुबह छह बजे रामदास अपने बेटे अविनाश (30), अंकुर (25) और रिश्तेदार लेखराज (50) के साथ कार से बारात के लिए निकले थे। हादसे की जानकारी पाकर मृतकों के परिजन जिला अस्पताल पहुंच गए। उन्होंने सभी की शिनाख्त की। एसपी चक्रेश मिश्र ने बताया कि सड़क हादसे में चार लोगों की मौत हुई है।

सरकार हिमाचल में पर्यावरण-अनुकूल सतत विकास को बढ़ावा प्रदान कर रही

शिमला, 24 नवम्बर (देशबन्धु)। प्रदेश सरकार हिमाचल में पर्यावरण-अनुकूल सतत विकास को बढ़ावा प्रदान कर रही है। इस दिशा में प्रदेश में पर्यावरण हितैषी परिवहन को बढ़ावा प्रदान किया जा रहा है। हाल ही में प्रदेश मंत्रिमण्डल की बैठक में लिए गए महत्त्वाकांक्षी निर्णय के अंतर्गत वाहन मालिक मोटर वाहन कर की एकमुश्त छूट के साथ-साथ पंजीकृत वाहन स्क्रैपिंग सुविधा (आरवीएसएफ) में स्क्रैप किए जाने वाले पुराने वाहनों से सम्बंधित ब्याज और जुर्माने की एकमुश्त छूट के लिए पात्र होंगे। यह छूट एक वर्ष की समयावधि के लिए लागू होगी, जो वाहन मालिकों को मौजूदा नियमों के अनुरूप अपने पुराने वाहनों को स्क्रैप करने के लिए पर्यावरण अनुकूल दृष्टि से जिम्मेदार विकल्प चुनने के लिए प्रेरित करेगी। इसके अतिरिक्त वैध सर्टिफिकेट ऑफ डिपॉजिट प्रस्तुत करने पर नए वाहन के पंजीकरण के लिए हिमाचल प्रदेश मोटर वाहन कराधान अधिनियम-1972 की धारा 14 के तहत देय कर पर गैर परिवहन वाहनों को 15 वर्ष तक 25 प्रतिशत और परिवहन वाहनों के मामले में आठ वर्ष तक 15 प्रतिशत रियायत देने का भी निर्णय लिया गया।

मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा कि सरकार का यह निर्णय पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ वाहन उद्योग और सम्बंधित क्षेत्रों को बढ़ावा प्रदान करेगा। सरकार के इस निर्णय का मुख्य उद्देश्य पर्यावरण की दृष्टि से नाकारा वाहनों को रि-साईकिल करना है, जिससे इन वाहनों को होने वाले पर्यावरण प्रदूषण को कम किया जा सके। उन्होंने कहा कि पर्यावरण अनुकूल सत्त विकास और प्रदेश के आर्थिक विकास के लिए राज्य सरकार ने कर रियायतें प्रदान की हैं।

राज्य सरकार ने 31 मार्च, 2026 तक हिमाचल प्रदेश को हरित ऊर्जा राज्य में बदलने का लक्ष्य निर्धारित किया है। इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए सरकार द्वारा कई प्रभावी कदम उठाए गए हैं। प्रदेश सरकार का पहला ही बजट हरित ऊर्जा राज्य पर केंद्रित बजट था। पंजीकृत वाहन स्क्रैपिंग सुविधा में नियमों के अंतर्गत खतरनाक सामग्रियों के उचित निपटारे को ध्यान में रखते हुए पुराने वाहनों की स्क्रैपिंग सुनिश्चित की जाती है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वाहन मालिकों को पर्यावरण अनुकूल पंजीकृत वाहन स्क्रैपिंग सुविधा का लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। यह दृष्टिकोण वाहन निपटारे के लिए एक वैज्ञानिक और पर्यावरण-अनुकूल प्रक्रिया सुनिश्चित करता है।

हरिद्वार में ग्लोबल इन्वेस्टर्स सबमिट का रीजनल

हरिद्वार, 24 नवम्बर (देशबन्धु)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी आज हरिद्वार दौरे पर रहे। यहां सीएम धामी ने सबसे पहले हरिद्वार के निजी होटल में ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के रीजनल कॉन्क्लेव में प्रतिभा किया। इस दौरान सीएम पुष्कर सिंह धामी ने कहा अभी तक देश-विदेश में सब जगह मिलकर 2 लाख करोड़ के निवेश के एमओयू साइन हो चुके हैं। सीएम धामी ने कहा 8 और 9 दिसंबर को होने वाले देहरादून में ग्लोबल इन्वेस्टर समिट का आयोजन किया जाएगा। जिसमें बड़ी संख्या में उद्योगपति हिस्सा लेने वाले हैं।

हरिद्वार पहुंचे सीएम धामी ने कहा हम उत्तराखंड की जीटीएसपी का आंकलन कर रहे हैं। सीएम धामी ने कहा राज्य में एक बार फिर से उद्योगों को बढ़ावा दिया जाएगा। जिससे हमारे यहां के नौजवानों को रोजगार मिलेगा। इससे पलायन कम होगा। सीएम धामी ने कहा पीएम मोदी की प्रेरणा से हम बहुत तेजी से आगे बढ़ रहे हैं।

उन्होंने कहा सभी प्रस्तावित एमओयू का आंकलन करके उसे धरातल पर उतारने के लिए उनकी सरकार काम कर रही है। सीएम धामी ने कहा उदय नाम के एप के चालू होने से लोगों को घर बैठे ही अपने मानचित्र स्वीकृत करने में आसानी होगी। इसके लिए पहले लोगों को परेशान होना पड़ता था। अब इस एप से लोगों को सहूलियत होगी।

उत्तरकाशी सिलकयारा टनल रेस्क्यू ऑपरेशन पर भी सीएम धामी ने जानकारी दी। सीएम धामी ने कहा रेस्क्यू ऑपरेशन अपने अंतिम चरण में है। उन्होंने कहा पीएम मोदी लगातार रेस्क्यू ऑपरेशन का अपडेट ले रहे हैं। साथ ही उन्होंने बताया केंद्र की एजेंसियां भी राज्य सरकार के साथ मिलकर उत्तरकाशी सिलकयारा टनल रेस्क्यू ऑपरेशन को सफल बनाने में जुटी हुई हैं।

केंद्र के काम का झूठा श्रेय लेने का प्रयास कर रही कांग्रेस : कश्यप

शिमला, 24 नवम्बर (देशबन्धु)। शिमला संसदीय क्षेत्र के सांसद सुरेश कश्यप ने प्रदेश सरकार के मंत्रियों एवम् विधायकां पर प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना फेस 3 के तहत केंद्र सरकार द्वारा प्रदेश की ग्रामीण सड़कों को दिए गए बजट पर भूमि पूजन का ड्रामा रच कर झूठा श्रेय लेने का आरोप लगाया है।

सांसद सुरेश कश्यप ने मीडिया को जारी ब्यान में कहा कि इसका उदाहरण प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना फेज 3 के अंदर जो धनराशि केंद्र सरकार द्वारा लोकसभा सांसद की संस्तुति पर लगभग 200 करोड़ रूपये जुब्बल कोटखाई विधानसभा क्षेत्र को मिले है उसमें कुफर से महासू और सरस्वती नगर से झडासली सड़क के रख रखाव, जीर्णोद्धार एवं सड़क को दोबारा पक्का करने का प्रावधान है। किंतु स्थानीय विधायक एवम् शिक्षा मंत्री स्वयं इसका झूठा श्रेय लेने के लिए इन सड़कों के भूमि पूजन का ड्रामा रच रहे हैं जो जनता की समझ से बाहर है, जबकि स्थानीय विधायक का प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना फेस 3 के अंदर कोई भी रोल नहीं होता है और न ही विधायक की प्राथमिकता के आधार पर इन सड़कों की धनराशि को केंद्र सरकार के द्वारा जारी किया गया है, सांसद सुरेश कश्यप ने कहा कि केंद्र की मोदी सरकार ग्रामीण सड़कों के रखरखाव एवं उत्थान के लिए वचनबद्ध है और केंद्र सरकार ने प्रदेश को प्रधानमन्त्री ग्राम सड़क योजना फेस 3 में प्रदेश सरकार को 2600 करोड़ की धनराशि उपलब्ध कराई है। उन्होंने कहा की एक ओर प्रदेश सरकार के मंत्री केंद्र सरकार से बजट नहीं आने का रोना रोते है और दूसरी ओर कांग्रेस सरकार के मंत्री प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना फेस 3 के बजट से 10 साल से अधिक पुरानी ग्रामीण सड़कों पर भूमि पूजन का ड्रामा रचकर झूठा श्रेय लेकर जनता को गुमराह करने का प्रयास कर रहे है। प्रदेश की कांग्रेस सरकार अभी तक मानसूनस में बारिश से हुए सड़कों के नुकसान की भरपाई करने में पूर्णता नाकाम रही है और कई ग्रामीण सड़कों की हालात अभी तक बहुत खराब है।

■ केवल सांसद की सिफारिश पर जारी होती है धनराशि

उन्होनें कहा कि हिमाचल प्रदेश में केंद्र सरकार ने निरंतर मदद की है। इसके अंतर्गत प्रधानमंत्री सड़क योजना के 2700 करोड़ रूपये हिमाचल प्रदेश सरकार को प्राप्त हो चुके है और इसके जितने भी काम है वो हिमाचल के सांसदों द्वारा बताए जाते हैं। उसके उपरान्त सभी मेहकमे इसकी डीपीआर तैयार करने के बाद उनकी स्वीकृति प्राप्त होती है।

सांसद सुरेश कश्यप ने कहा कि जिन नेशनल हाईवे की मरम्मत का काम चल रहा है और जो नैशनल हाईवे बन चुके हैं उसके उपर 1000 करोड़ का खर्च केंद्र सरकार उठा रही हैं। हाल ही में मणिकर्ण के पास नैशनल हाइवे की मरम्मत के लिए केंद्र सरकार ने 38 करोड़ भेजें। इसी प्रकार से 12 अलग-अलग प्रकार के हेड हैं, जिसके अंदर हिमाचल प्रदेश की सड़कों के लिए पैसा प्राप्त होता है और कांग्रेस के नेताओं को केवल मात्र श्रेय लेने की आदत है और वे श्रेय लेने का पूरा प्रयास वो करते है।

उन्होनें कहा कि पैसा भी हम लाते हैं और उनके शिलान्यास भी हम ही करते हैं क्योंकि सांसद के कहने पर ही इस राशि का प्रावधान किया जाता है। जुबल कोटखाई में जितने भी फंड आये हैं वो सांसद के कहने पर आये हैं और हाल ही में 1 करोड़ की राशि जुब्बल कोटखाई के रास्तों के लिए केंद्र सरकार से प्राप्त हुई है।

अवैध शराब के साथ दो तस्कर दबोचे

रूद्रपुर, 24 नवम्बर (देशबन्धु)। शराब तस्करों के खिलाफ अभियान के तहत पुलिस अलग-अलग जगहों से दो शराब तस्करों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से बड़ी मात्रा में अवैध शराब भी बरामद की गयी है।

चैकी प्रभारी रम्पुरा केसी आर्या के नेतृत्व में पुलिस क्षेत्र में चैकिंग कर रही। पुलिस वाल्मीकि मन्दिर खेड़ा के पीछे पहुंची तो एक व्यक्तिफ कट्टे से कच्ची शराब की पन्नियाँ एक गर्क्के में डालते दिखाई दिया। पुलिस मौके पर पहुंची तो वह भाग खड़ा हुआ। पुलिस कर्मियों ने पीछा करते हुए उसे पकड़ लिया। पूछताछ करने पर उसने अपना नाम गुरचरण सिंह उर्फ चन्नी पुत्र सिंघाड़ा सिंह निवासी दूधिया नगर बताया। उसके पास मौजूद कट्टे से 58 पाऊच अवैध कच्ची शराब के बरामद हुए। टीम में अमित जोशी, महेंद्र कुमार आदि शामिल थे। इसके अलावा थाना ट्रांजिट कैंप के एएसआई भरत सिंह टीम में शामिल कांस्टेबल दिनेश चन्द्र गश्त करते हुए विवेक नगर पहुचे। जहां जरीकेन लिए खड़े एक व्यक्तिफ को पकड लिया। पूछताछ करने पर उसने अपना नाम पता अजय सिंह उर्फ अजीत सिंह निवासी बगवाड़ा क्षेत्र बताया। तलाशी लेने पर उसके पास मौजूद जरीकेन में 20 लीटर अवैध शराब बरामद हुई। पुलिस ने दोनों मामलों में शराब तस्करों को गिरफ्तार कर उनके विरूद्ध मुकदमा दर्ज कर लिया है। इधर एसआई मुकेश मिश्रा ने अमरपुर के पास डिमरी नदी किनारे समेत कई जगहों पर शराब माफियाओं के ठिकानों पर छापे मारी की।

प्रादेशिकी

मायके वालों ने ससुरालियों को मारपीट कर किया घायल

फर्रुखाबाद, 24 नवम्बर (देशबन्धु)। बीबी ने शादी के छह माह बाद दिखाया नजारा। भोजन को लेकर हुए विवाद में विवाहिता नें अपने मायके से स्वजन बुला लिए। उन्होंने घर में घुसकर जमकर मारपीट की। पुलिस नें 20 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। थाना कादरी गेट के ग्राम पपियापुर निवासी जय किशोर पुत्र अमर सिंह नें मुकदमा दर्ज कराया। जिसमे कहा कि उसका विवाह बीते 29 मई 2023 को अंजली पुत्री धनश्याम निवासी इतवारपुर सहावर कासगंज से हुआ था। 16 नवंबर को पत्नी से खाने को लेकर नोकझोंक हो गई। जिस पर अंजली नें अपने परिजनों को फोन कर दिया। उसी दिन शाम को जय किशोर व उनकी मां घर पर थे और आरोपी योगेश, शिवम पुत्र योगेश, शिवाल पुत्र योगेश, कश्मीरा देवी पत्नी योगेश निवासी मांझगांव मैनपुरी, धीरज सिंह पुत्र नवाब सिंह, सुमन लता पत्नी धीरज सिंह ने मारपीट कर दी।

हर जिले के टॉप दस अपराधियों को शीघ्र मिले गुनाहों की सजा : योगी

■ **मुख्यमंत्री ने गृह विभाग को दिए निर्देश**

■ **कोर्ट में प्रभावी पैरवी कर दिलाएं सजा**

लखनऊ, 24 नवम्बर (देशबन्धु)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गृह विभाग को हर जिले के टॉप 10 अपराधियों को कोर्ट में प्रभावी पैरवी कर कड़ी सजा दिलाने के निर्देश दिए हैं। ऐसे में, सीएम योगी के निर्देश को अमल में लाते हुए प्रमुख सचिव (गृह) ने सभी जनपदों के जिलाधिकारियों, एसपी व पुलिस कमिश्नरों को पत्र जारी करते हुए कहा है कि वे अपने-अपने जनपद के टॉप-10 अपराधियों को सजा दिलाने के लिए कोर्ट में प्रभावी पैरवी सुनिश्चित कराएं।

इसके साथ ही, उन्होंने कार्रवाई से शासन को अवगत कराने के निर्देश दिये हैं ताकि इसकी नियमित समीक्षा कर मुख्यमंत्री के समक्ष रिपोर्ट प्रस्तुत की जा सके। प्रमुख सचिव गृह संजय प्रसाद ने सभी अधिकारियों को अपने-अपने जिले के चिन्हित टॉप-10 अपराधियों को सजा दिलाने के लिए कोर्ट में शत-प्रतिशत गवाहों की उपस्थिति कराने, गवाही कराने व प्रभावी पैरवी सुनिश्चित कराने के निर्देश दिये हैं, ताकि उन्हे सलाखों के पीछे भेजा जा सके। उन्होंने प्रदेश के 46 जिलों द्वारा टॉप-10 अपराधियों को दोषसिद्ध कराने को लेकर रुचि न लेने पर नाराजगी जाहिर करते हुए शासन के आदेशों का पालन कड़ाई से करने का निर्देश दिया है। मालूम हो कि अभियोजन निदेशालय द्वारा 25 मार्च 2022 से लेकर 31 अक्टूबर 2023 तक सिद्धार्थनगर में 7, मेरठ में 6, कौशाम्बी में 6, उन्नाव में 4, रायबरेली में 4, अयोध्या में 4, प्रयागराज में 3, हापुड़ में 3, देवरिया में 4, लखनऊ में 3, बलरामपुर में 2, कन्नौज में 2, इटावा में 2, गौतमबुद्धनगर में 102, फतेहपुर में 2, मुरादाबाद में 2, ललितपुर में 2, जालौन में 2, अमेठी में 2 सजा कराई गई है। इसी तरह कुशीनगर, अम्बेडकरनगर, महाराजगंज, सीतापुर, बिजनौर, बदांयू, कुशीनगर, जौनपुर, बस्ती, एटा द्वारा 1-1 सजा कराई गई।

मुख्यमंत्री ने रामलला व हनुमानगढ़ी दरबार में टेका मत्था

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शुक्रवार को एक दिवसीय दौरे पर अयोध्या पहुंचे। राम कथा पार्क हेलीपैड से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सीधे? हनुमानगढ़ी पहुंचे। वहां पहुंचकर हनुमानजी की आरती उतारी और दर्शन पूजन किया। उसके बाद श्रीराम लला के दर्शन-पूजन कर देश-प्रदेशवासियों के कल्याण व सुख-समृद्धि की कामना की। रामलला के दर्शन के उपरांत मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राम मंदिर निर्माण की प्रगति का हाल जाना। यहां श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के सदस्यों ने मुख्यमंत्री को मंदिर निर्माण से जुड़ी जानकारी दी। बता दें कि एक महीने के अंदर मुख्यमंत्री ने तीसरी बार रामलला एवं हनुमानगढ़ी का दर्शन पूजन किया।

योगी सरकार ने घटाया एसी बसों का किराया

लखनऊ। शीतकाल में बसों के लोड फैक्टर को देखते हुए योगी सरकार ने किराए में कमी करने का निर्णय लिया है। शरद ऋतु में लोड फैक्टर में संभावित गिरावट व वातानुकूलन संयंत्र के कार्यशील न रहने के कारण परिवहन निगम को किराए में कमी के निर्देश दिए गए हैं। इस निर्णय से बड़ी संख्या में बसों में यात्रा करने वाले यात्रियों को सुविधा मिलेगी।

16 दिसम्बर 2023 से 28 फरवरी 2024 तक प्रभावी रहेंगी संशोधित दरें

संशोधित दरें 16 दिसम्बर 2023 से 28 फरवरी 2024 तक लागू रहेंगी। उत्तर प्रदेश के परिवहन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दया शंकर सिंह ने बताया कि वातानुकूलित सेवाओं को भी लाभप्रद बनाए जाने के दृष्टिगत यह निर्णय लिया गया है।

आजीविका मिशन के विभिन्न कैडरों के मानदेय का भुगतान समय से हो : केशव मौर्य

लखनऊ, 24 नवम्बर (देशबन्धु)। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने ग्राम्य विकास विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के विभिन्न कैडरों के कर्मचारियों के मानदेय का भुगतान समय से किया जाय। स्वयं सहायता समूहों के सभी लक्षित परिवारों की फीडिंग निर्धारित समय सीमा के अन्दर सखी ऐप पर करायी जाय।

लखपति महिला के लक्ष्यों को समय से हासिल किया जाए और मनरेगा श्रमिकों, प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण व मुख्यमंत्री आवास योजना -ग्रामीण के लाभार्थियों को नियमानुसार स्वयं सहायता समूहों से जोड़ा जाय। उप मुख्यमंत्री के इन निर्देशों के क्रम में उत्तर प्रदेश शासन, ग्राम्य विकास विभाग द्वारा सभी जिलाधिकारियों/मुख्य विकास अधिकारियों को इस सम्बन्ध में व्यापक दिशा निर्देश जारी किए गए हैं।

जारी दिशा निर्देशों में कहा गया है कि ग्रामीण आजीविका मिशन के विभिन्न कैडरों के मानदेय का भुगतान योजनाओ की विधिवत समीक्षा करते हुये किया जाए । समीक्षा कर जनपदों में उपलब्ध धनराशि का अविलम्ब व्यय एवं मुख्यालय भेजी जाने

■ **स्वयं सहायता समूहों के सभी लक्षित परिवारों की फीडिंग सखी ऐप पर कराई जाए**

■ **लखपति महिला के लक्ष्यों को समय से हासिल किया जाए**

वाली मांग का प्रेषण सुनिश्चित कराया जाये वित्तीय वर्ष 2023-24 में जनपद हेतु आवंटित हाउस होल्ड सेचुरेशन के लक्ष्य को अभियान चलाकर पूर्ण किया जाये तथा प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के लाभार्थी परिवारों के पात्र महिला सदस्यों को, जो स्वयं सहायता समूहों में नहीं जुड़े हैं उन्हें अभियान चलाकर कन्वर्जेस ऐप के माध्यम से जोड़ा जाए। इसी के साथ मनरेगा एवं मुख्यमंत्री आवास योजना के अवशेष पात्र परिवारों की महिलाओं को स्वयं सहायता समूहों से जोड़ा जाये स्वयं सहायता समूहों के सीसीएल बैंक लिंकजेज में लम्बित पडी पत्रावलियों को बैंक के माध्यम से ऋण दिलाना सुनिश्चित कराया जाये। लखपति महिला कार्यक्रम में अवशेष लक्ष्य को पूर्ण करने हेतु त्वरित कार्यवाही करने की आवश्यकता पर जोर दिया गया है। जारी निर्देशो में कहा गया है कि परिवार संतृप्तीकरण (हाउस होल्ड सेचुरेशन) उप्र राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन का एक महत्वपूर्ण घटक है। प्रदेश स्तर पर जिन परिवारों को योजना से जोडना शेष है, इसकी समीक्षा कर लक्ष्य की पूर्ति सुनिश्चित कराई जाये। इसमें मनरेगा श्रमिकों एवं पीएमएवाई लाभार्थियों को जोड़ने का भी अभियान चलाया जा रहा है। यह आंकडा उन पोर्टलों से सीधा सखी ऐप पोर्टल में आ जायेगा। यह योजना भी परिवार संतृप्तीकरण में मदद करेगी। अत: इसकी भी गहन समीक्षा सुनिश्चित कराई जाए। भारत सरकार द्वारा दिए गए निर्देशों के अनुसार ब्लाक लॉगिन से सूची प्राप्त कर डीएमएमयू स्तर पर कमान्ड/कॉल सेन्टर का उपयोग करते हुए फीडिंग हेतु बड़ी पंचायतों का चिन्हीकरण किया जाये और उसकी गहन समीक्षा करके उनकी फीडिंग की गति को अपेक्षित लक्ष्य के अनुसार ई-बुक कीपर / बीएमएम के माध्यम से फीडिंग कराई जाए।

बैंक ऑफ बड़ौदा ने मेगा किसान मेले का आयोजित

मेरठ, 24 नवम्बर (देशबन्धु)। शुक्रवार को बैंक ऑफ बड़ौदा ने भारतीय कृषि अर्थव्यवस्था पर केंद्रित एक पखवाड़े तक चलने वाले बैंक के वार्षिक संपर्क कार्यक्रम बड़ौदा किसान पखवाड़ाश् के छठे संस्करण के अंतर्गत बैंक के बरेली अंचल द्वारा सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में एक मेगा किसान मेले का आयोजन किया। किसानों से जुड़ाव के लिए समर्पित यह कार्यक्रम 16 नवम्बर से शुरू होकर 30 नवम्बर को बड़ौदा किसान दिवस समारोह के साथ सम्पन्न होगा। बैंक ने विभिन्न आउटरीच कार्यक्रमों के माध्यम से बड़ौदा किसान पखवाड़ा के दौरान बरेली अंचल में 80,000 किसानों तक पहुंचने का लक्ष्य रखा है। बरेली अंचल में मेरठ, आगरा, बरेली, मुरादाबाद और शाहजहांपुर सहित उत्तर प्रदेश का पश्चिमी भाग शामिल है। मेले का उद्घाटन बैंक ऑफ बड़ौदा के कार्यपालक निवेशक लाल सिंह और बैंक ऑफ बड़ौदा के बरेली बंचल के महाप्रबंधक और अंचल प्रमुख एम. अनिल ने किया। लाल सिंह ने बताया कि बैंक ऑफ बड़ौदा के पास कृषक ग्राहकों का एक मजबूत आधार है और हम कृषि क्षेत्र को सेवा प्रदान करने वाले अग्रणी बैंकों में से एक है। हमें मेरठ में इस विशाल किसान मेले का आयोजन करते हुए खुशी हो रही है। उत्तर प्रदेश के बरेली अंचल की, 350 से अधिक शाखाएं इस वर्ष के बड़ौदा किसान पखवाड़े में भाग ले रही है। हम किसान बैठकें, चौपाल और किसान मेले जैसे कई कार्यक्रम आयोजित कर रहे हैं जो हमें कृषक समुदाय के साथ संपर्क बढ़ाने और हमारे सम्मानित कृषक ग्राहकों की बैंकिंग और उनकी वित्तपोषण संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करने में मदद करेंगे।

कुख्यात गैंगस्टर गिरफ्तार

फर्रुखाबाद, 24 नवम्बर (देशबन्धु)। शहर कोतवाली पुलिस ने गैंगस्टर के तहत कुख्यात बालू खनन माफिया अभियुक्त सर्वोत्तम को गिरफ्तार किया तथा उसके अन्य साथियों की धर पकड़ के लिए दविशे देना शुरू की गई। पुलिस सूत्रों ने शुक्रवार को बताया कि मुखबिर की सूचना पर फर्रुखाबाद कोतवाली प्रभारी निरीक्षक अनिल कुमार चौबे ने अपने दलबल के साथ आज प्रात: कोतवाली क्षेत्र के ग्राम देवरामपुर रेलवे क्रॉसिंग के समीप अपराध एवं अपराधियों की धर पकड़ के लिए चेकिंग कर रहे थे तो इसी दौरान अभियुक्त सर्वोत्तम निवासी ग्राम डुडियापुर थाना नवाबगंज जनपद फर्रुखाबाद को धर दबोचा गया।

केनरा बैंक ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान में नेशनल डायरेक्टर-एनएसीओर बेंगलुरु द्वारा निरीक्षण किया गया। उनके साथ निदेशक एनएसीईआर एवं स्टेट डायरेक्टर आदि ने संस्थान के प्रशिक्षणर्थियों को प्रमाण पत्र वितरित किए। उन्होंने संस्थान को और बेहतर कार्य करने के लिए प्रेरित किया। इस मौके पर आरसेटी डायरेक्टर विवेक सुकृष्ण, एलडीएम एसके मजूमदार, माधुरी शर्मा, रमेश जोशी मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

-फोटो देशबन्धु

गंगा मेले में लगाया पिंक बूथ, वृहद स्वास्थ्य शिविर

मेरठ, 24 नवम्बर (देशबन्धु)। राष्ट्रीय राजमार्ग बाईपास स्थित श्री वेंकटेश्वरा विश्वविद्यालय/संस्थान एवं वीजीआई मेरठ के संयुक्त तत्वावधान में ऐतिहासिक गंगा मेले में गंगा घाट पर महिला सशक्तिकरण की दिशा में पिंक बूथ यानी महिला घाट का शुभारंभ किया गया। इसके साथ ही संस्थान के पदाधिकारियो ने गंगा तट के किनारे पर दो किलोमीटर लंबा क्लीन ड्राइव चलाकर क्लीन इंडिया ग्रीन इंडिया का संदेश दिया। संस्थान की महिला शिक्षिकाओं एवं छात्राओं ने महिला सशक्तिकरण के बल पर बढ़ता भारत विषय पर बहुत ही शानदार नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत कर खूब तालियां बटोरी। इस अवसर पर अपने संदेश में समूह अध्यक्ष डॉ. सुधीर गिरि ने कहा की लिए हम सब मिलकर सघन स्वच्छता अभियान चलाकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के क्लीन इंडिया ग्रीन इंडिया नमामि गंगे, एवं पॉलीथिन मुक्त भारत अभियान को मजबूती प्रदान करें। इस अवसर पर संस्थान प्रबंधन की ओर से प्रति कुलाधिपति डॉ.राजीव त्यागी के नेतृत्व में मेले में आए हजारों श्रद्धालुओं एवं स्थानीय दुकानदारों को 10 हजार इको फ्रेंडली बैग वितरित कर ऐतिहासिक गंगा मेले को पूरी तरह पॉलिथीन मुक्त बनाने का आवाहन किया गया। आज के कार्यक्रम में विश्वविद्यालय की ओर से प्रधान सलाहकार डॉ.वीपीएस अरोड़ा, सीईओ अजय श्रीवास्तव, कुलसचिव डॉ. पीयूष पांडे, डॉ. राजेश सिंह, डॉ. दिव्या गिरिधर, डॉ. सीपी सिंह, डॉ. शरद सचान, डॉ. शरद चौधरी, एस एस बघेल, अरुण गोस्वामी, देव प्रताप सिंह, एडिशनल एसपी सेवानिवृत्ति रमेयश सिंह, सीओ गुरदयाल सिंह, आनंद नगर, डॉ. स्नेहलता गोस्वामी, अनुषा कर्नवाल, आशी नायर, मेरठ परिसर निदेशक डॉ. प्रताप सिंह, मीडिया प्रभारी विश्वास राणा आदि लोग उपस्थित रहे।

■ **श्री वेंकटेश्वरा विवि व वीजीआई के संयुक्त तत्वाधान में गंगा स्वच्छता अभियान चलाया**

■ **पॉलीथिन मुक्त भारत के सपने को करें साकार : डॉ.सुधीर गिरी**

■ **दो किलोमीटर लंबा क्लीन ड्राइव चलाकर क्लीन इंडिया ग्रीन इंडिया का दिया संदेश**

■ **दुकानदारों को 10 हजार इको फ्रेंडली बैग वितरित**

कृषि के क्षेत्र में रोजगार की अपार संभावनाएं : प्रो.सहदेव सिंह

■ **छात्रों के कृषि में भविष्य के अवसरों पर कार्यशाला का आयोजन**

■ **महत्व पर एक विस्तृत दी गई प्रस्तुतियां**

मेरठ, 24 नवम्बर (देशबन्धु)। कृषि में करियर संभावनाओं के बारे में छात्रों को जागरूक करने के लिए, स्कूल ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेज एंड टेक्नोलॉजी ने यूनिवर्सिटी आउटरीच सेल के साथ, शोभित डीम्ड यूनिवर्सिटी, मेरठ ने, छोटू राम इंटर कॉलेज, मुजफ्फरनगर के छात्रों के लिए 12वीं के बाद कृषि में भविष्य के अवसरों पर एक कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यक्रम की शुरुआत डॉ. सोनम आर्य द्वारा छात्रों और अतिथियों के स्वागत के साथ कार्यक्रम की रूपरेखा बताकर की गई। इसके उपरान्त, कृषि विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के निदेशक प्रोफेसर (डॉ.) सहदेव सिंह द्वारा कृषि क्षेत्र में विभिन्न कैरियर अवसरों के साथ कृषि के महत्व पर एक विस्तृत प्रस्तुति दी गई। बाद में छात्रों ने विश्वविद्यालय में उपलब्ध अन्य सुविधाओं के साथ ग्रीन हाउस, मशरूम उत्पादन इकाई, टेक्नोलॉजी बिजनेस इनक्यूबेटर लैब, हाइड्रोपोनिक्स, फसल उत्पादन इकाई, कृषि क्षेत्र, प्लांट टिशू कल्चर लैब और कृषि विज्ञान स्कूल की अन्य प्रयोगशालाओं का दौरा किया। छात्र कृषि अपशिष्ट सामग्री का उपयोग करके कागज बनाने के व्यावहारिक अभ्यास में भी शामिल हुए और भूमि के बेहतर उपयोग के लिए मिट्टी परीक्षण के बारे में भी सीखा। कार्यक्रम के अंत में प्रो देविंदर नारायण, वरिष्ठ निदेशक मानव संसाधन और कॉर्पोरेट रिलेशन और प्रो पी.के. गोयल, निदेशक, स्कूल ऑफ लॉ एंड कॉन्स्टिट्यूशनल स्टडीज ने कार्यशाला के सफल समापन पर प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किए। कार्यक्रम एक सकारात्मक नोट पर संपन्न हुआ, जिसमें छात्र नए ज्ञान और उद्देश्य की भावना के साथ कृषि के उपजाऊ क्षेत्र में अपने भविष्य के करियर के बीज बोने के लिए तैयार थे। सहायक प्रोफेसर डॉ. सोनम आर्य ने धन्यवाद प्रषित किया।

सीसीएसयू अन्तर्महाविद्यालय मुक्केबाजी प्रतियोगिता आयाजित

मेरठ, 24 नवम्बर (देशबन्धु)। एनएएस कॉलेज द्वारा आयोजित करायी गयी चौ. चरण सिंह विश्वविद्यालय अन्तर्महाविद्यालय, मुक्केबाजी (महिला एवं पुरुष) प्रतियोगिता का समापन किया गया। प्रतियोगिता के अन्तिम दिन विभिन्न वर्ग भार में महिला एवं पुरुष खिलाड़ियों की नॉक आउट बाउट मैच हुए। उसके बाद सेमी फाईनल और फाईनल बाउट सम्पन्न कराई गई। पुरुष वर्ग में मेरठ कॉलेज, मेरठ प्रथम स्थान पर रहा, जबकि जेवी कॉलेज बडौत दूसरे स्थान पर रहा। महिला वर्ग में एनएएस कॉलेज मेरठ प्रथम व एसपीसी कॉलेज, बागपत ने दूसरा स्थान प्राप्त किया। मुख्य अतिथि व विशिष्ट अतिथि महाविद्यालय प्रबन्ध समिति के अवैतनिक सचिव अमित कुमार शर्मा एवं प्राचार्य प्रो. मनोज कुमार अग्रवाल, उपप्राचार्य प्रो. सुनील कुमार शर्मा द्वितीय, डा. संजय कुमार, क्रीड़ा सचिव ने प्रतियोगिता के प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त खिलाड़ियों को मैडल भेंट कर तथा विजेता एवं उपविजेता टीमों को ट्राफी प्रदान करके किया। समारोह में विश्वविद्यालय पर्यवेक्षक के रूप में डा. भीष्म सिंह, प्रो. अनिल मिश्रा, आयोजन सचिव डा. शिवा भारद्वाज, विभागाध्यक्ष शारीरिक शिक्षा, डा. मनोज कुमार, शारीरिक शिक्षा, डा. राघवेन्द्र भारद्वाज, डा. कपिल, डा. विवेक त्यागी, डा. चन्दन उपाध्याय, डा. प्रफुल राठी, विजित कुमार, डा. सुनील ढाका, तथा विभिन्न कॉलेजों से आये टीम मैनेजर कोच के साथ-साथ निर्णायक मण्डल में राजेन्द्र सिंह, अमरदीप संजीव कुमार, प्रवीण कुमार, राजन, कु. ज्योति, एससी शर्मा ने निर्णायक मण्डल की भूमिका निभाई।

■ **महिला वर्ग में एनएएस कॉलेज की टीम ने लहराया परचम**

■ **पुरूष वर्ग में मेरठ कॉलेज का रहा दबदबा**

■ **विजेता एवं उपविजेता टीमों को दी गई ट्राफी**

प्रतियोगिता में अहम रही इनकी रही भूमिका

सर्वश्रेष्ठ बॉक्सर पुरुष श्रेणी : सिद्धार्थ मेरठ कॉलेज मेरठ
सर्वश्रेष्ठ बॉक्सर महिला श्रेणी : हर्षिता एमएम मोदीनगर
सर्वश्रेष्ठ प्रोत्साहन बॉक्सर पुरुष श्रेणी : रितिक एमएमएच गाजियाबाद
सर्वश्रेष्ठ प्रोत्साहन बॉक्सर महिला श्रेणी : शिखा एमएम कॉलेज, मोदीनगर

ऊर्जा मंत्री ने किया हॉट कुक्ड फूड योजना का शुभारम्भ

मेरठ, 24 नवम्बर (देशबन्धु)। शुक्रवार को प्राथमिक विद्यालय फफूंडा, विकास खण्ड मेरठ के परिसर में स्थिति आंगनवाड़ी केंद्र पर डा. सोमेन्द्र तोमर, राज्य मंत्री (ऊर्जा एवं अतिरिक्त ऊर्जा विभाग) ने 3 वर्ष से 6 वर्ष के बच्चों के लिए संचालित हॉट कुक्ड फूड योजना का शुभारम्भ किया। इस मौके पर आंगनबाड़ी केंद्र पर 3 वर्ष से 06 वर्ष के 35 बच्चों को गर्म पका भोजन का वितरण किया गया। वहीं कायाकल्प के अन्तर्गत चयनित लर्निंग लैब का भी शिलान्यास किया गया। जनपद में 2076 आंगनबाड़ी केन्द्र संचालित हैं 3 वर्ष से 6 वर्ष के कुल 41749 बच्चें हॉट कुक्ड योजना से लाभान्वित होंगे। 1 दिसम्बर से समस्त आंगनबाड़ी केंद्रों पर हॉट कुक्ड फूड का संचालन किया जाएगा। कार्यक्रम में मुख्य विकास अधिकारी, जिला कार्यक्रम अधिकारी, ब्लॉक प्रमुख, ग्राम प्रधान जिला पंचायत सदस्य, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, खण्ड विकास अधिकारी, बाल विकास परियोजना अधिकारी, मुख्य सेविकाओं एवं आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों द्वारा प्रतिभाग किया गया।

संभाग युवा वर्ग शास्त्रीय गायन वादन व नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन

■ **सुभारती में गुंजायमान हुआ युवा वर्ग शास्त्रीय गायन वादन व नृत्य**

■ **निर्णायक मंडल में देश के सुप्रसिद्ध कलाकारों ने शिरकत की**

■ **प्रतिभागियों को उपहार देकर सम्मानित किया**

■ **लखनऊ में कड़ी प्रतिस्पर्धा के लिए आमंत्रित होंगे विजेता**

मेरठ, 24 नवम्बर (देशबन्धु)। उत्तर प्रदेश संगीत नाटक अकादमी, संस्कृति मंत्रालय के तत्वावधान में स्वामी विवेकानंद सुभारती विश्वविद्यालय के परफॉरमिंग आर्टस विभाग, ललित कला संकाय में मेरठ संभाग युवा वर्ग शास्त्रीय गायन वादन व नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन सत्यजीत रे प्रेक्षाग्रह में हुआ। प्रतियोगिता में मेरठ व अन्य क्षेत्रों मे आये युवा कलाकारों की ख्याल, तराना, रुपद धमार, ठुमरी, गजल, तबला व कथक नृत्य की प्रतियोगिता 20 से 25 वर्ष के प्रतियोगियों की प्रतियोगिता हुई । इस प्रतियोगिता में कथक नृत्य के निर्णायक लखनऊ की सुप्रसिद्ध नृत्यांगना गुरु पंडित रहे। प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में देश के सुप्रसिद्ध कलाकारों ने शिरकत की। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भारतीय जनता पार्टी की सांस्कृतिक प्रकोष्ठ की अध्यक्ष नीता गुप्ता रही।

सुभारती विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ जी.के.थपलियाल एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ शल्या राज ने कार्यक्रम की सफ्लता हेतु अपनी शुभकामनाएं दी। उन्होंने सभी प्रतिभागियों का उत्साह वर्धन किया। लखनऊ से सुप्रसिद्ध कथक नृत्यांगना प्रो.कुमकुम धर, कानपुर से सुप्रसिद्ध रुपद धमार गायक प0 विनोद कुमार द्विवेदी व वादक के निर्णायक के रुप में लखनऊ से डॉ पवन तिवारी रहे। प्रतियोगिता को प्रतिभागियों ने कड़ी चुनौती के साथ इस स्पर्धा को पूर्ण किया । कथक नृत्य में प्रथम स्थान विवि की छात्रा रिया मल्होत्रा को प्रथम स्थान प्राप्त हुआ, द्वितीय स्थान परा आयुश्री व तेजस्वी और तृतीय स्थान पर अंकित राजपूत रहे । गायन विद्या के निर्णायक के रूप में पंडित विनोद कुमार द्विवेदी ने अपने कुशल निर्णय देकर प्रतिभागियों का चयन किया। विनोद कुमार जी ध्रुपद के जाने-माने प्रतिष्ठित कलाकार होने के साथ ही आईसीसीआर एवं दूरदर्शन के वरिष्ठ कलाकार भी हैं यह उत्तर प्रदेश संगीत नाटक अकादमी से भी पुरस्कृत हैं । ध्रुपद धमार में मेरठ प्रांत की ऐश्वर्या सिंह को प्रथम स्थान प्राप्त हुआ। ख्याल गायन में विवि की आलिम खान ने वृंदावनी सारंग गाकर अपनी गाय की छाप से निर्णायक मंडल को खुश कर प्रथम स्थान प्राप्त किया एवं मिश्रा पहाड़ी में सुप्रसिद्ध ठुमरी आज हूं ना आए सजनिया श्याम मेरे सुन कर द्वितीय स्थान पर अपना अधिकार जमाया। द्वितीय स्थान विवेक मिश्रा एवं तृतीय स्थान ऐश्वर्या सिंह ने प्राप्त की। ठुमरी दादरा गायन शैली के अंतर्गत प्रथम स्थान विवेक मिश्रा द्वितीय स्थान आलिया खान एवं तृतीय स्थान अलीम खान ने प्राप्त किया। इन सभी प्रतियोगिताओं में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले प्रतियोगियों को पुन: लखनऊ में कड़ी प्रतिस्पर्धा के लिए पुन: आमंत्रित किया जाएगा। जिसमें सभी 18 संभागों से चयनित प्रथम पुरस्कृत प्रतिभागियों की प्रतियोगिता होगी।

एकमुश्त समाधान योजना से अब तक साढ़े आठ लाख पंजीकरण, 680 करोड़ की वसूली

लखनऊ, 22 नवम्बर (देशबन्धु)। उपभोक्ताओं को बिजली बिल की बकाया राशि के भुगतान में राहत देते हुए योगी सरकार ने 8 नवम्बर को एकमुश्त समाधान योजना (ओटीएस) की शुरुआत की थी। उपभोक्ताओं के बीच यह योजना हिट रही है और प्रतिदिन लाखों लोग इस योजना से जुड़ रहे हैं। अब तक इसके तहत साढ़े आठ लाख उपभोक्ताओं ने योजना का लाभ लेने के लिए रजिस्ट्रेशन कराया है। यही नहीं, इस योजना के तहत प्रदेश सरकार ने अब तक 680 करोड़ रुपए के राजस्व की वसूली कर ली है। योजना के तहत दो तरह के लोग इसका लाभ ले रहे हैं। एक ओटीएस नॉर्मल और दूसरा ओटीएस थेफ्ट (जिन पर बिजली चोरी का बकाया है)। यह योजना 8 नवंबर से 31 दिसंबर 2023 तक कुल 54 दिनों तक तीन खंडों में चलेगी। इस योजना का पहला चरण 8 से 30 नवंबर, दूसरा चरण 1 दिसंबर से 15 दिसंबर तथा तीसरा चरण 16 दिसंबर से 31 दिसंबर तक चलेगा। खास बात ये है कि जो उपभोक्ता जल्दी आएंगे, वो ज्यादा लाभ पाएंगे। खासतौर पर 30 नवम्बर तक पंजीकरण कराने वाले उपभोक्ताओं को ज्यादा लाभ मिलेगा। उत्तर प्रदेश पावर कॉर्पोरेशन लि. (यूपीपीसीएल) के अध्यक्ष डॉ. आशीष गोयल के अनुसार, इस योजना को लेकर सभी डिस्कॉम्स में लोगों के बीच उत्साह देखा जा रहा है। पहले चरण में ही 8.5 लाख लोगों का रजिस्ट्रेशन कराना इसका उदाहरण है। प्रतिदिन लाखों लोग योजना से जुड़कर अपने बकाये का एकमुश्त समाधान करा रहे हैं।

30 नवम्बर तक योजना में रजिस्ट्रेशन कराने वालों को मिलेगा सर्वाधिक लाभ

गया में हास्य कवि सम्मेलन 26 को

गया। बिहार के गया शहर में 26 नवम्बर को हास्य कवि सम्मेलन आयोजित किया गया है। सुर सलिला न्यास गयाजी के द्वारा रविवार को शहर के चांदचौरा मोहल्ले में अवस्थित सिजुआर भवन के परिसर में आयोजित कवि सम्मेलन में देश के नामचीन कवि अपनी कविता पाठ कर लोगों को गुदगुदाएंगे। आयोजक सह प्रसिद्ध संगीतकार राजन सिजुआर ने शुक्रवार को यहां बताया कि हास्य कवि सम्मेलन में प्रयागराज से अखिलेश द्विवेदी, बनारस से दमदार बनारसी, पुणे से निधि गुप्ता कशिश और जमशेदपुर से अंकिता सिन्हा मुख्य रूप से काव्य पाठ करेगी। हास्य कवि सम्मेलन के मुख्य अतिथि के रूप में दक्षिण बिहार केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर कामेश्वर नाथ सिंह उपस्थित रहेंगे।

रात की खराब नींद के बावजूद मस्तिष्क को स्वस्थ रखता है 20 मिनट का व्यायाम

आंशिक नींद की कमी के बाद और हाइपोक्सिया के साथ मानसिक विकास में भी सुधार

लंदन, 24 नवम्बर (एजेंसियां)। एक शोध से यह बात सामने आई है कि अगर आपने रात में अच्छी नींद नहीं ली है, तो केवल 20 मिनट का व्यायाम आपके मस्तिष्क को स्वस्थ रख सकता है। पोर्ट्समाउथ विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं के नेतृत्व में किए गए अध्ययन से पता चला है कि नींद, ऑक्सीजन का स्तर और व्यायाम हमारी मानसिक कार्य करने की क्षमता को कैसे प्रभावित करते हैं।

टीम ने पाया कि मध्यम तीव्रता वाले व्यायाम से सोचने की क्षमता में सुधार होता है, चाहे किसी व्यक्ति की नींद की स्थिति या ऑक्सीजन का स्तर कुछ भी हो।

यूनिवर्सिटी के स्कूल ऑफ स्पोर्ट हेल्थ एंड एक्सरसाइज साइंस (एसएचईएस) के जो कॉस्टेलो ने कहा कि हम मौजूदा शोध से जानते हैं कि ऑक्सीजन का स्तर कम होने पर भी व्यायाम हमारे सोचने की क्षमता को बेहतर बनाता है लेकिन यह पहला अध्ययन है जो सुझाव देता है कि पूर्ण और आंशिक नींद की कमी के बाद और हाइपोक्सिया के साथ यह मानसिक विकास में भी सुधार करता है। उन्होंने कहा कि व्यायाम और इन तनावों के बीच संबंधों के बारे में हम जो जानते हैं, उसमें ये निष्कर्ष महत्वपूर्ण रूप से जुड़ते हैं और इस संदेश को सुदृढ़ करने में मदद करते हैं कि व्यायाम शरीर और मस्तिष्क के लिए दवा है।

फिजियोलॉजी एंड बिहेवियर में प्रकाशित अध्ययन में दो प्रयोग शामिल थे, प्रत्येक में 12 प्रतिभागी (कुल 24) थे। पहले में किसी व्यक्ति के संज्ञानात्मक प्रदर्शन पर आंशिक नींद की कमी के प्रभाव को देखा गया, और दूसरे ने कुल नींद की कमी और हाइपोक्सिया के प्रभाव की जांच की। दोनों में सभी प्रतिभागियों ने 20 मिनट की साइकिलिंग के बाद मानसिक विकास प्रदर्शन में सुधार का अनुभव किया। कॉस्टेलो ने कहा कि क्योंकि हम व्यायाम को एक सकारात्मक हस्तक्षेप के रूप में देख रहे थे, इसलिए हमने अनुशंसित मध्यम तीव्रता वाले एक्सरसाइज का उपयोग करने का निर्णय लिया। यदि व्यायाम अधिक लंबा या कठिन होता तो इसके नकारात्मक परिणाम बढ़ सकते हैं और यह स्वयं तनाव का कारण बन सकता था। पहले प्रयोग में व्यक्तियों को तीन दिनों में रात में केवल पांच घंटे सोने की अनुमति दी गई थी। प्रत्येक सुबह उन्हें आराम करने के लिए और फिर साइकिल चलाने के दौरान सात कार्य दिए गए। उन्हें कार्य पूरा करने से पहले अपनी नींद और मनोदशा का मूल्यांकन करने के लिए भी कहा गया। परिणामों से पता चला कि कार्यों पर तीन रातों की आंशिक नींद का प्रभाव असंगत था। पेपर में कहा गया है कि इसका स्पष्टीकरण यह हो सकता है कि कुछ लोग हल्की या मध्यम नींद की कमी के प्रति अधिक लचीले होते हैं।

दिल टूटने की कहानी कहता है विशाल मिश्रा, श्रेया घोषाल का सिंगल ट्रैक 'एक मुलाकात'

मुंबई, 24 नवम्बर (एजेंसियां)। गायक विशाल मिश्रा और श्रेया घोषाल का नवीनतम ट्रैक 'एक मुलाकात' अटूट प्यार और दिल टूटने की थीम पर आधारित है। गाना अभिषेक मल्हान और साक्षी मलिक पर फिल्माया गया है। विशाल और श्रेया के बीच का स्वर सामंजस्य सबसे अच्छा है।

विशाल का अपना गायन जमीन से जुड़ा हुआ है। जबकि श्रेया अपने बेहतरीन नोट्स प्रस्तुत करती हैं। साथ में, ये दो अलग आवाजें एक अनोखा स्वाद पैदा करती हैं जो अविश्वसनीय रूप से रोमांटिक और भावनात्मक है। जावेद मोहसिन की संगीत जोड़ी की रचना भी बहुत सराहनीय है क्योंकि संगीत के बिना गायन अधूरा है। जहां गायक एक-दूसरे की खूबियों को समझते हैं, वहीं संगीतकार जोड़ी अपने स्वरों के विरोधाभासों का भरपूर उपयोग करना जानती है और इस प्रकार ऐसे उपकरण उपलब्ध कराती है जो उनकी दोनों आवाजों के लिए समान रूप से अनुकूल हों।

अभिषेक और साक्षी अभिनीत संगीत वीडियो में दोनों युवा प्रेमी रोमांस का आनंद लेते नजर आते हैं।

भूकंप की आहट को लेकर वैज्ञानिकों का अध्ययन

आयन मंडल पर कान लगाने से लग सकती है भूकंप की आहट

नई दिल्ली, 24 नवम्बर (एजेंसियां)। भारत के भूकंप वैज्ञानिकों को लगा है कि भूकंप के केंद्र के आस-पास की सूक्ष्म गतिविधियों की झलक धरती से 80 किलोमीटर से 600 किलोमीटर ऊपर के आयन मंडल में मिल सकती है और इन पर निगाह रखने से भूकंप आने की आहट लगायी जा सकती है।

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने इस संबंध में अध्ययनों के हवाले से कहा है कि भूकंप के स्रोत की अपेक्षाकृत छोटी प्रक्रियाओं तक का भी, आयनमंडल में प्रतिबिंब झलकता है। इस अवधारणा के सत्यापन के लिए वैज्ञानिकों ने तुर्की-सीरिया सीमा के पास दक्षिणी तुर्की में फरवरी में आये 7.8 तीव्रता के विनाशकारी भूकंप पर अध्ययन किया। यह भूकंप खगोलीय पिंड के आवरण में विचलन की धरती पर दर्ज की गई सबसे बड़ी घटनाओं में से एक है। यह झलक भू-चुंबकीय बदलावों तथा और स्थान विशेष की रैखिक ज्यामिति जैसे कारकों के साथ-साथ अंतरिक्ष में व्याप्त आयन मंडल के विक्षोभों (सीआईपी) के आयाम और अवधि को प्रभावित करती हैं। वैज्ञानिकों का मानना है कि यह खोज अंतरिक्ष से भूकंप स्रोत प्रक्रियाओं का अवलोकन करने तथा अंतरिक्ष-आधारित अवलोकनों का उपयोग करके भूकंप की आहट लगाने का मार्ग प्रशस्त कर सकती है। वैज्ञानिकों का कहना है कि खगोलीय पिंडों के वाह्य आवरण की ऊर्ध्वाधर हलचलें वायुमंडल में ध्वनिक तरंगें (एडब्ल्यू) पैदा करती हैं, जो आयन मंडल तक पहुंचती हैं। इन विक्षोभों से ग्राउंड ग्लोबल नेविगेशन सेटेलाइट सिस्टम (जीएनएसएस) रिसीवर और उपग्रहों को जोड़ने वाली लाइन-ऑफ-साइट के साथ इलेक्ट्रॉनों की संख्या में गड़बड़ी पैदा होती है। इन विक्षोभों को आकाशीय आयन मंडल के व्यवस्था क्रम में विक्षोप या पर्टर्बेशन (सीआईपी) कहा जाता है। यह विक्षोभ सामान्यत: पिंड के आवरण स्रोत के 500-600 किमी के भीतर होता है।

■ **विक्षोभ सामान्यत: पिंड के आवरण स्रोत के 500-600 किमी के भीतर**

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग की रिपोर्ट में कहा गया है कि उसके स्वायत्त संस्थान, भारतीय भू-चुंबकत्व संस्थान (आईआईजी) के वैज्ञानिकों ने अपेक्षाकृत छोटे भूकंपों (आठ मेगावाट से कम) के संबंध में इस अवधारणा को सत्यापित करने के अपने प्रयास में छह फरवरी 2023 तुर्की भूकंप के निकट-क्षेत्र सीआईपी का विश्लेषण किया।

वैज्ञानिकों ने पहली बार प्रदर्शित किया कि अपेक्षाकृत छोटे भूकंपों से उत्पन्न आयनोस्फेरिक गड़बड़ी में कई स्रोत शामिल हो सकते हैं।

छठे पूर्वोतर भारत फैशन वीक वोकल फॉर लोकल पर रहा केंद्रित

ईटा नगर, 24 नवम्बर (देशबन्धु)। नॉर्थ ईस्ट इंडिया फैशन वीक - द आर्टिसंस मूवमेंट का छठा संस्करण, जोलांग, ईटानगर, अरुणाचल प्रदेश में सुरम्य कोरो हप्पा नदी द्वीप पर आयोजित किया गया। इसमें फैशन जगत की कई जानी मानी हस्तियों ने शिरकत कर नॉर्थ ईस्ट की कला एवं संस्कृति को बरकरार बनाए रखा। तीन दिवसीय कार्यक्रम में पूरे पूर्वोत्तर भारत के 30 से अधिक डिजाइनरों और बुनकरों ने अपने डिजाईन प्रस्तुत किए।

उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू, विशिष्ट अतिथि के रूप में स्पीकर पीडी सोना, त्रिपुरा के मंत्री विकास देबबर्मा, तेची कासो - विधायक और मुख्य संरक्षक एन ई आई एफ डब्लू 2023 और विधायक न्यामार करबाक शामिल हुए। महोत्सव की शुरुआत दिरांग दज़ोंग के पारंपरिक नृत्य सिंघी छम के साथ हुई, जिसके बाद प्रदर्शनी स्टालों की शुरुआत हुई।

डिजाइरों अपने शुरुआती कार्यक्रम में सबको चकित कर दिया वहीं दिव्यांगजन बुनकर, डिजाइनर जियाई एटे की गैलो जनजाति की बुनाई की प्रतिभा से सब हतप्रभ रह गए। स्वाबलंबी द्वारा डिमोरिया, दिव्यांगजन बुनकर इकेलुले पामे द्वारा वीव्स ऑफ ज़ेमे नागा और बैम्बू जंपिंग पार्टी द्वारा जीवंत प्रदर्शन जैसे मनोरम दृश्यों के साथ यह कार्यक्रम आगे बढ़ा। रात में मणिपुर के पारंपरिक पहनावे, त्रिपुरा की बुनाई और लोक संगीतकार गुरु रेबेन मशांगवा के लाइव प्रदर्शन के साथ पूर्वोत्तर भारत की समृद्ध विविधता का प्रदर्शन किया गया। शाम के ग्रैंड फिनाले में डिजाइनर आनंदिता करमाकर का फैशन शो और अभिनेत्री मॉडल गायिका ज़ो सोन्स का लाइव शो का प्रदर्शन किया गया।

नॉर्थ ईस्ट इंडिया फैशन वीक के छठे संस्करण के बारे में बोलते हुए, वन अरुणाचल के अध्यक्ष जोरम टैट ने कहा कि नॉर्थ ईस्ट इंडिया फैशन वीक- द आर्टिसंस मूवमेंट के माध्यम से, हम कारीगरों के रोल मॉडल की पहचान करने, कारीगर समुदाय के भीतर आत्म-सम्मान बढ़ाने, वकालत करने का प्रयास करते हैं।

राजर्षि मोदी ने दुनिया का सबसे बड़ा श्रीयंत्र मोदीपुर, रामपुर में स्थापित किया

मोदीपुर, रामपुर 24 नवम्बर (एजेंसियां)। नवप्रवर्तन और समृद्धि के प्रतीक राजर्षि मोदी ग्रुप ने पूज्य मां दयावती मोदी जी की 108वीं जयंती के शुभ अवसर को एक परिवर्तनकारी उत्सव के साथ मनाया। इस अवसर पर पूज्य द्वारिका पीठ के शंकराचार्य स्वामी सर्वानंद सरस्वती जी द्वारा 7 दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन किया गया। राजर्षि मोदी (डॉ. बी. के. मोदी) के सानिध्य में भजन संध्या के दौरान प्रसिद्ध कलाकारों द्वारा मधुर भजनों और शास्त्रीय प्रस्तुतियों से शामें जीवंत हो उठीं, जिससे सांस्कृतिक समृद्धि और आध्यात्मिक ज्ञान का सामंजस्यपूर्ण मिश्रण तैयार हुआ।

राजर्षि मोदी ने मोदीपुर , रामपुर के विकास के लिए निर्धारित 2000 करोड़ के चौंका देने वाले निवेश का खुलासा किया। उन्होंने कहा, 'इस महत्वाकांक्षी पहल का लक्ष्य मोदीपुर को एक वैश्विक स्मार्ट शहर में बदलना है, जिसमें एक विश्व स्तरीय मल्टी-स्क्रीन थिएटर, एक शानदार रिसॉर्ट, एक अत्याधुनिक विश्वविद्यालय और अत्याधुनिक उद्योग शामिल हों।' राजर्षि मोदी ने स्वामी सर्वानंद सरवती द्वारा आयोजित पवित्र अनुष्ठानों और पूजा के साथ मोदीपुर में दुनिया के सबसे बड़े श्रीयंत्र का अनावरण किया। इसके अलावा, एक भव्य सूर्य मंदिर मोदीपुर की शोभा बढ़ाने के लिए तैयार है। राजर्षि मोदी ग्रुप ने शिवानी श्रीवास्तव को मोदीपुर सनसिटी का सीईओ बनाया है। उन्हें शहर के विकास को आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी सौंपी गई। आध्यात्मिक मार्गदर्शन के महत्व को स्वीकार करते हुए आचार्य धर्मवीर जी को राजर्षि मोदी ग्रुप का राज पुरोहित घोषित किया गया।

'टिहरी एक्रो फेस्टिवल' शुरू, देश-विदेश के 130 पायलट ले रहे भाग

टिहरी/देहरादून, 24 नवम्बर (एजेंसियां)। उत्तराखंड के टिहरी में शुक्रवार को पांच दिवसीय 'टिहरी एक्रो फेस्टिवल' का कोटी कालोनी में भव्य शुभारंभ कैबिनेट मंत्री और जिले के प्रभारी मंत्री प्रेम चंद अग्रवाल ने हरी झंडी दिखाकर किया। इस मौके पर कैबिनेट मंत्री सुबोध उनियाल भी मौजूद रहे।

प्रदेश के वित्त, शहरी विकास एवं आवास मंत्री प्रेम चंद अग्रवाल ने 'टिहरी एक्रो फेस्टिवल' की बधाई देते हुए कहा कि टिहरी झील के पूरे क्षेत्र की सुंदर छटा में जल क्रीड़ा एवं साहसिक खेलों के लिए अपार संभावनाएं हैं। उन्होंने कहा कि फेस्टिवल में सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए जा रहे हैं, इस तरह की गतिविधियों से विश्व के मानचित्र पर क्षेत्र को एक पहचान मिलेगी तथा रोजगार के अवसर भी प्राप्त होंगे। उन्होंने कहा कि पैराग्लाइडिंग में पी-1 से पी-4 में अलग अलग श्रेणी में लगभग 43 प्रशिक्षुओं को प्रशिक्षण दिया गया है। उन्होंने फेस्टिवल के सफलता के लिए शुभकामनाएं दी। इस मौके पर वन, तकनीकी शिक्षा, भाषा व निर्वाचन मंत्री सुबोध उनियाल ने कहा कि साहसिक खेलों के लिए और जनपद टिहरी की आर्थिकी बढ़ाने हेतु टिहरी झील में कई संभावनाएं हैं।

बांसुरी वादक पं. हरिप्रसाद चौरसिया शीर्ष बिड़ला पुरस्कार से सम्मानित

मुंबई, 24 नवम्बर (एजेंसियां)। प्रसिद्ध बांसुरीवादक और संगीत निर्देशक पं. हरिप्रसाद चौरसिया को संगीत में उनके योगदान और इसे वैश्विक स्तर पर पहुंचाने के लिए 'आदित्य विक्रम बिड़ला कला शिखर पुरस्कार' से सम्मानित किया गया है। संगीत कला केंद्र (एसकेके) की अध्यक्ष राजश्री बिड़ला ने 85 वर्षीय पंडित चौरसिया को यह सम्मान प्रदान किया। गुरुवार देर रात एक शानदार समारोह में उन्होंने उन्हें बांसुरी (बांसुरी) का पुरोधा बताया, जिनकी बांसुरीवादक के रूप में स्थिति अद्वितीय है। दो अन्य होनहार युवा कलाकारों, तबला वादक ओजस अधिया और सारंगी वादक साबिर खान को 'आदित्य विक्रम बिड़ला माला किरण पुरस्कार' प्रदान किया गया। अनुभवी पार्श्व गायिका कविता कृष्णमूर्ति इस वर्ष वाद्य संगीत की दुनिया के सभी प्रशंसित नाम, शेखर सेन, राहुल शर्मा, डॉ. सुवर्णलता राव, रोनू मजूमदार सहित निर्णायकों के पैनल के साथ कार्यक्रम की मुख्य अतिथि थीं। उद्योगपति कुमार मंगलम बिड़ला और अन्य लोगों ने अभिनेता निर्देशक फरहान अख्तर और गायिका सुनिधि चौहान के साथ संगीत की एक शाम का आनंद लिया। राजश्री बिड़ला ने अपने दिवंगत पति आदित्य वी. बिड़ला के राष्ट्र के प्रति योगदान, संगीत के प्रति उनके प्रेम और प्रदर्शन कलाओं को याद किया। एसकेके शीर्ष पुरस्कारों के पिछले कुछ प्राप्तकर्ताओं में डॉ. वैजयंतीमाला बाली, उस्ताद जाकिर हुसैन, पंडित शिवकुमार शर्मा, पं. विजय राघव राव और पं. राम नारायण, पं. बिरजू महाराज, नसीरुद्दीन. शाह, डॉ. कनक रेले, पंडित जसराज, लता मंगेशकर, एम. एफ. हुसैन जैसे अन्य प्रसिद्ध कलाकार शामिल हैं।

बाइकर्स ग्रुप ने उठाया सैंड कैंपिंग का लुफ्त

■ ओम प्रकाश सिंह

■ **पर्यटन जागरूकता का संदेश दिया**
■ **चंबल का पंचनद इलाका बन रहा है सैलानियों का तीर्थ**

पंचनद (जालौन), 24 नवम्बर (देशबन्धु)। कभी गोलियों की तरह से गूंजने वाला चंबल में पंचनद का इलाका सैलानियों से गुलजार है। देश भर के विभिन्न हिस्सों से आए बाइकर्स ग्रुप ने पंचनद के रेतीले मैदान कैम्पों में रात गुजार कर बेहतरीन पर्यटन क्षेत्र होने का संदेश दिया। पंचनद के रेतीले किनारे पर अपने बाइकिंग गियर्स के साथ धूल उड़ाती कई बाइक को देखकर भीखेपुर से चंबल क्षेत्र में प्रवेश करने बाली बाइकिंग टीम को जिस किसी ने भी देखा आश्चर्य से भर गया। चंबल क्षेत्र में इतनी कीमती बाइक्स को एक साथ देखने के कारण लोगो के दिल में कौतूहल था। बाइकिंग ग्रुप को लीड कर रहे सौरभ अवस्थी के निर्देशन में बाइकर्स ग्रुप ने एक रात पर्यटन विभाग उत्तर प्रदेश से पंजीकृत संस्था झुमके के द्वारा पंचनद स्थित जुहीखा के किनारे रेतीले तट पर बिताने का निर्णय लिया। बाइकर्स ग्रुप की पहली चुनौती थी नदी के रेतीले किनारे तक बनी कैंप साइड पर बाइक के साथ पहुंचना। स्थानीय लोगो के सहयोग से भारी भरकम सुपर बाइक्स और डेजर्ट बाइक्स धूल उड़ाती हुई रेतीले कैंप साइड पहुंची। यहां पर छुपते हुए सूरज को रेत पर देखना अपने आप में एक अभूतपूर्व अनुभव था। रेतीले मैदान पर ऑफ रोड बाइकिंग का आनंद लेते हुए पर्यटकों का स्वागत झुमके कैंपिंग के द्वारा वेज सूप से किया गया। शाम से ही बोन फायर का इंतजाम था तो लोगो ने अपनी अपनी कहानियां सुनाते हुए देर रात तक अपने ग्रुप के साथ समय बिताया। बरबेक्यु में पके हुए खाने का रेतीला स्वाद बंया कर रहा था कि सच में एडवेंचर कैंपिंग के दौरान आप जीवन की चुनौतियों को भी सहर्ष स्वीकार करते हुए अपने मन को कितना स्थिर रख पाते हैं। केरल मूल के अनीश थॉमस ने बताया कि एडवेंचर साइट के हिसाब से ये जगह बेहतरीन है। मटकी में पके हुए कच्चे पक्के खाने को खाकर जीवंत रूप से हमने आज सच में चंबल को जिया है। ये बेहतरीन अनुभव है। एनटीपीसी में कार्यरत पंकज शर्मा का कहना है कि विश्व स्तरीय तीन कंपनियां होने के कारण औरैया जिले के आसपास ऐसी साईट की बेहद जरूरत थी। इस साइट के पूरा डेवलप होने के बाद पर्यटन की न केवल अपार संभावनाएं विकसित होगी बल्कि हमारे अतिथियों के लिए भी पूरे विश्व में एक अच्छा संदेश जाएगा। कानपुर से आए हुए शैलेश यादव ने कहा कि इस साइट पर आने के लिए कानपुर के लोग लालायित है लेकिन मुझे ये मौका पहले मिला सच में यहां की शाम राजस्थान, सुबह शिमला और दिन गोवा की तरह महसूस करने बाला था। बाइकर्स ग्रुप को लीड कर रहे सौरभ अवस्थी ने कहा कि इस जगह पर रेत स्नान, और माइक्रो राफ्टिंग करके दिन बन गया। पेशे से अध्यापक शेरोन शिबु वालियावेट्टी ने बताया कि इस जगह पर रास्ते की समस्या में सुधार किया जाए और जन सुविधाएं थोड़ी और बढ़ाई जाए तो लोग ज्यादा दिन तक यहां रह सकते है और ज्यादा दिनों तक रहने से आसपास के पंचनद क्षेत्र के अन्य पर्यटक स्थलों को भी देख सकते है। स्थानीय फोर्ट के साथ पंचनद धाम पर स्थित चंबल संग्रहालय में अद्भुत बौद्धिक सम्पदा का दीदार होता है, हम लोग पूरे देश में इस क्षेत्र को बेहतरीन पर्यटक क्षेत्र के रूप में प्रचारित करने का कार्य करेंगे। कार्यक्रम के दौरान ऋषभ शुक्ला, राहुल चौहान, समेत 15 से अधिक बाइकर्स उपस्थित रहे।

Invitation

KISS
KALINGA INSTITUTE OF SOCIAL SCIENCES (KISS)
Deemed to be University
(Established u/S 3 of UGC Act, 1956), Bhubaneswar, Odisha, India
Accredited by NAAC

3rd Annual Convocation
Date: 25th November 2023 (Saturday)

Chief Guest
Shri Raghubar Das
Hon'ble Governor of Odisha

Guest of Eminence
Shri B. B. Harichandan
Hon'ble Governor of Chhattisgarh
(He will also receive Honoris Causa Degree)

Convocation Address by
Shri Amitabh Kant
G20 Sherpa, Govt. of India &
Former CEO, NITI Aayog, New Delhi

Guest of Honour
Dr. Ricky G. Kej
Internationally Renowned Indian Music Composer & 3 Times Grammy Award Winner

Conferment of Honoris Causa Degrees on:
H.H. Pujya Swami Chidanand Saraswatiji
President and Spiritual Head of Parmarth Niketan Ashram, Rishikesh
Mr. Sopnendu Mohanty
Chief FinTech Officer, Monetary Authority of Singapore (MAS) and Chairman of the Board of Elevandi, Singapore

Mr. Satya S. Tripathi, Chancellor, KISS-DU
(Former Assistant Secretary-General of the United Nations)
will preside over the ceremony

10:00 a.m. | KIIT Convention Centre, Campus - 6 Bhubaneswar

Watch live on Kalinga TV from 10.00 a.m. onwards
Website: www.kiss.ac.in | Email: info@kiss.ac.in
RSVP: Registrar. Contact : +91 99372 20225, Email : registrar@kiss.ac.in
Kindly take your seat by 9:30 a.m. and remain seated till the Academic Procession leaves.
Only Fully Free and Residential University in the World Exclusively for Tribal Students

[अर्थ जगत]

पेट्रोल और डीजल की कीमतें अपरिवर्तित

नई दिल्ली, 24 नवंबर (एजेंसियां)। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में घटबढ़ के बीच घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के दाम आज अपरिवर्तित रहे, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपये प्रति लीटर तथा डीजल 89.62 रुपये प्रति लीटर पर पड़े रहे। तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार, देश में आज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपये प्रति लीटर पर और डीजल 94.27 रुपये प्रति लीटर पर रहा।

सर्वाधिक बढने वाले शेयर

भारती एयरटेल	1.48 प्रतिशत
एचसीएल टेक	1.18 प्रतिशत
विप्रो	1.16 प्रतिशत
टेक महिन्द्र	0.61 प्रतिशत
टीसीएस	0.48 प्रतिशत

सर्वाधिक घटने वाले शेयर

बजाज फाइनेंस	2.11 प्रतिशत
एम एंड एम	1.91 प्रतिशत
अल्ट्रा टेक	1.37 प्रतिशत
बजाज फिनसर्व	1.05 प्रतिशत
टाटा मोटर्स	1.02 प्रतिशत

सर्राफा

सोना (प्रति दस ग्राम)स्टैंडर्ड	47,310
बिटुर	47,320
गिन्नी (प्रति आठ ग्राम)	31,400
चांदी (प्रति किलो) टंच हाजिर	70,096
वायदा	70,183
चांदी सिक्का लिवाली	870
बिकवाली	880

मुद्रा विनिमय

मुद्रा	क्रय	विक्रय
अमेरिकी डॉलर	67.77	78.57
पौड स्टर्लिंग	90.94	105.45
यूरो	76.54	88.78
चीन युआन	08.24	13.38

अनाज

देसी गेहूँ एमपी	2400-3000
गेहूं दडा	2500-2600
आटा	2800-2900
मैदा	2900-2950
चोकर	2000-2100

मोटा आनाज

बाजरा	1300-1305
मक्का	1350-1500
ज्वार	3100-3200
जौ	1430-1440
काबुली चना	3500-4000

चावल

चीनी एस	3640-3740
चीनी एम	3800-3900
मिल डिलीवरी	3520-3620
गुड़	4300-4400

दाल-दलहन

चना	6450-6550
दाल चना	7450-7550
मसूर काली	7800-7900
उड़द दाल	10600-10700
मूंग दाल	9900-10000
अरहर दाल	10400-10500

'भारत में बढ़ रहे हैं गेमिंग के क्षेत्र में आय और करियर के मौके'

नई दिल्ली, 24 नवंबर (एजेंसियां)। भारत में ईस्पोर्ट्स इंडस्ट्री में हो रही प्रगति ने देश के गेमर्स को बहुत फायदा पहुंचाया है। अब उनके पास इस इंडस्ट्री में करियर के अवसर बढ़े हैं और उन्हें ज्यादा आय पाने का मौका भी मिल रहा है।

एचपी इंडिया गेमिंग लैंडस्केप स्टडी 2023 में यह बात सामने आई है। इस अध्ययन में 15 शहरों के 3,000 गेमर्स को शामिल किया गया। इसमें सामने आया कि आनंद और सुकून के साथ-साथ गेमर्स अब गेमिंग की मदद से पैसा और पहचान भी कमा रहे हैं। इस अध्ययन में पहली बार 500 अभिभावकों को भी शामिल किया गया। इसमें सामने आया कि पिछले कुछ साल में भारत में गेमिंग को लेकर माता-पिता की सोच में भी सकारात्मक बदलाव आया है।

एचपी इंडिया मार्केट की वरिष्ठ उपाध्यक्ष और प्रबंध निदेशक इप्सिता दासगुप्ता ने कहा, भारत वैश्विक स्तर पर तीसरा पीसी गेमिंग देश बनकर सामने आया है। इस विकास के साथ कदम मिलाते हुए हम लगातार इनोवेशन एवं अत्याधुनिक टूल्स की मदद से गेमर्स को सशक्त एवं सक्षम बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इस अध्ययन से हमें गेमिंग की दुनिया को गहराई से समझने का मौका मिला है और गेमर्स के उत्साह एवं उनकी महत्वाकांक्षा की तस्वीर भी सामने आई है।

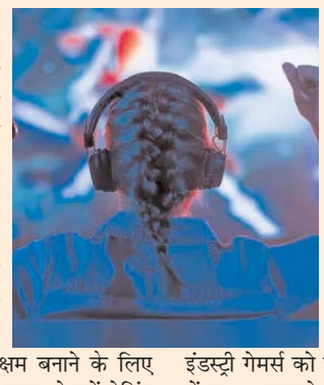

रिपोर्ट के अनुसार भारत में 2022 की तुलना में इस साल गेमिंग से आय बढ़ी है। अध्ययन में हिस्सा लेने वाले करीब आधे सीरियस गेमर्स ने बताया कि गेमिंग से उन्हें सालाना 6 से 12 लाख रुपये तक की कमाई हो रही है। स्पॉन्सरशिप और ई-स्पोर्ट्स टूर्नामेंट आय का उल्लेखनीय स्रोत बनकर सामने आए हैं, जिससे गेमिंग कम्युनिटी की बढ़ती महत्ता भी सामने आ रही है।

भारत में गेमिंग इंडस्ट्री गेमर्स को कई करियर विकल्पों में हाथ आजमाने का मौका भी दे रही है। अध्ययन में शामिल प्रतिभागियों ने बताया कि गेमर होने के अलावा भविष्य में वे इन्फ्लूएंसर के रूप में या ईस्पोर्ट्स मैनेजमेंट में करियर पर भी नजर बनाए हुए हैं।

कंपनी के वरिष्ठ निदेशक (पर्सनल सिस्टम्स) विक्रम बेदी ने कहा, यह देखना उत्साहजनक है कि ईस्पोर्ट्स इंडस्ट्री बढ़ रही है और इससे गेमर्स को कई तरह के करियर के विकल्प भी मिल रहे हैं। हमें विश्वास है कि भारतीय युवाओं में न केवल देश को ग्लोबल ईस्पोर्ट्स एरेना बनाने की क्षमता है, बल्कि वे इस इंडस्ट्री में उद्यमिता के अवसर भी सृजित कर सकते हैं। एचपी में हम एचपी गेमिंग गैराज जैसी पहल के माध्यम से उनके विकास में मदद कर रहे हैं और नए गेमर्स को प्रोत्साहित कर रहे हैं।

अध्ययन में सामने आया है कि भारत में गेमिंग को लेकर माता-पिता के नजरिये में भी सकारात्मक बदलाव आ रहा है। अध्ययन में शामिल 42 प्रतिशत अभिभावकों ने गेमिंग को शौक के रूप में स्वीकृति दी। 40 प्रतिशत अभिभावकों ने माना कि पिछले कुछ साल में गेमिंग को लेकर उनकी सोच में सकारात्मक बदलाव आया है। ऐसा विशेष रूप से इस इंडस्ट्री में हो रही प्रगति के कारण हुआ है।

मेड-इन-इंडिया मदरबोर्ड के साथ सरकारी डेस्कटॉप टेंडरों के लिए मजबूत कदम उठाएगी लेनोवो इंडिया

पुडुचेरी, 24 नवंबर (एजेंसियां)। पर्सनल कंप्यूटर (पीसी), लैपटॉप निर्माता 1.9 बिलियन डॉलर के राजस्व वाले लेनोवो इंडिया ने शुक्रवार को स्थानीय रूप से प्राप्त मदरबोर्ड के साथ अपना डेस्कटॉप लॉन्च किया, जो बदले में सरकारी आपूर्ति के लिए बोली लगाने में एक मजबूत पिच देगा। अधिकारियों ने कहा कि स्कूलों और कॉलेजों द्वारा आयोजित ऑनलाइन क्लास के चलते कोविड-19 अवधि के दौरान उछाल के बाद भारत में लैपटॉप की मांग अब स्थिर हो गई है। लेनोवो इंडिया यहां अपने 14 लाख यूनिट वाले प्लांट में डेस्क टॉप, लैपटॉप बनाती है। मुख्य परिचालन अधिकारी सौरभ अग्रवाल के अनुसार, मेड-इन-इंडिया मदरबोर्ड के साथ डेस्कटॉप का उत्पादन मशीन को भारत सरकार की प्रेफेरेंटीएल मार्केट एक्सेस (पीएमए) पॉलिसी के अनुरूप बनाता है।

कंपनी ने कहा, हाल ही में आईटी हार्डवेयर योजना के लिए पीएलआई 2.0 (प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव) के तहत 27 कंपनियों को मंजूरी की घोषणा के साथ, लेनोवो इंडिया को पीसी उत्पादन क्षमता बढ़ाने के लिए अतिरिक्त प्रोत्साहन मिला है और इससे भारत की मेक इन इंडिया पहल में योगदान मिलेगा।

लेनोवो के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, वाणिज्यिक खंड का लगभग 40 प्रतिशत

हिस्सा डेस्कटॉप का है, जो एक बड़ी संख्या है और लैपटॉप की बढ़ती बिक्री डेस्कटॉप बाजार पर ज्यादा असर नहीं डालेगी। अग्रवाल के अनुसार, यहां लेनोवो इंडिया के प्लांट में 70 प्रतिशत उत्पादन डेस्कटॉप और शेष लैपटॉप और अन्य द्वारा होता है। अधिकारियों ने कहा कि कंपनी का पुडुचेरी संयंत्र लगभग 45 प्रतिशत क्षमता पर काम कर रहा है।

पिछले साल प्लांट ने लगभग 7.4 लाख यूनिट का उत्पादन किया था और चालू वर्ष का उत्पादन लक्ष्य दस लाख यूनिट है। हर 24 सेकंड में, एक उत्पाद, डेस्कटॉप या लैपटॉप यहां असेंबली लाइन से बाहर निकलता है। हालांकि, अग्रवाल ने संख्याओं पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। लेनोवो इंडिया अपने मोबाइल फोन और टैब का निर्माण दो अनुबंध विनिर्माण स्थानों पर करता है।

स्मार्टफोन पर भोजन और किराने की डिलीवरी, डिजिटल भुगतान भारतीयों की प्राथमिकताओं में शीर्ष पर

नई दिल्ली, 24 नवंबर (एजेंसियां)। भारत में एक औसत स्मार्टफोन उपयोगकर्ता अब सात मोबाइल ऐप का उपयोग कर रहा है, इसमें डिजिटल भुगतान, भोजन और किराने की डिलीवरी पसंदीदा सेवाओं की सूची में सबसे ऊपर है। यह रिपोर्ट शुक्रवार को सामने आई। साइबरमीडिया रिसर्च (सीएमआर) की रिपोर्ट के अनुसार, सुविधा भारतीय उपभोक्ताओं के लिए सर्वोच्च प्राथमिकता बनकर उभरी है, इससे मोबाइल एप्लिकेशन के उपयोग में वृद्धि हुई है।

सीएमआर में इंडस्ट्री इंटेलिजेंस ग्रुप के प्रमुख प्रभु राम ने कहा, उपभोक्ता हर खरीदारी में तीन चीजों की मांग करते हैं- विश्वसनीयता, भरोसा, सुविधा। अल्फा ब्रांड्स ब्रांड के उपयोगकर्ताओं, प्रमुख निर्णय निर्माताओं, नेट प्रमोटर स्कोर (एनपीएस) स्कोर, संतुष्टि के स्तर और समग्र ब्रांड ट्रस्ट भागफल सहित प्रमुख घटकों में उनके प्रदर्शन के आधार पर आए हैं। सीएमआर में उद्योग परामर्श समूह की वरिष्ठ प्रबंधक सुगंधा श्रीवास्तव ने कहा, विश्वास के साथ जुड़ी सुविधा सिर्फ एक जीत का फॉर्मूला नहीं है; यह आधुनिक व्यवसायों की जीवन रेखा है। श्रीवास्तव ने कहा, मोबाइल ऐप-आधारित ब्रांडों ने कहानी को फिर से लिखा है, उपभोक्ताओं के उत्पादों और सेवाओं को देखने और उनके साथ बातचीत करने के तरीके को नया आकार दिया है।

पंजाब, अरुणाचल, असम में सड़कों के लिए 2700 करोड़ की मंजूरी : गडकरी

नई दिल्ली, 24 नवंबर (एजेंसियां)। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने शुक्रवार को कहा कि पंजाब, अरुणाचल प्रदेश तथा असम में राष्ट्रीय राजमार्गों को बेहतर बनाने के लिए करीब 2700 करोड रुपए की मंजूरी दी गई है।

श्री गडकरी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर कहा, अरुणाचल प्रदेश में राष्ट्रीय राजमार्ग-913 के जिदो-सिंघा खंड तक फैली हार्ड शोल्डर वाली करीब 47 किलोमीटर लंबी ग्रीनफील्ड इंटरमीडिएट लेन रोड के निर्माण के लिए 740.11 करोड़ रुपए के आवंटन को मंजूरी दी गई है और इसका निर्माण इंजीनियरिंग, खरीद और निर्माण-ईपीसी मोड के तहत किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि इसी के तरह से असम में राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-17 को 4-लेन बनाने के लिए 1338.61 करोड़ रुपए के आवंटन को मंजूरी दी गई है। यह सड़क चापर बाईपास से पहले

मोवतारी के पास से बिलासीपारा-गुवाहाटी कॉरिडोर के तुलुंगिया खंड तक है। करीब 26 किमी इस सड़क सुधार का उद्देश्य बिलासीपारा और तुलुंगिया के बीच कनेक्टिविटी को बढ़ाना है। इससे राष्ट्रीय राजमार्ग-27 के जरिए पश्चिमी असम और निचले असम तक बेहतर यातायात सुविधा प्रदान की जा सकेगी और मेघालय तथा पश्चिम बंगाल जैसे पड़ोसी राज्यों के साथ इसके निर्माण से कनेक्टिविटी बेहतर हो सकेगी।

श्री गडकरी ने कहा, अरुणाचल प्रदेश के ऊपरी सियांग जिले में स्थित यह रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण मार्ग भारत-चीन सीमा पर निर्बाध कनेक्टिविटी प्रदान करेगा तथा इससे अरुणाचल के सीमावर्ती क्षेत्रों में सामाजिक गतिविधियां बढ़ेंगी और आर्थिक विकास को गति मिल सकेगी।''

उन्होंने कहा कि पंजाब में राष्ट्रीय राजमार्ग 354 के साथ 4-लेन बाईपास के निर्माण के लिए 539.37 करोड़ के आवंटन को मंजूरी दी गई है। इस लेन पर कुल 17.19 किमी लम्बी सड़क को विकसित किया जाना है और इसका निर्माण भी ईपीसी मोड पर किया जाना है। उन्होंने कहा कि इसके निर्माण का उद्देश्य फिरोजपुर शहर में भीड़भाड़ को कम करना और राष्ट्रीय राजमार्ग पर यातायात के निर्बाध, सुरक्षित तथा सुविधाजनक बनाना है।

सेंसेक्स निफ्टी फिसले

मुंबई 24 नवंबर (एजेंसियां)। विश्व बाजार के मिलेजुले रुख के बीच स्थानीय स्तर पर एफएमसीजी, आईटी, तेल एवं गैस और टेक समेत नौ समूहों में हुई बिकवाली से आज दोनों मानक सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी गिर गए।

बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 47.77 अंक टूटकर 65970.04 अंक और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 7.30 अंक फिसलकर 19794.70 अंक रह गया। हालांकि दिग्गज कंपनियों के विपरीत मझौली और छोटी कंपनियों में तेजी रही, जिससे बीएसई का मिडकैप 0.13 प्रतिशत चढ़कर 33,610.39 अंक और स्मॉलकैप 0.14 प्रतिशत की बढ़त के साथ 39,807.29 अंक पर पहुंच गया।

इस दौरान बीएसई में कुल 3814 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ, जिनमें से 1872 में बिकवाली जबकि 1805 में लिवाली हुई वहीं 137 में कोई बदलाव नहीं हुआ।

बीएसई के नौ समूह नुकसान में रहे। इस दौरान सीडी 0.05, ऊर्जा 0.22, एफएमसीजी 0.49, आईटी 0.88, दूरसंचार 0.25, ऑटो 0.03, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स 0.36, तेल एवं गैस 0.42 और टेक समूह के शेयर 0.89 प्रतिशत गिर गए।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मिलजुला रुख रहा। इस दौरान ब्रिटेन का एफटीएसई 0.26, हांगकांग का हैंगसेंग 1.96 और चीन का शंघाई कंपोजिट 0.68 प्रतिशत लुढ़क गया जबकि जर्मनी का डैक्स 0.10

और जापान का निक्केई 0.52 प्रतिशत मजबूत रहा।

शुरूआती कारोबार में सेंसेक्स 18 अंक फिसलकर 66,000.29 अंक पर खुला लेकिन लिवाली होने से थोड़ी देर बाद 66,101.64 अंक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। वहीं, बिकवाली के दबाव में यह दोपहर बाद 65,894.05 अंक के निचले स्तर तक टूट गया। अंत में पिछले दिवस के 66,017.81 अंक के मुकाबले 0.07 प्रतिशत उतरकर 65970.04 अंक पर रहा।

वहीं, निफ्टी आठ अंक बढ़कर 19,809.60 अंक पर खुला और सत्र के दौरान 19,832.85 अंक के उच्चतम जबकि 19,768.85 अंक के निचले स्तर पर रहा। अंत में पिछले सत्र के 19,802.00 अंक की तुलना में 0.04 प्रतिशत फिसलकर 19,794.70 अंक पर आ गया।

इस दौरान सेंसेक्स की गिरावट पर रही प्रमुख कंपनियों में एचसीएल टेक 1.55, विप्रो 1.54, टीसीएस 1.46, टेक महिंद्रा 0.98, टाटा मोटर्स 0.91, इंफोसिस 0.88, भारती एयरटेल 0.74, टाटा स्टील 0.63, आईटीसी 0.57, सन फार्मा 0.45, मारुति 0.23, हिंदुस्तान यूनिलीवर 0.22, पावर ग्रिड 0.14 और रिलायंस 0.09 प्रतिशत शामिल रही।

वहीं, एक्सिस बैंक 0.91, जेएसडब्ल्यू स्टील 0.81, एचडीएफसी बैंक 0.68, आईसीआईसीआई बैंक 0.61, एनटीपीसी 0.47, महिंद्रा एंड महिंद्रा 0.44, कोटक बैंक 0.38, एशियन पेंट 0.25, एलटी 0.21 और एसबीआई ने 0.06 प्रतिशत का मुनाफा कमाया।

न्यू इंडिया एश्योरेंस का स्टॉक 17 फीसदी बढ़ा

नई दिल्ली, 24 नवंबर (एजेंसियां)। पीएसयू बीमा कंपनी न्यू इंडिया एश्योरेंस में शुक्रवार को 17 फीसदी की भारी बढ़ोतरी हुई। न्यू इंडिया एश्योरेंस 17 प्रतिशत बढ़कर 204 रुपये पर है। जनरल इंश्योरेंस कॉरपोरेशन (जीआईसी) बीएसई पर 12 प्रतिशत से अधिक बढ़कर 297 रुपये पर है। दोनों स्टॉक 52 सप्ताह के उच्चतम स्तर पर पहुंच गए हैं। भारतीय जीवन बीमा निगम 7 प्रतिशत बढ़कर 662 रुपये पर है। जीआईसी ने कहा कि रेटिंग एजेंसी ने मौजूदा रेटिंग की फिर से पुष्टि की है और इसके अलावा जनरल इंश्योरेंस कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया को इंडिया नेशनल स्केल रेटिंग (एनएसआर) दी है। न्यू इंडिया एश्योरेंस कंपनी की सीएमडी नीरजा कपूर ने कहा कि वित्तीय वर्ष 2024 की दूसरी तिमाही कंपनी के लिए सबसे चुनौतीपूर्ण तिमाहियों में से एक थी। तिमाही के दौरान बाढ़ के कारण कंपनी को कुल 301 करोड़ रुपये का घाटा हुआ। लगभग 50 करोड़ के विमानन पोर्टफोलियो में प्रतिकूल विकास हुआ। कपूर ने कहा कि विदेशी परिचालन भी दबाव में आ गया क्योंकि दुबई परिचालन में जोखिम घाटे और यूके परिचालन में सीएटी घाटे के कारण तिमाही के दौरान उन्हें लगभग 71 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ। कई घटनाओं ने तिमाही के परिणामों को प्रभावित किया, मोटर और स्वास्थ्य पोर्टफोलियो ने वृद्धि दर्ज की। आगे चलकर इन लाइनों की लाभप्रदता में सुधार होना चाहिए। एजेंसी चैनल भी अच्छी गति से बढ़ने लगा है। कपूर ने कहा कि कंपनी को आगामी तिमाहियों में बेहतर नतीजे आने की उम्मीद है।

सार संक्षेप

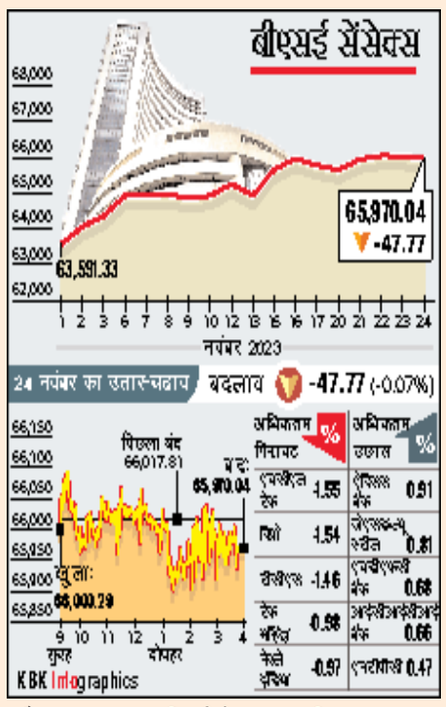

विदेशी मुद्रा भंडार 5.08 अरब डॉलर बढ़कर 595.4 अरब डॉलर पर

मुंबई। विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति, स्वर्ण, विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास आरक्षित निधि में बढ़ोतरी होने से 17 नवंबर को समाप्त सप्ताह में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 5.08 अरब डॉलर बढ़कर 595.4 अरब डॉलर हो गया। वहीं, इसके पिछले सप्ताह देश का विदेशी मुद्रा भंडार 46.2 करोड़ डॉलर घटकर 590.3 अरब डॉलर रहा था। रिजर्व बैंक की ओर से शुक्रवार को जारी साप्ताहिक आंकड़े के अनुसार, 17 नवंबर को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार के सबसे बड़े घटक विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति 4.4 अरब डॉलर की बढ़त लेकर 526.4 अरब डॉलर हो गयी। इस अवधि में स्वर्ण भंडार 52.7 करोड़ डॉलर की बढ़ोतरी के साथ 46.04 अरब डॉलर हो गया। आलोच्य सप्ताह विशेष आहरण अधिकार में 12 करोड़ डॉलर की बढ़ोतरी हुई और यह बढ़कर 18.13 अरब डॉलर हो गया। इसी तरह इस अवधि में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के पास आरक्षित निधि 4.2 करोड़ डॉलर की बढ़ोतरी लेकर 4.8 अरब डॉलर हो गई।

रुपया चार पैसे गिरा

मुंबई। आयातकों और बैंकरों की लिवाली के दबाव में आज अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में रुपया चार पैसे गिरकर 83.39 रुपए प्रति डॉलर पर आ गया। वहीं, इसके पिछले कारोबारी दिवस रुपया 83.35 रुपए प्रति डॉलर रहा था। शुरुआती कारोबार में रुपया छह पैसे बढ़कर 83.33 रुपए प्रति डॉलर पर खुला और सत्र के दौरान बिकवाली होने से 83.32 रुपए प्रति डॉलर के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। वहीं, लिवाली होने से यह 83.39 रुपए प्रति डॉलर के निचले स्तर तक लुढ़क गया और इसी तरह पर बंद भी हुआ।

डेटा टेक फर्म टीमैक्स एडब्ल्यूएस सम्मेलन में नए प्रोडक्ट्स का अनावरण करेगी

सियोल। दक्षिण कोरियाई डेटा प्रौद्योगिकी कंपनी टीमैक्स ग्रुप ने शुक्रवार को कहा कि वह अगले सप्ताह अमेज़न वेब सर्विसेज (एडब्ल्यूएस) क्लाउड सम्मेलन में अपने नए उत्पादों का अनावरण करेगी। अधिकारियों के अनुसार, कंपनी की डेटाबेस प्रबंधन प्रणाली से संबद्ध टीमैक्स टीबेरो कंपनी टीमैक्स डीबीएएस का प्रदर्शन करेगी और कंपनी की क्लाउड सेवा शाखा टीमैक्स क्लाउड टीमैक्स सीएलएएस पेश करेगी। इवेंट लास वेगस में पांच दिनों तक चलेगा। योनहाप समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, डीबीएएस का मतलब डीबी ऑल सर्विसेज है। यह पूरी तरह से प्रबंधित डेटाबेस सेवा प्रदान करेगा, और सीएलएएस का मतलब क्लाउड ऑल सर्विसेज है, जो क्लाउड नेटिव वातावरण के निर्माण और प्रबंधन के लिए क्लाउड सेवा का संदर्भ देता है। अधिकारियों ने बताया कि ये दोनों उत्पाद भविष्य में जारी होने वाले टीएमएक्स के ऑल-इन-वन सुपर एप्लिकेशन की नींव बनेंगे। इवेंट के दौरान टीमैक्स अपने वैश्विक व्यवसाय के विस्तार के प्रयासों के तहत एडब्ल्यूएस के साथ एक साझेदारी समझौते पर हस्ताक्षर करने की भी योजना बना रहा है।

जिंसों में टिकाव

नई दिल्ली, 24 नवंबर (एजेंसियां)। विदेशी बाजारों के मिलेजुले रुख के बीच स्थानीय स्तर पर उठाव कमजोर पड़ने से आज दिल्ली थोक जिंस बाजार में खाद्य तेल समेत सभी जिंसों में टिकाव रहा।

तेल-तिलहन : वैश्विक स्तर पर मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में दिसंबर का पाम ऑयल वायदा 48 रिंगिट फिसलकर 3780 रिंगिट प्रति टन पर आ गया। वहीं, दिसंबर का अमेरिकी सोया तेल वायदा 0.66 सेंट की तेजी के साथ 52.77 सेंट प्रति पौंड बोला गया।

गुड़-चीनी : मीठे के बाजार में स्थिरता रही। इस दौरान चीनी और गुड़ के भाव पिछले कारोबारी दिवस के स्तर पर पड़े रहे।

दाल-दलहन : दाल-दलहन बाजार में टिकाव रहा। इस दौरान चना, दाल चना, मसूर दाल, मूंग दाल, उड़द दाल और अरहर दाल के भाव टिके रहे।

अनाज : अनाज मंडी में भाव स्थिर रहे। इस दौरान गेहूं और चावल के दाम में कोई बदलाव नहीं हुआ।

दाल-दलहन : चना 6200-6300, दाल चना 7200-7300, मसूर काली 7800-7900, मूंग दाल 9500-9600, उड़द दाल 10700-

10800, अरहर दाल 9500-9600 रुपये प्रति क्विंटल रहे।

अनाज : (भाव प्रति क्विंटल) गेहूं दड़ा 2800-2900 रुपये और चावल = 2800-2900 रुपये प्रति क्विंटल रहा।

चीनी-गुड़ : चीनी एस 3740-3840, चीनी एम. 4000-4100, मिल डिलीवरी 3620-3720 और गुड़ 4500-4600 रुपये प्रति क्विंटल बोले गये।

कैदियों की स्किल ट्रेनिंग के लिए मैक्स हेल्थकेयर की तिहाड़ जेल के साथ साझेदारी

नई दिल्ली, 24 नवंबर (एजेंसियां)। मैक्स हेल्थकेयर ने आज देश के सबसे बड़े केंद्रीय कारागार तिहाड़ जेल के साथ साझेदारी में सतत आजीविका के लिए मैक्स स्किल ट्रेनिंग प्रोग्राम शुरू करने की घोषणा की है। यह भारत में कॉर्पोरेट क्षेत्र की ओर से कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए तिहाड़ जेल के साथ पहली और सबसे बड़ी साझेदारी है, जिसका उद्देश्य 1200 कैदियों के लिए सुधारों के सफर को आगे बढ़ाना है। इसका उद्देश्य तिहाड़ जेल में पुनर्वास कार्यक्रम को और मजबूती देना है, जिसमें शिक्षा, व्यावसायिक प्रशिक्षण और थेरेपी पर ध्यान केंद्रित किया जाता है, ताकि अपराध की पुनरावृत्ति की दर को कम किया जा सके और समाज में कैदियों की सफल पुनर्वापसी को बढ़ावा दिया जा सके। यह कंपनी के सीएसआर कार्यक्रम का पहला वर्ष है और आगामी वर्षों में उन क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करते हुए इसे विकसित किया जाएगा, जहां इससे

स्थायी प्रभाव पड़ सके। मैक्स स्किल ट्रेनिंग प्रोग्राम मैक्स हेल्थकेयर की सीएसआर पहल का हिस्सा है और सरकार के स्किल इंडिया मिशन के अनुरूप है। सभी संबंधित पक्षों के साथ व्यापक विचार-विमर्श के बाद हॉस्पिटैलिटी सेक्टर के तहत स्किल ट्रेनिंग के लिए जॉब रोल को 'फूड एंड बेवरेज स्टेवार्ड' के रूप में चिह्नित किया गया है। इस विकल्प को जॉब मार्केट के अवसर, ट्रेनिंग एडैप्टेशन की सुगमता और हॉस्पिटैलिटी सेक्टर के भीतर फिटमेंट से ताकत मिली है, जो फिर से समाज की मुख्यधारा में शामिल होने को आसान बनाता है। कार्यक्रम में जेल के ऐसे कैदी भाग लेंगे, जो छोटे अपराधों के लिए विचाराधीन कैदी हैं।

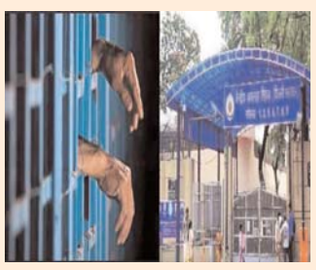

राष्ट्रीय कौशल योग्यता फ्रेमवर्क (एनएसक्यूएफ) लेवल 4 कोर्स ट्रेनिंग प्रोग्राम की अवधि 340 घंटे होगी। राष्ट्रीय व्यावसायिक प्रशिक्षण परिषद (एनसीवीटी) इसके लिए सर्टिफाइंग एजेंसी के रूप में काम करेगा। टूरिज्म एंड हॉस्पिटैलिटी स्किल काउंसिल (टीएचएससी) के दिशानिर्देशों के अनुरूप ट्रेनिंग दी जाएगी। टीएचएससी द्वारा नियुक्त मूल्यांकनकर्ता उम्मीदवारों का मूल्यांकन करेंगे। सफलतापूर्वक ट्रेनिंग पूरी करने और सर्टिफिकेशन के बाद 1200 ट्रेनी के लिए प्लेसमेंट वर्कशॉप, मॉक इंटरव्यू आयोजित किए जाएंगे। उद्योग जगत के प्रतिनिधियों को कैदियों के साथ सीधे बातचीत करने का अवसर मिलेगा, जिससे प्रोग्राम के नतीजों को लेकर कैदियों का भरोसा बढ़ेगा। मैक्स हेल्थकेयर इंस्टीट्यूट लिमिटेड के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक अभय सोई ने कहा, हमें भारत में जेल के कैदियों के लिए अब तक के सबसे बड़े कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत तिहाड़ जेल के साथ साझेदारी करने की खुशी है। हमें उम्मीद है कि इससे वे रिहाई के बाद बेहतर जीवन जीने में सक्षम होंगे और समाज को बेहतर, सुरक्षित बनाने में योगदान देंगे। मैक्स हेल्थकेयर अपने सीएसआर कार्यक्रम के माध्यम से शिक्षा और कौशल प्रशिक्षण के क्षेत्र में वंचित समुदायों में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए प्रतिबद्ध है।

तिहाड़ जेल के महानिदेशक (जेल) संजय बेनीवाल ने कहा, भारत में अब तक के सबसे अनूठे और सबसे बड़े सुधार कार्यक्रमों में से एक में हमारे भागीदार के रूप में मैक्स हेल्थकेयर के जुड़ने की हमें खुशी है। हमने इस वर्ष फरवरी में इस कार्यक्रम 'प्रारंभ' की शुरुआत की थी और यह बताते हुए खुशी हो रही है कि कार्यक्रम के लिए मूल्यांकन किए गए 94 प्रतिशत कैदियों को सर्टिफिकेट प्रदान किया गया।

खेल जगत

जोकोविच का शानदार खेल,सर्बिया अंतिम चार में

मलागा 24 नवंबर (एजेंसियां) दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी नोवाक जोकोविच की बदौलत सर्बिया ने गुरुवार को डेविस कप के क्वार्टर फाइनल में सेमीफाइनल में प्रवेश किया। जोकोविच ने ब्रिटेन के कैमरन नोरी को 6-4,6-4 से हराया। सर्बिया ने पिछले तीन साल में दूसरी बार सेमीफाइनल में प्रवेश किया है। सेमीफानइल में सर्बिया का मुकाबला सोमवार को इटली से होगा। जोकोविच की यह डेविस कप में रिकॉर्ड 44वीं जीत थी। उधर, इटली ने क्वार्टर फाइनल में नीदरलैंड को 2-1 से हराकर लगातार दूसरे सत्र में सेमीफाइनल में प्रवेश किया। जोकोविच ने कहा, देश के लिए खेलना हमेशा सबसे अधिक दबाव और प्रेरणा भरा होता है। लंबे सत्र के बाद हम पैरों में थकान महसूस कर सकते हैं। अब हमें इटली ने खेलना है। वे काफी मजबूत टीम हैं। हम कड़ी टक्कर देंगे।

मैं कप्तानी के बोझ को ड्रेसिंग रूम में ही छोड़ आया था : सूर्यकुमार

- जब भी बल्लेबाजी के लिए उतरता तो मैं उसका पूरा लुत्फ उठाने की कोशिश करता हूं
- हमारे गेंदबाजों ने आखिर में हमारी मैच में वापसी कराई

■ सत्येन्द्र पाल सिंह

नई दिल्ली, 24 नवंबर (देशबन्धु)। सूर्य कुमार ने विस्फोटक 80 रन की तूफानी खेल कर बतौर कप्तान अपने पहले ही मैच भारत को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ विशाखापट्टनम में पांच टी-20 अंतर्राष्ट्रीय मैचों की सीरीज के पहले ही मैच में फिनिशर रिंकू सिंह के मिलकर दो विकेट से जीत दिला बीते रविवार को सम्पन्न आईसीसी वन डे क्रिकेट विश्व कप के औसत से भी कम प्रदर्शन की निराशा को भुला दिया। भारत के कप्तान सूर्य कुमार ने कप्तानी के बोझ की बाबत कहा, % मैं कप्तानी के बोझ को ड्रेसिंग रूम में ही छोड़ आया था। मैं जब भी बल्लेबाजी के लिए उतरता तो मैं उसका पूरा लुत्फ उठाने की कोशिश करता हूं चाहे मैं 10 गेंदें खेलूं या 40 गेंदे। शुरू के दस ओवर में हमारे लिए स्थिति एक दम बढिय़ा थी हमें अंतिम 60 गेंदों में जीत के लिए मात्र 103 बनाने थे। इस तरह की स्थिति आईपीएल में हर दूसरे मैच में आती है। मेरा मानना था जब हम बाद में बल्लेबाजी करने जाएंगे तो ओस पड़ेगी लेकिन ऐसा नहीं हुआ। मैं जानता था कि विशाखापट्टनम का मैदान छोटा है और पिच बाद में बल्लेबाजी के लिए बेहतर होती जाएगी। जिस तरह हमारे लड़कों ने मैदान पर अपनी प्रतिभा दिखाई उससे बहुत खुश हूं। मैच में ऑस्ट्रेलिया ने हम पर दबाव बनाया लेकिन जिस तरह हमारी टीम में हर किसी ने मैच में वापसी की वह शानदार थी, जहां तक कप्तानी का की बात तो मेरे लिए भारत को जिताना गौरव का क्षण था। जब भी आप क्रिकेट खेलते हैं तो भारत के लिए खेलने की बाबत सोचते है। हमने एक समय सोचा था कि हमें ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ जीत के लिए 230 रन के लक्ष्य का पीछा करना होगा लेकिन आखिर में हमारे गेंदबाजों ने हमारी मैच में वापसी कराई। हम मैच में सकारात्मक रहना चाहते थे। रही बात बल्लेबाजी की तो हम खुलकर कर खेल इसका पूरा लुत्फ उठाना चाहते थे। मैंने इशान किशन से बस यही कहा कि बस अपने अंदाज में बल्लेबाजी करते रहे, लक्ष्य की बाबत न सोचे। शुरू के दस ओवरों के बाद हालात एकदम हमारे माफिक थे। हम जानते थे कि बाद में क्या हो सकता है। जिस तरह लड़कों ने संयम दिखाया वह शानदार था। रिंकू के लिए यह स्थिति उनके मनमाफिक थी। उनके धैर्य ने मुझे एकदम सहज कर दिया। रही बात मुकेश कुमार के पारी के आखिरी ओवर की तो 16 वें ओवर के बाद हमारे तीनों गेंदबाज ने जिस तरह हमारी वापसी कराई वह शानदार थी।'

ऑस्ट्रेलिया के लिए तूफानी शतक जडऩे वाले जोश इंग्लिश ने मैच के बाद सूर्य कुमार यादव की पारी की तारीफ करते हुए कहा, %सूर्य ने वही किया जैसा वह अमूमन करते हैं।

सच तो यह है कि भारत की बृहस्पतिवार को ऑस्ट्रेलिया पर पहले टी-20 मैच की जीत ने मेजबान टीम के क्रिकेट प्रेमियों को ऑस्ट्रेलिया के हाथों बीते रविवार को वन डे विश्व कप में फाइनल की इकलौती हार के साथ खिताब चूकने का दर्द जरूर कुछ कम दिया। सूर्य ने वन डे विश्व कप में फाइनल सहित कुल सात मैच खेले और इनमें वह इंग्लैंड को छोड़ कर बाकी छह में 25 रन के पार नहीं पहुंच पाए।>

जोश इंग्लिश (110) के तूफानी शतक और स्टीव स्मिथ (52) के साथ उनकी दूसरे विकेट की 130 रन की भागीदारी की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाए जाने पर निर्धारित 20 ओवर में तीन विकेट पर 208 रन बनाए। बृहस्पतिवार को जब सूर्य बल्लेबाजी के लिए उतरे तब भारत ने शुरू के पांच ओवर में ऋतुराज गायकवाड़ (0) और यशस्वी जायसवाल (21 रन) के रूप में दो विकेट 22 रन पर खो दिए थे। सूर्य (80 रन, 42 गेंद, 4 छक्के, 9 चौके) पहले इशान किशन (58 रन, 39 गेंद, पांच छक्के , दो चौके)के साथ तीसरे विकेट के लिए 112 और फिर पांचवें विकेट के लिए फिनिशिर रिंकू सिंह(अविजित 22 रन, 14 गेंद, चार चौके) के साथ 40 रन की भागीदारी करने के बाद जब पारी के 18 वें ओवर में जेसन बेहरनडर्फ की गेंद को उड़ाने के फेर में हार्डी को कैच थमा पांचवें बल्लेबाज के रूप में आउट होकर पैवेलियन लौट तो तब भारत का स्कोर पांच विकेट पर 194 था। भारत ने अंतिम के मैच और स्यां एबट के अंतिम ओवर में उनकी तीसरी गेंद पर अक्षर पटेल(0) का , चौथी गेंद पर रवि बिश्नोई (0) और पांचवीं पर अर्शदीप के रूप में तीन गेंद पर तीन विकेट खोए अगली गेंद पर हालांकि रिंकू सिंह ने छक्का जड़ा, लेकिन इसे छक्का नहीं माना गया क्योंकि यह नो बॉल थी और भारत ने एक गेंद के बाकी आठ विकेट पर 209 रन बना मैच जीत लिया।

कमिंस के जादू ने भारत को विश्वकप से दूर किया : अश्विन

एकदिवसीय गेंदबाज के रूप में पैट कमिंस विश्व कप में काफी समय से संघर्ष कर रहे थे लेकिन फाइनल तक पहुंचने वाले पिछले 4-5 मैचों में उनकी करीब 50 फीसदी गेंदें कटर थीं। फाइनल में, मुझे नहीं पता कि कितने लोगों ने टीवी पर इसे समझा मगर एक ऑफ स्पिनर की तरह उन्होने गेंदबाजी के दौरान ऑफ साइड पर चार और लेग साइड पर पांच क्षेत्ररक्षक रखे और अपने पूरे 10 ओवर बिना मिड-ऑफ के फेंके: आर अश्विन

मुंबई, 24 नवंबर (एजेंसियां)। भारत का विश्वकप जीतने का सपना टूट गया है और इसके लिये भारतीय स्पिनर रविचंद्रन अश्विन आस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस को जिम्मेदार मानते हैं। अपने नवीनतम यूट्यूब वीडियो 'विश्व कप 2023: ए रिफ्लेक्शन' में अश्विन ने फाइनल मुकाबले में पैट कमिंस की प्रतिभा का विश्लेषण किया और उनके जादू को 'गेम-ब्रेकिंग' घटना के रूप में संदर्भित किया। टॉस जीतने के बाद ऑस्ट्रेलियाई कप्तान ने भारत को पहले बल्लेबाजी के लिए भेजा। यह निर्णय एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ। कमिंस ने अपने कोटे के पूरे 10 ओवर फेंके और सिर्फ 34 रन दिए। उन्होंने श्रेयस अय्यर (4) और इन-फॉर्म विराट कोहली (54) के दो बड़े विकेट भी लिए।

आईसीसी की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि अपने 10 ओवर पूरे करने वाले सभी गेंदबाजों में कमिंस ने 3.40 के स्ट्राइक रेट पर सबसे किफायती स्पैल फेंका जिसके बाद एडम ज़म्पा (4.40), मिशेल स्टार्क (5.50) और जोश हेज़लवुड (6.00) थे। अश्विन ने कमिंस के मास्टरमाइंड की गहराई से पड़ताल की और बताया कि क्यों भारतीय बल्लेबाजों को उनका सामना करना चुनौतीपूर्ण लगता था। अश्विन ने कहा, एकदिवसीय गेंदबाज के रूप में पैट कमिंस विश्व कप में काफी समय से संघर्ष कर रहे थे लेकिन फाइनल तक पहुंचने वाले पिछले 4-5 मैचों में उनकी करीब 50 फीसदी गेंदें कटर थीं। फाइनल में, मुझे नहीं पता कि कितने लोगों ने टीवी पर इसे समझा मगर एक ऑफ स्पिनर की तरह उन्होने गेंदबाजी के दौरान ऑफ साइड पर चार और लेग साइड पर पांच क्षेत्ररक्षक रखे और अपने पूरे 10 ओवर बिना मिड-ऑफ के फेंके।

अश्विन ने जोर देकर कहा, ' कमिंस ने पूरे 10 ओवर के स्पैल में स्टंप लाइन की ओर छह मीटर के दायरे में केवल तीन गेंदें फेंकी । उनकी स्टंप लाइन पर पांच क्षेत्ररक्षक स्क्वायर लेग, मिडविकेट, डीप स्क्वायर लेग, मिड-ऑन और लॉन्ग लेग पर थे। गौरतलब है कि भारत को 240 रन पर आउट करने के बाद ऑस्ट्रेलिया ने ट्रेविस हेड के प्लेयर ऑफ द मैच 137 रन और मार्नस लाबुशेन के नाबाद 58 रन की बदौलत 43 ओवर में लक्ष्य हासिल कर लिया था।

चाइना मास्टर्स में चिराग-सात्विक की जोड़ी सेमीफाइनल में

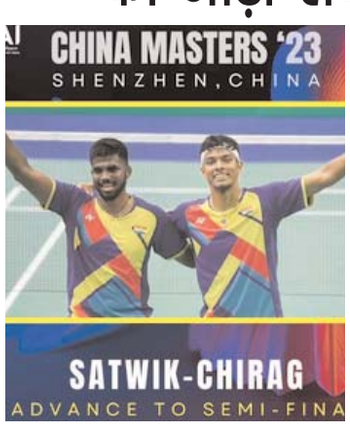

- इंडोनेशियाई जोड़ी को 46 मिनट में 21-16, 21-14 से हराया
- सात्विक और चिराग की जोड़ी का सामना सेमीफाइलन में चीनी जोड़ी से होगा
- क्वाटर फाइनल में भारतीय जोड़ी ने जापान के अकीरा कोगा-ताइची सैतो को हराया था

शेनझेन (चीन), 24 नवंबर (एजेंसियां)। एशियाई खेलों की स्वर्ण पदक विजेता जोड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने यहां चीन मास्टर्स सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट में इंडोनेशिया के लियो रोली कारनांडो और डैनियल मार्थिन पर शुक्रवार को सीधे गेम में जीत के साथ पुरुष युगल सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

शीर्ष वरीयता प्राप्त भारतीय जोड़ी ने वर्ल्ड नंबर 13 इंडोनेशियाई जोड़ी को 46 मिनट में 21-16, 21-14 के स्कोर के साथ हराया। सात्विक और चिराग का सामना अब दो चीनी जोड़ियों - हे जी टिंग और रेन जियांग यू और आठवीं वरीयता प्राप्त लियू यू चेन और ओउ जुआन यी के बीच होने वाले दूसरे क्वार्टर फाइनल मैच के विजेता से होगा।

इससे पहले टूर्नामेंट में यह जोड़ी जापान के अकीरा कोगा-ताइची सैतो को 21-15, 21-16 से हराकर क्वार्टर फाइनल में पहुंची थी।

पूर्व विश्व नंबर 1 भारतीय संयोजन ने नियमित रूप से स्थान बदलकर और अपने तीखे हमले के साथ उत्कृष्ट समन्वय प्रदर्शित किया, जिससे इंडोनेशिया के उनके प्रतिद्वंद्वियों के लिए चीजें मुश्किल हो गईं, जो दबाव में कमजोर हो गए थे।

दोनों साझेदारों ने मैच को बराबरी की शुरुआत दिलाने के लिए जी जान से संघर्ष किया। हालाँकि, आक्रामक शॉट्स की बौछार के साथ खेल पर तुरंत नियंत्रण हासिल करने के बाद भारतीय संयोजन से 14-14 से बराबरी कर ली।

चिराग के कुछ समझदारी भरे फैसलों की बदौलत वे जल्द ही 19-16 से आगे हो गए और मुंबईकर ने फिर तेजी से वापसी के साथ मैच को समाप्त करने की सेवा के बाद फ्रंट कोर्ट में आकर एक बार फिर अपना आक्रामक इरादा दिखाया। आधे समय में, भारतीयों ने जोरदार प्रहारों की बदौलत 11-6 की बढ़त बना ली।

भारतीय शुरू से ही अडिग थे और इंडोनेशियाई उनके आक्रमण का मुकाबला करने में असमर्थ थे। दोनों तेजी से 17-10 तक आगे बढ़े। इसके बाद, मार्थिन ने एक पिनपॉइंट स्मैश बनाया और मैच की सबसे लंबी रैली - 48 शॉट - शुरू की।

भारतीयों ने भाग्यशाली नेट कॉर्ड की बदौलत तीन अंकों की बढ़त ले ली और मार्थिन ने नेट पर जाकर उन्हें सात मैच प्वाइंट हासिल करने में मदद की। एक को बर्बाद करने के बाद, सात्विक और चिराग ने एक वीडियो रेफरल जीता और अपना अंतिम चार में स्थान सुरक्षित कर लिया।

विश्वकप के दौरान किया गया अभ्यास टी20 मुकाबले में काम आया : इशान

विशाखापत्तनम, 24 नवंबर (एजेंसियां)। आस्ट्रेलिया के खिलाफ टी-20 मुकाबले में कप्तान सूर्य कुमार यादव के साथ शतकीय साझीदारी निभाने वाले इशान किशन ने कहा कि विश्वकप के दौरान नेट पर कड़े अभ्यास का नतीजा है कि वह अपने बल्लेबाजी को निखार सके जो आखिरकार कड़े प्रतिद्वंदी के खिलाफ जीत में मददगार साबित हुआ।

भारत ने गुरुवार को आस्ट्रेलिया को पांच मैचों की टी20 श्रंखला के पहले मैच में दो विकेट से हरा दिया था। मैच के बाद आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में इशान ने कहा यह सच है कि मुझे शुरुआती मैचों के बाद विश्व कप में अंतिम एकादश में खेलने का मौका नहीं मिला मगर इस दौरान मैने नेट में कड़ा अभ्यास किया और बल्लेबाजी में की जा रही गल्तियों में सुधार किया। इसका नतीजा है कि आज मै अपने कप्तान के साथ बड़ी साझीदारी बनाने में सफल रहा।

आस्ट्रेलियाई स्पिनर तनवीर संघा की पिटाई के बारे में पूछे गये सवाल पर उन्होने कहा कि ''लेग स्पिनर के खिलाफ बाएं हाथ का बल्लेबाज होने के नाते मैं अच्छी स्थिति में था। मैंने सोच लिया था कि मैं संघा के खिलाफ बड़े शॉट खेलूंगा, फिर वह चाहे जहां भी गेंदबाजी करे। इसका मकसद हमें तेज गति से स्कोरबोर्ड को चलाना था। हम पुछ्ले बल्लेबाजों के लिये बड़ा लक्ष्य छोड़ने के बारे में कतई नहीं सोच रहे थे। हमें खुद पर भरोसा था जो हमने किया।

विकेटकीपर बल्लेबाज ने मात्र 39 गेंदों में 58 रन बनाये थे। उन्होने सूर्यकुमार (80) के साथ मिल कर शतकीय साझीदारी निभायी जिसकी बदौलत भारत ने 209 रन के लक्ष्य को रोमांचक मुकाबले में हासिल कर श्रृखंला को 1-0 कर दिया। इशान ने स्वीकार किया कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मुकाबला हमेशा से तनाव भरा होता है मगर कल का दिन हमारा था जिसमें हम सफल भी हुये हैं ।

'लेग स्पिनर के खिलाफ बाएं हाथ का बल्लेबाज होने के नाते मैं अच्छी स्थिति में था। मैंने सोच लिया था कि मैं संघा के खिलाफ बड़े शॉट खेलूंगा, फिर वह चाहे जहां भी गेंदबाजी करे। इसका मकसद हमें तेज गति से स्कोरबोर्ड को चलाना था। हम पुछ्ले बल्लेबाजों के लिये बड़ा लक्ष्य छोड़ने के बारे में कतई नहीं सोच रहे थे। हमें खुद पर भरोसा था जो हमने किया: इशान किशन

सूर्यकुमार को अगले छह महीने तक बस टी20 खेलना चाहिए : आकाश चोपड़ा

मुबंई। आस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 सीरीज के पहले मैच में भारत की जीत में अहम भूमिका निभाने वाले सूर्य कुमार यादव के बारे में भारतीय टीम के पूर्व सदस्य और कमेंटेटर आकाश चोपड़ा की राय है कि कुमार को अगले छह महीने तक सिर्फ टी20 मैच ही खेलना चाहिये। भारत ने गुरुवार को पहले टी20आई में भारत को दो विकेट से जीत मिली जिसमें सूर्यकुमार ने 80 रन की पारी खेली। आकाश ने कहा, टी20आई में सूर्यकुमार यादव अलग तरह के खिलाड़ी लगते हैं। उनकी अप्रोच बिल्कुल अलग होती है। वह रूकने वालों में से नहीं लगते। ऐसा क्यों होता है ऐसा इसीलिए होता है क्योंकि उनका डीएनए इसमें रंग गया है। उन्हें लगता है कि वह प्रारूप की ज़रूरतों को अच्छे से समझते हैं और परिस्थिति के हिसाब से प्लान बनाते हैं। यहां तक कि विरोधी टीम भी उनकी विस्फ़ोटकता से वाकिफ़ हैं और उनके लिए अलग तरह की फ़ील्ड लगाते हैं। उन्होने कहा मेरे नजरिए में, यह जरूरी नहीं है कि तीनों ही प्रारूपों में खिलाड़ी हिस्सा हों। सूर्या टी20 क्रिकेटर बन सकते हैं। अगले छह महीनों के लिए उनको टी20 क्रिकेट पर छोड़ना चाहिए। मुझे उम्मीद है कि तीनों प्रारूपों में उन्हें चाहने की वजह से हम एक टी20 रॉकस्टार खो दें। आकाश ने मुकेश कुमार के अहम 20वें ओवर पर भी बात की। उन्होंने कहा, मुकेश का आख़िरी ओवर शानदार था। उन्होंने इस ओवर में केवल पांच ही रन दिए, जिसमें एक नो बॉल भी थी। लेकिन उनकी सटीक यॉर्कर ने बल्लेबाज़ों को बांधे रखा। अगर वह इस ओवर में 15 रन तक दे देते तो भारत को 220 रन चेज़ करने होते और यह और भी मुश्किल हो जाता।

पाकिस्तान की बार-बार कप्तान बदलने की आदत पुरानी है : इयान चैपल

सिडनी, 24 नवंबर (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया के महान क्रिकेटर इयान चैपल ने कहा कि अगले महीने होने वाले ऑस्ट्रेलिया के तीन मैचों के टेस्ट दौरे से पहले, अपने कप्तानों को बार-बार बदलना पाकिस्तान के लिए आम बात है।

विश्व कप 2023 में पांचवें स्थान पर रहने और घर में हर तरफ से भारी आलोचना के बाद, बाबर आजम ने पाकिस्तान के सभी प्रारूपों के कप्तान के रूप में पद छोड़ दिया। अब इस इस्तीफे के बाद पाकिस्तान ने सलामी बल्लेबाज शान मसूद को नया टेस्ट कप्तान बनाया है।

मसूद 2009 के बाद से पाकिस्तान के नौवें टेस्ट कप्तान हैं, क्योंकि पाकिस्तान ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पर्थ (14-18 दिसंबर), मेलबर्न (26-30 दिसंबर) और सिडनी (3-7 जनवरी, 2024) में तीन टेस्ट खेलने हैं। लेकिन, उन्होंने कभी भी कोई श्रृंखला नहीं जीती है।

चैपल ने वाइड वर्ल्ड ऑफ पर कहा, यह दुख की बात है, मुझे लगता है कि बाबर एक बहुत अच्छा खिलाड़ी है। वह पाकिस्तान की टीम में अब भी शामिल है और हो सकता है कि वे एक बेहतर कप्तान ढूंढ सकें। लेकिन यह पाकिस्तान की खासियत है, वे अक्सर कप्तान बदलते हैं।

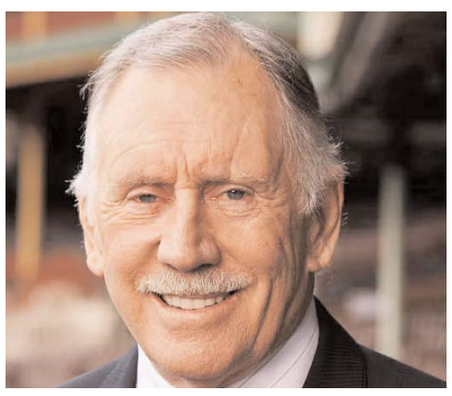

पाकिस्तान ने आखिरी बार 2019/20 में ऑस्ट्रेलिया का दौरा किया था, क्योंकि मेजबान टीम ने दोनों मैचों में पारी के अंतर से जीतकर श्रृंखला 2-0 से जीत हासिल की थी। पाकिस्तान के साथ समस्या यह है कि उनका ऑस्ट्रेलिया में कोई अच्छा रिकॉर्ड नहीं है, तब भी जब उनके पास अच्छी टीमें थीं जो बल्लेबाजी और गेंदबाजी कर सकती थी।

इस समय उनके पास कुछ अच्छे तेज़ गेंदबाज़ हैं। लेकिन, ऑस्ट्रेलियाई पिचों की उछाल ने उन्हें हमेशा परेशान किया है। यदि आप ऑस्ट्रेलियाई टीम को देखें, तो वे थोड़ा कमजोर हो सकते हैं।

चैपल ने कहा, इस समय उनके पास कुछ अच्छे तेज़ गेंदबाज़ हैं। लेकिन, ऑस्ट्रेलियाई पिचों की उछाल ने उन्हें हमेशा परेशान किया है। यदि आप ऑस्ट्रेलियाई टीम को देखें, तो वे थोड़ा कमजोर हो सकते हैं। स्टार्क, कमिंस, हेज़लवुड, ये लोग उस अतिरिक्त उछाल से पाकिस्तानी बल्लेबाजों को परेशान कर सकते हैं।

यह दुख की बात है, मुझे लगता है कि बाबर एक बहुत अच्छा खिलाड़ी है। वह पाकिस्तान की टीम में अब भी शामिल है और हो सकता है कि वे एक बेहतर कप्तान ढूंढ सकें। लेकिन यह पाकिस्तान की खासियत है, वे अक्सर कप्तान बदलते हैं : इयान चैपल

लॉरा वोल्वार्ट सभी प्रारूपों में द.अफ्रीका महिला क्रिकेट टीम की कप्तान नियुक्त

जोहान्सबर्ग, 24 नवंबर (एजेंसियां)। क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका (सीएसए) ने बताया कि सलामी बल्लेबाज लॉरा वोल्वार्ट को सभी प्रारूपों के लिए दक्षिण अफ्रीका का पूर्णकालिक कप्तान नियुक्त किया गया है और उनका कार्यकाल अगले महीने बांग्लादेश के खिलाफ होने वाली टी20 सीरीज से शुरू होगा । पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के खिलाफ दक्षिण अफ्रीका के हालिया दौरों के दौरान अंतरिम कप्तान के रूप में काम करने के बाद लॉरा ने पूर्णकालिक नेतृत्व की भूमिका संभाली। 24 वर्षीय लॉरा 86 वनडे मैचों में खेल चुकी हैं, जिसमें उन्होंने इस प्रारूप में 30 अर्द्धशतक और चार शतक के साथ 3,421 रन बनाए हैं। इसके अलावा उन्होंने 59 टी20 में नौ अर्धशतक के साथ 32.82 के औसत से 1,313 रन बनाए हैं।

बांग्लादेश के खिलाफ 3 से 8 दिसंबर तक होने वाली टी20 सीरीज में लॉरा दक्षिण अफ्रीका टीम की देखरेख करेंगी। जिसमें युवा खिलाड़ी अयंदा हुबी और एलिज़-मारी मार्क्स शामिल हैं, जो खेल के सबसे छोटे प्रारूप में अपना पहला अंतर्राष्ट्रीय कॉल-अप अर्जित कर रहे हैं। युवा और अनुभवी खिलाड़ियों के मिश्रण के साथ लॉरा वोल्वार्ट का आधिकारिक कप्तान होना हमारी उत्तराधिकार योजना के लिए अच्छा संकेत है। इससे युवा खिलाड़ियों को मौका देने में टीम में मौजूद उत्साह में भी मदद मिलेगी और इसलिए हम इस आगामी दौरे में उन्हें अपना हाथ बढ़ाते और प्रभावशाली प्रदर्शन करते देखने के लिए उत्सुक हैं। इसके अलावा, नए सीज़न की शुरुआत में घरेलू और उभरते स्तर पर कुछ ठोस प्रदर्शन करने के बाद, सर्दियों के दौरान हाथ में चोट लगने के बाद ऑलराउंडर एनेरी डर्कसेन राष्ट्रीय टीम में लौट आईं।

सार संक्षेप

एक दिवसीय विश्वकप में दर्शक संख्या ने बनाए कीर्तिमान

मुबंई। आईसीसी और उसके प्रसारण साझेदार डिज्नी स्टार के अनुसार, भारत में 2023 पुरुष वनडे विश्व कप ने स्टेडियम में उपस्थिति और प्रसारण व्यूअरशिप की संख्या के रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। आईसीसी ने कहा कि भारत के मैदानों पर हुए 48 मैचों को सबसे अधिक 1,250,307 दर्शकों ने देखा जिससे ऑस्ट्रेलिया और न्यूज़ीलैंड में 2015 विश्व कप के 1,016,420 दर्शकों की संख्या का रिकॉर्ड टूट गया। डिज्नी स्टार ने कहा कि टूर्नामेंट के छह हफ्तों में विश्व कप के लिए 51.8 करोड़ ट्यूनिंग के साथ भारत में रैखिक टेलीविजन दर्शकों की संख्या आधे अरब से अधिक हो गई है। भारत में ब्रॉडकास्ट ऑडियंस रिसर्च काउंसिल (बीएआरसी) के आंकड़ों के अनुसार, टीवी पर कुल ख़पत 422 (अरब मिनट थी, जो इसे अब तक का सबसे बड़ा विश्व कप बनाती है। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच हुआ विश्व कप फ़ाइनल टीवी पर 30 करोड़ लोगों ने देखा, जो 13 करोड़ अधिक था, जिससे डिज्नी स्टार के मुताबिक यह सबसे अधिक टीवी पर देखा जाने वाला क्रिकेट मैच बना। फ़ाइनल में डिजिटल व्यूअरशिप का रिकॉर्ड भी टूटा। डिज़्नी + हॉटस्टार पर 5.9 करोड़ व्यूअरशिप मिली जो सबसे बड़ा लाइव स्पोर्ट्स इवेंट बन गया।

खेलो इंडिया पैरा गेम्स में हरियाणा का दल होगा सबसे बड़ा

नई दिल्ली। पहली बार खेलो इंडिया पैरा गेम्स में हरियाणा 242 पैरा एथलीटों का सबसे बड़ा दल मैदान में उतारेगा जबकि राजस्थान के 140 और उत्तर प्रदेश के 125 पैरा एथलीट टूर्नामेंट का हिस्सा बनेंगे। इस बीच भारतीय पैरालंपिक समिति (पीसीआई) ने शुक्रवार को पहले खेलो इंडिया पैरा गेम्स की मेजबानी के लिए युवा मामले और खेल मंत्रालय की पहल की सराहना की। पीसीआई की अध्यक्ष दीपा मलिक ने कहा मैं बहुत रोमांचित और अभिभूत हूं कि पहली बार खेलो इंडिया पैरा गेम्स इस दिसंबर में नई दिल्ली में आयोजित किए जाएंगे। यह पहल एक समावेशी खेल पारिस्थितिकी तंत्र बनाने की दिशा में सरकार के दृष्टिकोण को दर्शाती है। मलिक शॉट पुट में पैरालिंपिक में पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला हैं। खेलो इंडिया पैरा गेम्स के पहले संस्करण में 1350 से अधिक पैरा एथलीट दिसंबर में राजधानी में उतरेंगे। हरियाणा अपने राज्य का प्रतिनिधित्व करने वाले 242 पैरा एथलीटों के साथ सबसे बड़ा दल देखेगा, जबकि राजस्थान 140 पैरा एथलीटों का एक मजबूत दल भेजेगा और उत्तर प्रदेश 125 का दल भेजेगा। गुजरात में 100 पैरा एथलीट सम्मान के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगे, जबकि मेजबान शहर दिल्ली के 97 एथलीट जोर आजमाइश करेंगे। दिलचस्प है कि महिला वर्ग में 442 एथलीट मैदान में उतरेंगे।